जबलपुर बुधवार 19 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण शुक्ल पक्ष सप्तमी

वर्ष 32 अंक 52 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 28.4°C
न्यूनतम तापमान 24.0°C
सूर्योदय - 5.48 | सूर्यास्त - 6.39

महाकौशल प्रांत की कार्यशाला में वक्ताओं ने ... ⏩ 5

पवन सिंह से शादी करना चाहती थी आम्रपाली ... ⏩ 7

डॉ. चित्रा प्रभात को उत्कृष्ट कार्य के लिए ... ⏩ 9

17 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड, खेल रत्न के लिए कोई नहीं

नई दिल्ली

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 की घोषणा हो गई है, लेकिन इस बार देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए किसी खिलाड़ी का चयन नहीं किया गया। वहीं, 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया है, जबकि एक खिलाड़ी को लाइफटाइम अर्जुन पुरस्कार मिला है। पुरस्कारों का एलान खेल मंत्रालय ने मंगलवार को किया। अर्जुन अवॉर्ड के अलावा तीन कोच को द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चुना गया है। भारत के उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति (सेवानिवृत) अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर, सरकार ने अलग-अलग श्रेणी में खिलाड़ियों, कोच और संस्थाओं को अवॉर्ड देने का फैसला किया है। अर्जुन पुरस्कार 2025 के लिए तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), मुहम्मद अजमल वी (एथलेटिक्स), प्रियंका गोस्वामी (एथलेटिक्स), त्रिशा जॉली (बैडमिंटन), पुलेला गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), नरेंद्र (बॉक्सिंग), विदित गुजराती (शतरंज), दिव्या देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (बधिर शूटिंग), लालरेमसियामी (हॉकी), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), पूजा (कबड्डी), रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा-शूटिंग), एकता भ्यान (पैरा एथलेटिक्स), अरविंद सिंह (रोइंग), अखिल श्योरण (शूटिंग) का नाम चुना गया है। अर्जुन पुरस्कार खेल के क्षेत्र में पिछले चार वर्षों में अच्छे प्रदर्शन और नेतृत्व, खेल-भावना और अनुशासन की भावना दिखाने वाले एथलीटों को दिया जाता है।

अर्जुन पुरस्कार लाइफटाइम

अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) 2025, आई अरुमनायगम (फुटबॉल) को दिया गया है। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मान देने और प्रेरित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने खेल के क्षेत्र में योगदान दिया है और खेल से संन्यास के बाद किसी न किसी रूप में जुड़कर उसे बढ़ावा देने में योगदान देते रहते हैं।

द्रोणाचार्य अवॉर्ड

द्रोणाचार्य अवॉर्ड 2025, परवीर सिंह (एथलेटिक्स), छोटे लाल यादव (बॉक्सिंग), और नेहा नंदकुमार चव्हाण (शूटिंग) को दिया गया है। द्रोणाचार्य अवॉर्ड उन प्रशिक्षकों (कोचों) को दिया जाता है जो लगातार बेहतरीन और काबिलियत भरा काम करते हैं और खिलाड़ियों को इंटरनेशनल इवेंट्स में बेहतर करने में मदद करते हैं।

द्रोणाचार्य अवॉर्ड लाइफटाइम

द्रोणाचार्य अवॉर्ड (लाइफटाइम) 2025 के लिए धर्मेंद्र सिंह यादव (बॉक्सिंग) और वीरेंद्र कुमार (कुश्ती) का नाम निश्चित किया गया है। राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार 2025, आर्मी पैरालंपिक नोड, पुणे को दिया जाएगा। यह सम्मान उन कॉर्पोरेट एंटिटी (सार्वजनिक, निजी) और गैर-सरकारी संस्थान (एनजीओ) को दिया जाता है, जिन्होंने खेल को बढ़ावा देने और विकास के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाई हो। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रत्येक वर्ष खेलों में बतौर खिलाड़ी और प्रशिक्षक बेहतर प्रदर्शन करने वालों को दिया जाता है।

मुरैना में खुदाई के दौरान निकले 1913 के सिक्के

मुरैना। मुरैना में ग्रीन फील्ड हाईवे निर्माण के दौरान ग्राम डोंगर पुर लोधा के पास खुदाई में पुराने चांदी के सिक्के मिले हैं। बताया जा रहा है कि सोमवार शाम करीब 5 बजे खुदाई के दौरान कुछ सिक्के ग्रामीणों को मिले। वहीं, एक जेसीबी संचालक को भी खुदाई के दौरान सिक्के मिलने की बात सामने आई है। सिक्के मिलने का वीडियो सामने आने के बाद मंगलवार को प्रशासन को मामले की जानकारी मिली। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को सिक्के बरामद कर सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं।

कोलकाता में सीजेपी के सभी कार्यक्रम रद्द

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने आरोप लगाया है कि कोलकाता में उसका प्रस्तावित कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की कथित धमकी और राज्य प्रशासन के दबाव के कारण रद्द हो गया। सीजेपी के मुताबिक, उत्तर कोलकाता के भारत सभा हॉल में होने वाले कार्यक्रम को अंतिम समय में रद्द कर दिया गया। संगठन का दावा है कि हॉल के मालिकों को कथित तौर पर धमकियां मिली थीं।

आप नेता सत्येंद्र जैन फिर गिरफ्तार

नई दिल्ली। एंटी करप्शन ब्यूरो ने मंगलवार को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के टेंडरों में गड़बड़ी के मामले में केजरीवाल सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। जैन के अलावा दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सीईओ उदित प्रकाश राय की भी गिरफ्तारी हुई है। एसीबी का आरोप है कि ट्रीटमेंट प्लांट के टेंडरों की शर्तें इस तरह बनाई गई थीं कि एक खास कंपनी को फायदा मिल सके। आरोप है कि उदित प्रकाश राय को 1.52 करोड़ की रिश्वत दी गई। एसीबी की जांच अभी जारी है।

मप्र में नमन मिशन का होगा गठन

वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और क्षमता निर्माण पर सरकार का फोकस

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ और जीवनदायिनी माँ नर्मदा के संरक्षण, पुनर्जीवन तथा दीर्घकालीन सतत् प्रबंधन के लिए 'निर्मल एवं अविरल माँ नर्मदा मिशन' (नमन मिशन) के गठन की स्वीकृति प्रदान की गयी। इसी तरह मंत्रि-परिषद ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 734 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। पिछले बीस वर्षों में प्रदेश में वैज्ञानिक अनुसंधान और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए राज्य शासन द्वारा बजट में लगभग 150 गुना वृद्धि की गयी है। प्रदेश के सर्वांगीण विकास, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और तकनीकी प्रगति को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णयों को मंजूरी दी गई। बैठक में राज्य की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं के आगामी वर्षों में निर्बाध संचालन के लिए लगभग 1 लाख 46 हजार करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई। महिला कल्याण को प्राथमिकता देते हुए 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' के लिए 1,14,365 करोड़ रुपये, 'मध्यप्रदेश लाड़ली लक्ष्मी योजना' के लिए 16,326.47 करोड़ रुपये और 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' के लिए 2,137.65 करोड़ रुपये की वित्तीय निरंतरता को मंजूरी दी गई है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं अधोसंरचना विस्तार के लिए 11 हजार 835.35 करोड़ रुपये, कृषि शिक्षा व अनुसंधान के लिए 870 करोड़ 16 लाख रुपये तथा प्रशासनिक कार्य कुशलता और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम में 35 नवीन पदों के सृजन को भी मंजूरी दी गई है।

नमन मिशन की प्रबंधन संरचना

मंत्रि-परिषद ने प्रदेश को जीवनदायिनी नर्मदा नदी के संरक्षण, पुनर्जीवन और दीर्घकालीन सतत प्रबंधन के लिए 'निर्मल एवं अविरल माँ नर्मदा मिशन' (नमन मिशन) के गठन की स्वीकृति दी है। मध्यप्रदेश की लगभग 33 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नर्मदा नदी और उसके जलग्रहण क्षेत्र पर निर्भर है। इसे ध्यान में रखते हुए इस मिशन को एकीकृत, वैज्ञानिक और बहु-विभागीय संस्थागत व्यवस्था के रूप में विकसित किया गया है। 'नमन मिशन' को म.प्र. सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1973 के तहत एक स्वायत्त संस्था के रूप में पंजीकृत किया जाएगा, जो पूर्व में गठित मंत्रिमंडल समिति, अन्तर्विभागीय कार्यकारिणी समिति और राज्य स्तरीय अनुश्रवण समिति की प्राथमिकताओं व अनुश्रवण तंत्र को समाहित कर सुदृढ़ कार्य योजना पर कार्य करेगा। नमन मिशन का प्रशासनिक ढांचा त्रि-स्तरीय रखा गया है।

मिशन का होगा मजबूत वित्तीय ढांचा

मिशन के सुचारू संचालन और परियोजनाओं के निष्पादन के लिए एक मजबूत वित्तीय ढांचा तैयार किया गया है। नर्मदा संरक्षण व विकास कार्यों के लिए 'निर्मल एवं अविरल नर्मदा मिशन निधि' के तहत राज्य अनुदान से प्रतिवर्ष 100 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, वन विभाग की कैम्पा निधि से प्रतिवर्ष 100 करोड़ रुपये का उपयोग किया जाएगा। आपवादिक परिस्थितियों में प्रचलित योजनाओं से भिन्न कार्यों के लिए 5 वर्षों में राज्य बजट से 100 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। मिशन में सीएसआर फंड, केंद्रीय सहायता और पीपीपी मॉडल के माध्यम से भी जन-सहयोग जुटाया जाएगा। तकनीकी दक्षता के लिए गठित की जा रही प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट एक टेक-इंजन और नवाचार केंद्र के रूप में कार्य करेगी। यह इकाई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा एनालिटिक्स, जीआईएस, रिमोट सेंसिंग, डिसीजन सपोर्ट सिस्टम और जलवायु परिवर्तन मॉडलिंग जैसी आधुनिक प्रणालियों का उपयोग कर नदी स्वास्थ्य का वैज्ञानिक मूल्यांकन करेगी।

मुख्यमंत्री करेंगे साधारण सभा की अध्यक्षता

मुख्यमंत्री सर्वोच्च साधारण सभा के अध्यक्ष रहेंगे। इसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री उपाध्यक्ष तथा 19 सहभागी विभागों के मंत्रीगण सदस्य होंगे। इसके अतिरिक्त साधारण सभा में नदी विज्ञान, जल विज्ञान, पर्यावरण, जैव विविधता और सामुदायिक प्रबंधन क्षेत्र के अधिकतम 10 प्रतिष्ठित विशेषज्ञ भी नामांकित किए जाएंगे। मिशन की प्रशासनिक कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे, जबकि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव उपाध्यक्ष और संचालन के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी कार्यकारिणी के सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे। इस कार्यकारिणी समिति में आईआईएसईआर, आईआईटी, आईआरएमए, एनआईएच, आईआईएफएम, आईसीएआर और एनईईआरआई जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञों को भी जोड़ा गया है।

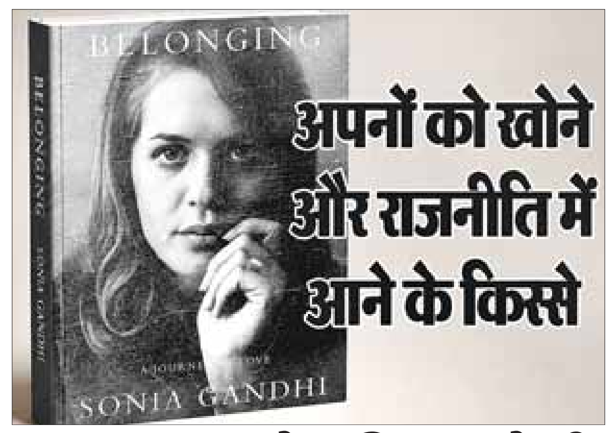

10 नवंबर को पब्लिश होगी सोनिया गांधी की आत्मकथा

न्यूयॉर्क। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की किताब 'बिलांगिंग: ए जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर को प्रकाशित होगी। प्रकाशक अल्फ्रेड ए नॉफ ने मंगलवार को यह घोषणा की। किताब में सोनिया गांधी ने इटली में बिताए बचपन से लेकर कैंब्रिज में राजीव गांधी से मुलाकात तक का जिक्र किया है। इस किताब में नेहरू गांधी परिवार में शादी और परिवार में हुई हत्याओं के बाद बदली जिंदगी के बारे में लिखा है। इसमें राजनीति में उनके सफर और 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के फैसले से जुड़े अनुभव भी शामिल हैं। इस किताब के मुताबिक, 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या ने उनकी जिंदगी को पूरी तरह बदल दिया। इसके बाद राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने, लेकिन 1991 में राजीव गांधी की भी हत्या कर दी गई। सोनिया गांधी बाद में सक्रिय राजनीति में आईं और लंबे समय तक कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं।

यह किताब परिवार की इंसानियत को समर्पित

सोनिया गांधी ने कहा कि उनके परिवार के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन उनके इरादों, काम और मानवीय पहलुओं को उस तरह नहीं समझा गया। कई मायनों में यह किताब उनकी इंसानियत को समर्पित है। उनके मुताबिक, किताब उनके जीवन के साथ-साथ भारत में करीब छह दशकों के दौरान हुए सामाजिक और राजनीतिक बदलावों को देखने का एक अलग नजरिया भी देती है। जब मैंने राजनीति से कुछ दूरी बनाकर पीछे मुड़कर अपने जीवन को देखा, तो मुझे अपनी कहानी में प्यार और वफादारी का एक धागा साफ नजर आया। यह धागा इटली के एक छोटे शहर में बिताए साधारण बचपन से शुरू होकर भारत में राजीव गांधी की पत्नी और इंदिरा गांधी की बहू के रूप में बिताए तक जाता है।

पीएम केयर्स फंड को मिलने वाले दान में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू योगदान 30 फीसदी घटा

पीएम केयर्स फंड को वित्त वर्ष 2024-25 में घरेलू दान में 30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह राशि घटकर करीब 479 करोड़ रुपये रह गई है। नवीनतम ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, विदेशी दान में भी 18 फीसदी की कमी आई है, जो 92.8 लाख रुपये रहा। हालांकि, 31 मार्च, 2025 तक फंड का कुल शेष बढ़कर 8,452 करोड़ रुपये हो गया है। एक साल पहले यह राशि 7,173 करोड़ रुपये थी। रिपोर्ट के अनुसार, इस कुल राशि में से 7,846 करोड़ रुपये सावधि जमा में रखे गए हैं। वहीं, 605 करोड़ रुपये बचत बैंक खातों में जमा हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में पीएम केयर्स को 681.8 करोड़ रुपये का घरेलू दान मिला था। इसी अवधि में 1.13 करोड़ रुपये का विदेशी दान भी प्राप्त हुआ था। फंड ने 2024-25 में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना पर 87.8 लाख रुपये खर्च किए। यह पिछले वित्त वर्ष के 15.37 करोड़ रुपये से काफी कम है। वर्ष 2024-25 में कुल भुगतान 87.85 लाख रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष में यह 15.6 करोड़ रुपये था। पीएम केयर्स फंड की वेबसाइट पर उपलब्ध ऑडिट किए गए बयानों के अध्ययन से पता चलता है कि स्वैच्छिक घरेलू योगदान 2020-21 में 7,184 करोड़ रुपये के शिखर पर पहुंच गया था। इसके बाद यह 2021-22 में घटकर 1,896 करोड़ रुपये हो गया। 2022-23 में यह और गिरकर 909 करोड़ रुपये पर आ गया। विदेशी योगदान में भी तेज गिरावट देखी गई है। यह 2020-21 में 495 करोड़ रुपये के उच्च स्तर पर था। अगले दो वर्षों में यह घटकर 40 करोड़ रुपये और 2.57 करोड़ रुपये हो गया। अब विदेशी योगदान 92.8 लाख रुपये है। यह 2019-20 के पहले वर्ष में 39.7 लाख रुपये के बाद दूसरा सबसे कम आंकड़ा है।

पूरे देश में बदलेगा सिस्टम

छात्र आंदोलन समाप्त होने पर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। झारखंड के छात्रों और राज्य सरकार के बीच सोमवार रात सहमति बन गई। अब इस मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि छात्रों ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है। यह खबर सुनकर अच्छा लगा। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी और झारखंड सरकार ने बातचीत का रास्ता चुना और समाधान निकाला। छात्रों ने संयम बरता और अपनी बात रखी। यही सही तरीका है, जब छात्र सवाल उठाएं, तो उन्हें जवाब मिलना चाहिए। हम देश के हर छात्र के साथ खड़े हैं। हम इस रिकवरी सिस्टम को पूरी तरह बदल देंगे। ताकि हर छात्र को अपनी मेहनत का पूरा फल मिले और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का अधिकार मिले। यह सिस्टम पूरे देश में बदलेगा। अब एक ऐसा ढांचा तैयार किया जाएगा जो छात्रों को आगे बढ़ाए, न कि उन्हें पीछे रोके। इसके साथ ही कांग्रेस ने मंगलवार को मोदी सरकार पर जाति जनगणना को बाधित करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही पूछा कि 2027 की जनगणना में जाति चयन के लिए ड्रॉप-डाउन मेनू क्यों शामिल नहीं किया गया है। वहीं, केंद्र ने सितंबर 2021 में सर्वोच्च न्यायालय में अपने हलफनामे में इसकी सिफारिश की थी।

उद्धव गुट ने सुप्रीम कोर्ट में कहा

पहले बागियों की अयोग्यता पर फैसला, फिर तय हो असली पार्टी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के शिवसेना विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई के दौरान उद्धव ठाकरे गुट ने अहम दलील दी। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि चुनाव आयोग को यह तय करने से पहले कि कौन-सा गुट असली शिवसेना है, उन विधायकों के खिलाफ चल रही अयोग्यता की कार्यवाही का नतीजा आने का इंतजार करना चाहिए, जिन्होंने ठाकरे गुट का साथ छोड़ा था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने सिब्बल ने ये दलीलें रखीं। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल हैं। ठाकरे गुट की ओर से 2024 में दायर दो याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। चुनाव आयोग के 17 फरवरी 2023 के फैसले को भी चुनौती दी गई है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान दलीलें पूरी नहीं हो सकीं। अब मामले पर सुनवाई बुधवार को भी जारी रहेगी। सिब्बल ने कहा कि चुनाव आयोग और महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने कानून की व्याख्या करते समय विधायी बहुमत और राजनीतिक दल को एक ही मान लिया। उनके मुताबिक, विधानसभा में किसी गुट के पास ज्यादा विधायक होने का मतलब यह नहीं है कि वही राजनीतिक पार्टी भी है।

हाई लेबल कमेटी करेगी पुलिस ज्यादती की जांच

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस की ज्यादती के आरोपों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाएगा। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान बनाए गए वीडियो फुटेज को उच्च स्तरीय समिति को सौंपने का निर्देश दिया जाएगा। यह समिति इन वीडियो की जांच करेगी। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक, यह उच्च स्तरीय समिति 20 जुलाई के प्रदर्शन के दौरान महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाए जाने के आरोपों की भी जांच करेगी। चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहन की पीठ बुधवार को आदेश जारी करेगी। इससे पहले पीठ मामले में शामिल किए जाने वाले सदस्यों के नाम को लेकर सभी पक्षों का सुझाव लेगी। पीठ ने यह भी कहा कि वह अधिकारियों को दिल्ली में 20 जुलाई को हुए संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के वीडियो फुटेज और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग समिति को सौंपने का निर्देश देगी। समिति इन रिकॉर्डिंग की जांच करेगी।

आज आदेश जारी करेगा सुप्रीम कोर्ट

समिति में कौन-कौन होगा?

छात्रों के प्रदर्शन के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पुलिस की ज्यादती के आरोपों की जांच करने वाली समिति में पूर्व जज, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पूर्व निदेशक और किसी राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक शामिल होंगे। सुनवाई के दौरान पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज उन एफआईआर की जानकारी देने को कहा, जिन्हें रद्द किया जा सकता है। इससे संकेत मिलता है कि कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल कर सकती है। छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामले रद्द करने का विरोध कर रहे एक वकील से पीठ ने कहा, यह छात्रों का जीवन है, जो दांव पर लगा है। हमें इस पर विचार करना होगा। आगे उनका भविष्य है। उन्हें अनुच्छेद 19 के तहत विरोध करने का अधिकार है।

विधिक छात्रों ने ली नशे के खिलाफ शपथ सशक्त भारत के संकल्प को किया मजबूत

हितकारिणी लॉ कॉलेज में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी लॉ कॉलेज में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सौजन्य से विद्यार्थियों में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने एवं स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं पारिवारिक दुष्परिणामों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

ऐसे जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण

इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशे से सदैव दूर रहने की शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करेंगे तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नशा मुक्त युवा स्वस्थ एवं सशक्त भारत के संकल्प को मजबूत किया। महाविद्यालय की ओर से ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखने के लिए ऐसे जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

विद्यार्थियों को जागरूक करना कार्यक्रम का उद्देश्य

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मअनुशासन, सकारात्मक सोच एवं स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विकाश सिंह, उप प्राचार्य डॉ भावना वर्मा, प्राध्यापकगण मोनिका सिंह, लोकेन्द्र सिंह, जॉली जैन, शिवांगी गोलछा, यामिनी मिश्रा, राजेश सेन, प्रशांत वर्मा, अश्विनी दोशी, शैली गुप्ता, उर्वशी, कीर्ति कोरी, दीपांकुर तिवारी, नवीन जैन, देवेन्द्र पांडे, सुधांशु जैन, राम बाबू एवं महाविद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

गुणवत्ता के साथ हो पढ़ाई, विद्यालयों में रखा जाए स्वच्छता का विशेष ध्यान

संयुक्त संचालक ने किया विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण, जबलपुर संभाग घनश्याम सोनी द्वारा बालाघाट जिले का दो दिवसीय औचक निरीक्षण कर विद्यालयों एवं छात्रावासों में शैक्षणिक व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति, स्वच्छता, भोजन, पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही विद्यालय एवं छात्रावास परिसर में स्वच्छता तथा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाए।

विद्यालयों एवं छात्रावासों का निरीक्षण - निरीक्षण के प्रथम दिवस 17 अगस्त को श्री सोनी द्वारा शासकीय मॉडल बालक छात्रावास, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाथरी विकासखंड बैहर, कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास बैहर, शासकीय मॉडल बालिका छात्रावास बैहर तथा शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा का निरीक्षण किया गया।

मॉडल बालक छात्रावास के निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई, स्वच्छता एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पेयजल एवं भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना संस्था की प्राथमिक जिम्मेदारी है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाथरी, बैहर में निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की उपस्थिति कम पाई गई। विद्यालय में दर्ज 204 विद्यार्थियों में से मात्र 106 विद्यार्थी उपस्थित मिले। इस पर श्री सोनी ने विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा अनुपस्थित विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें विद्यालय से जोड़ने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शासकीय प्राथमिक शाला उर्सेकल, विकासखंड बिरसा के निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक व्यवस्थाएं अत्यंत असंतोषजनक पाई गईं। मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता ठीक नहीं मिली। विद्यार्थियों के कपड़े अत्यंत मैले एवं अस्वच्छ पाए गए तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति भी बहुत कम थी। निरीक्षण के दौरान शिक्षकों का शैक्षणिक कार्य भी अपेक्षित स्तर का नहीं पाया गया।

नर्मदा प्रसाद दुबे हुए सम्मानित

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नर्मदा प्रसाद दुबे को ग्राम पंचायत जुझारी कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में जनपद सदस्य अनिल चौधरी एवं ग्राम पंचायत जुझारी द्वारा भारतीय संविधान भेंट करते हुए शाल श्रीफल से सेवानिवृत्त सचिव नर्मदा प्रसाद दुबे को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत जुझारी सरपंच ममता केशव चौबे, राजा दुबे, दीपक पटेल, नरेन्द्र चौबे आदि उपस्थित रहे।

शानो-शौकत से निकला शाही सन्दल जुलूस

जबलपुर। मखदूम-ए-जबलपुरी आले रसूल औलाद-ए-इमाम-ए-हुसैन हुजूर सैयदना सरकार शहीदे मिल्लत अक्षमा सैयद अब्दुल वद्द कादरी सूफी रब्बानी रह. के 43वें सालाना उर्स-ए-मुबारक एवं कुतुबे जबलपुरी हुजूर मसीह-ए-मिल्लत हजरत अक्षमा अल्हाज सैयद मोहम्मद दाऊदुल कादरी जान-ए-मसीह नश्तर रब्बानी रह. के 16वें सालाना उर्स के अवसर पर मंगलवार को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। दरबारे रब्बानी जबलपुर के सज्जादानशीन हजरत अक्षमा मुफ्ती सैय्यद मोहम्मद फैजानुर्रब अमजद रब्बानी साहब की कयादत में दोपहर 2 बजे खानकाह-ए-मशाइख-ए-रब्बानियां में कुरआन ख्वानी, नात एवं मनकबत ख्वानी हुई।

पिता की याद में पीड़ित मानवता की सेवा कर लगाए पौधे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

स्व. एचपी डे की 21वीं पुण्य तिथि पर मंगलवार को गौरीघाट पहुंचकर पीड़ित मानवता की सेवा की। इस मौके पर गरीबों को भोजन भी कराया गया। इसके पूर्व परिवार के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए, मां नर्मदा से प्रार्थना की।

सभी ने मिलकर दिवंगत को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनका आशीर्वाद लिया। इस मौके पर स्व. एचपी डे के सुपुत्र पंकज डे ने कहा कि सनातन धर्म में पीड़ित मानवता की सेवा को सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है। इसी भावना से गरीबों को भोजन कराया गया। इसके बाद पूरे परिवार ने मिलकर कैलाश धाम की पहाड़ियों पर फलदार पौधे लगाए।

परिवार के सदस्यों ने पौधों की देखरेख का संकल्प भी लिया। परिवार का कहना है कि पौधारोपण के जरिए हम अपने परिजनों की यादों को जीवंत रख सकते हैं। इस मौके पर पंकज डे, पिंकी डे, राजा, गोलू, आयुष, शिल्पी मित्रा, मैनाक मित्रा, चीनी डे, संगीता डे, बापी डे, चिन्टू बोस, रीनी बोस और रत्ना बोस की मौजूद रहे।

विद्युत जनसुनवाई शिविर का आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा डिवीजन के अंतर्गत आने वाली सबसे बड़ी गोसलपुर डीसी के तहत विद्युत मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशों के परिपालन पर विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायत का त्वरित निराकरण के लिए ग्राम पंचायत कार्यालय गोसलपुर में विद्युत उपभोक्ताओं की समस्या के समाधान हेतु जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिसमें मात्र 11 शिकायत प्राप्त हुई। शिविर के प्रभारी जेई रमेश सिन्हा व उनके स्टाफ द्वारा तुरंत निराकरण किया गया हालांकि जहां एक ओर विद्युत मंडल के आला अधिकारियों द्वारा इन आयोजित होने वाले शिविरों का व्यापक प्रचार प्रसार के साथ शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

फेडरेशन की बैठक में पेंशनर्स की समस्याओं पर हुआ सीधा संवाद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन की मैहर में बैठक एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। आयोजन के पूर्व महामंत्री राकेश डीपी पाठक के साथ सभी पदाधिकारियों ने मां शारदा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मां शारदा से प्रार्थना की कि सभी बिजली कंपनियां संविदा कर्मियों बिना शर्त नियमित करें और सभी आऊट सोर्स कार्मिकों को भर्ती के पूर्व 50 प्रतिशत आरक्षण दे कर नियमित करें। 2012 के पूर्व असामायिक निधन हुए बिजली कर्मचारियों के परिवार को बिना शर्त अनुकंपा नियुक्ति मिलें। संविदा अनुकंपा आश्रितों को नियमित नियुक्ति की विसंगतियों को दूर हों। बैठक को सम्बोधित करते हुए फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि फेडरेशन सभी श्रेणियों के कर्मचारियों और पेंशनर्स की समस्याओं के समाधान हेतु लगातार कार्य कर रही हैं। फेडरेशन एक सकारात्मक सोच के साथ सभी श्रेणियों के कर्मचारियों, पेंशनर्स के हित में कार्य करने वाला संगठन है आप इससे जुड़िए। फेडरेशन के लक्ष्मण सिंह राजपूत ने कहा कि हम सबको एकजुट होकर फेडरेशन को और अधिक सुदृढ़ और सक्रिय करें। एनके यादव ने कहा कि 15 वर्षों बाद फेडरेशन आज सभी श्रेणियों के कर्मचारियों की मांगों को प्रमुखता से रख रहा है और सफलता भी मिल रही है।

इस अवसर पर रामेश्वर गांगे, किशोर चौहान, गोपाल चौहान, उमाशंकर मेहता, दिलीप शर्मा, सुरेश डांगी, आरके कौशिक आदि उपस्थित रहे।

10 करोड़ नशामुक्त प्रतिज्ञा महाअभियान

जबलपुर। पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल सहजपुर शहपुरा में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शहपुरा द्वारा 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महा अभियान के अंतर्गत ब्रह्माकुमारी ऊषा दीदी द्वारा सभी छात्र छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को नशे से मुक्त रहने के लिए प्रेरित किया। सभी को नशामुक्ति हेतु जागृति लाने हेतु संदेश से साथ साथ राजयोग का अभ्यास भी कराया गया और नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई ओर शाला को नशामुक्ति प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

जिनसार की टीम ने विद्यार्थियों को समझाए जीवनरक्षक कौशल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) की बेसिक लाइफ सपोर्ट टीम द्वारा, संस्थान की प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में नगर निगम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोविंदगंज में बेसिक लाइफ सपोर्ट, सीपीआर एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान टीम द्वारा विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर प्रतिक्रिया देने तथा जीवनरक्षक कौशलों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

प्रतिभागियों को सीपीआर की आवश्यक प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही, यह बताया गया कि आपातकालीन स्थिति में प्रत्येक सेकंड महत्वपूर्ण होता है तथा शुरुआती कुछ मिनट किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में 70 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं रुचि के साथ प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया और व्यावहारिक प्रदर्शन के दौरान सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग एवं महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए नगर निगम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोविंदगंज, प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र पांडे के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया।

बदहाल व्यवस्थाओं के खिलाफ कांग्रेसियों का जमकर प्रदर्शन

शहपुरा-भिटौनी मार्ग पर किया चकाजाम

मौजूद रहा भारी पुलिस बल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहपुरा भिटौनी में विभिन्न जनसमस्याओं, किसानों के संकट और आम नागरिकों की परेशानियों को लेकर 18 अगस्त को कांग्रेस द्वारा शहपुरा भिटौनी स्थित गांधी पैलेस के समीप विशाल धरना-प्रदर्शन और चक्काजाम किया गया। आंदोलन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने लगभग 3 से 4 घंटे तक मुख्य मार्ग पर बैठकर जोरदार नारेबाजी की और शासन-प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। धरना-प्रदर्शन के दौरान किसानों की खाद समस्या, बिजली बिल, क्षेत्र में यातायात की बदहाल व्यवस्था, पुल निर्माण तथा रेलवे फाटक खोलने सहित विभिन्न मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से मूलभूत समस्याओं से परेशान है, लेकिन कई बार मांग उठाने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं हो पाया है।

ब्रिज टूटने के बाद बढ़ी परेशानी

प्रदर्शनकारियों ने जबलपुर-भोपाल मार्ग पर ब्रिज टूटने के बाद उत्पन्न हुई यातायात समस्या को गंभीर बताते हुए कहा कि इसके कारण क्षेत्र में आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। प्रदर्शनकारियों के अनुसार इन दुर्घटनाओं में अब तक दर्जनों लोगों की जान जा चुकी है। सड़क और पुल की खराब व्यवस्था के चलते आम लोगों, किसानों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शहपुरा क्षेत्र के विकास के लिए बेहतर सड़क और पुल व्यवस्था आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन से पुल निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने तथा जब तक पुल का निर्माण पूरा नहीं होता, तब तक वैकल्पिक यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शन में मुख्य रूप से डॉ. नीलेश जैन, परमलाल अहवासी, प्रमोद शुक्ला, विवेक सिंघई, नान राय, राजेश सिंह गौर, राम बाबू, सोनू दुबे, घनश्याम पटेल, दुर्जन पटेल, राज बहादुर, कौड़ी लाल, शेरू सिंह राय, राम प्रकाश, बसंत पटेल, संग्राम सिंह, चमन राय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

अलमारी में छिपा मिला 30 हजार का इनामी हत्यारा, अवैध हथियारों का जखीरा बरामद

क्राइम ब्रांच और पुलिस की संयुक्त कार्यवाही, 23 मोबाइल जब्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

कुख्यात गैंगस्टर अनिराज नायडू की हत्या में पिछले कई सालों से फरार आरोपी 35 वर्षीय शेख आदिल को पुलिस ने उसी के घर से अंदर से पकड़ा है। पुलिस की दबिश के दौरान आरोपी अलमारी में छिप गया, जहां से उसे बाहर निकालकर गिरफ्तार किया गया। आरोपी के पास से 2 देसी पिस्टल, 1 रिवॉल्वर, 3 कट्टे, 2 एयर गन, तलवार, बका, चाकू, 50 जिंदा कारतूस और 68 चले हुए कारतूस बरामद हुए हैं। इसके अलावा पासपोर्ट और 23 मोबाइल भी जब्त किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, वह अलग-अलग मोबाइल और सिम से साथियों के संपर्क में रहता था और विदेश भागने की तैयारी में था।

एक माह से कमरे में छिपा था आरोपी

दिसंबर 2023 में अनिराज नायडू उर्फ अन्ना की हत्या के बाद शेख आदिल मप्र, उत्तरप्रदेश और आसपास के जिलों में फरार रहा। करीब एक महीने पहले वह जबलपुर आया था। पुलिस के मुताबिक, जेल में बंद गैंगस्टर सुयश उर्फ छोटू चौबे के पिता शेखर चौबे ने उसे भूलन बस्ती स्थित एक कमरे में रुकवाया था। आदिल का ज्यादातर काम कमरे के अंदर ही होता था। उसने सुरक्षा के लिए घर के बाहर दो कुत्ते भी बांध रखे थे, ताकि किसी के आने पर उसे पहले ही जानकारी मिल सके।

लोडेड पिस्टल भी बरामद

क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भूलन बस्ती के एक कमरे में संदिग्ध गतिविधियां चल रही हैं। सूचना यह भी थी कि वहां इनामी बदमाश के साथ बड़ी संख्या में हथियार रखे हुए हैं। सूचना के बाद एसपी संपत उपाध्याय, एएसपी क्राइम ब्रांच जितेंद्र सिंह और एएसपी आयुष जाखड़ के निर्देशन में टीम ने कमरे की घेराबंदी की।

पुलिस की आहट सुनते ही आदिल कमरे में बने कवर्ड में छिप गया। पुलिस दरवाजा तोड़कर कमरे में दाखिल हुई और तलाशी शुरू की। इसके बाद आदिल को कवर्ड से बाहर निकालकर गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उसके पास से लोड पिस्टल भी बरामद हुई।

कमरे से मिला हथियारों का जखीरा

एएसपी आयुष जाखड़ के मुताबिक आरोपी की निशानदेही पर 2 देसी पिस्टल, 1 रिवॉल्वर, 1 बारह बोर का कट्टा, 1 तीन सौ पंद्रह बोर का कट्टा, 1 जंग लगा कट्टा, 2 एयर गन, 1 तलवार, 1 बका और 1 चाकू जब्त किया गया। इसके अलावा 9 खाली मैगजीन, 50 जिंदा कारतूस और 68 चले हुए कारतूस भी मिले हैं। आरोपी के नाम का पासपोर्ट और अलग-अलग कंपनियों के 23 मोबाइल भी पुलिस ने जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, शेख आदिल गैंगस्टर सुयश उर्फ छोटू चौबे का राइट हैंड है। पुलिस ने शेख आदिल, शेखर चौबे, सुयश उर्फ छोटू चौबे और बाबू सिंधी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। छोटू चौबे को आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए करीब दो महीने पहले एनएसए के तहत गिरफ्तार किया गया था। जो फिलहाल केंद्रीय जेल में बंद है।

राजनीतिक स्वतंत्रता से आगे, अधिकार और आत्मसम्मान की आजादी

तिरंगा हमारे गौरव का प्रतीक बनकर लहराता है और हम उन स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हैं, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। लेकिन स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का दिन भी है। हमें विचार करना चाहिए कि क्या आजादी का लाभ समाज के हर व्यक्ति तक समान रूप से पहुंच पाया है?

आजादी का बदलता अर्थ

15 अगस्त 1947 को भारत ने ब्रिटिश शासन से राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त की। उस समय आजादी का अर्थ विदेशी सत्ता से मुक्ति था। आज इसका अर्थ कहीं व्यापक है। शिक्षा, समानता, रोजगार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, आर्थिक आत्मनिर्भरता, सामाजिक सम्मान और भयमुक्त जीवन भी स्वतंत्रता के महत्वपूर्ण आधार हैं। भारत ने लोकतंत्र, विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष, शिक्षा और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है। फिर भी गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक भेदभाव, भ्रष्टाचार और असमान अवसर जैसी चुनौतियां हमें सोचने पर मजबूर करती हैं।

अधिकारों के साथ कर्तव्य भी

आज गुलामी का स्वरूप बदल गया है। नशे की लत, अंधविश्वास, उपभोक्तावाद, गलत आदतें और सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रभाव व्यक्ति की स्वतंत्र सोच को प्रभावित कर सकते हैं। तकनीक हमारे लिए उपयोगी साधन है, लेकिन जब मोबाइल और इंटरनेट हमारे समय और व्यवहार को नियंत्रित करने लगें, तो आत्मअनुशासन जरूरी हो जाता है। सच्ची स्वतंत्रता केवल अधिकार प्राप्त करने में नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनने में है। स्वच्छता रखना, पर्यावरण की रक्षा करना, कानून का पालन करना, सार्वजनिक संपत्ति का सम्मान करना और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना हमारा दायित्व है। स्वतंत्रता और अनुशासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं।

पूर्ण आजादी का सपना

सच्ची आजादी तब होगी जब हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, हर युवा को अवसर और हर व्यक्ति को सम्मान मिले। जब जाति, धर्म, भाषा या लिंग के आधार पर भेदभाव न हो और नागरिक अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने का साहस रखें, तभी स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ सार्थक होगा। इस स्वतंत्रता दिवस पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समझेंगे और देश को अधिक न्यायपूर्ण, समान और जिम्मेदार बनाएंगे। आजादी केवल यह नहीं कि कोई हम पर शासन न करे; सच्ची आजादी यह है कि हम विवेक, संविधान और जिम्मेदारी के साथ अपने जीवन और राष्ट्र की दिशा तय कर सकें।

मुकेश तिवारी

**शिक्षक,
हितकारिणी उ.मा. विद्यालय, गोरखपुर, जबलपुर।**

एक ध्वज, जिसमें पूरे राष्ट्र की कहानी समाई है

जब तिरंगा आसमान में लहराता है, तो वह केवल कपड़े का एक टुकड़ा नहीं होता। उसकी हर लहर में स्वतंत्रता संग्राम की गाथा, हर रंग में एक सपना और हर धड़कते हुए तिरंगे के साथ करोड़ों भारतीयों का गर्व जुड़ा होता है। तिरंगा हमें याद दिलाता है कि आजादी केवल एक दिन की उपलब्धि नहीं, बल्कि पीढ़ियों के संघर्ष, त्याग और परिश्रम का परिणाम है।

पहली पीढ़ी, जिसने आजादी का सपना देखा

गुलामी के दौर में स्वतंत्र भारत का सपना देखना ही साहस का काम था। असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने देश के लिए जेल की यातनाएं सहीं, संघर्ष किया और अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनके लिए आजादी केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि ऐसे भारत का सपना थी जहां नागरिक अपना भविष्य स्वयं तय कर सकें। 15 अगस्त 1947 को जब तिरंगा स्वतंत्र भारत के आकाश में लहराया, तो वह उनके सपनों की विजय का प्रतीक बना।

दूसरी पीढ़ी, जिसने भारत को बनाया

आजादी के बाद देश के सामने राष्ट्र निर्माण की बड़ी चुनौती थी। किसानों, मजदूरों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, सैनिकों और करोड़ों नागरिकों ने अपने श्रम से भारत को मजबूत बनाया। खेतों से कारखानों तक और विद्यालयों से प्रयोगशालाओं तक, इस पीढ़ी ने कठिन परिस्थितियों में विकास की नींव रखी। आज भारत की अनेक उपलब्धियों के पीछे उन अनगिनत लोगों का योगदान है, जिनके नाम शायद इतिहास में दर्ज नहीं, लेकिन जिनका परिश्रम राष्ट्र की नींव में शामिल है।

तीसरी पीढ़ी, जिसके हाथों में भविष्य

आज तिरंगा नई पीढ़ी के हाथों में है। यह पीढ़ी विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, खेल, चिकित्सा और उद्यमिता के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही है। चंद्रमा से लेकर डिजिटल दुनिया तक भारत की नई पहचान बनाने में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अब जिम्मेदारी है कि वे देश की उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हुए एक विकसित, आत्मनिर्भर और समावेशी भारत का निर्माण करें।

तीन रंग, तीन संदेश

केसरिया रंग साहस और त्याग की प्रेरणा देता है। सफेद रंग सत्य, शांति और सद्भाव का संदेश देता है। इसी तरह हरा रंग जीवन, विकास और समृद्धि का प्रतीक है। वहीं अशोक चक्र निरंतर गति और कर्म का संदेश देता है, रुकना नहीं, आगे बढ़ते रहना है।

एक तिरंगा, तीन पीढ़ियां और एक सपना

पहली पीढ़ी ने स्वतंत्रता का सपना देखा, दूसरी ने आजाद भारत को अपने श्रम से मजबूत किया और तीसरी पीढ़ी के हाथों में उस सपने को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी है। इसलिए तिरंगा केवल तीन रंगों का ध्वज नहीं, बल्कि बलिदान, निर्माण और भविष्य की आशा का प्रतीक है। तिरंगे को सलाम करते हुए हमें अतीत पर गर्व, वर्तमान के प्रति जिम्मेदारी और भविष्य के प्रति विश्वास का संकल्प लेना चाहिए।

आफरीन खान

**शिक्षक,
हितकारिणी चिल्ड्रेन एकेडमी,
देवताल, गढ़ा, जबलपुर।**

माँ भारती, माँ भारती

माँ भारती, माँ भारती, माँ भारती, माँ भारती
पद पंकज में शीश झुकाऊ,
करूँ में तेरी आरती माँ भारती, माँ भारती....
हिमशिखर सा मुकुट भाल पर, शस्य श्यामला रूप है ,
विन्ध्य सतपुड़ा सा है वैभव, कितना भव्य स्वरुप है
गंगा ,यमुना, सिन्धु, नर्मदा, तेरे चरण पखारती .
माँ भारती, माँ भारती..................
बलिदानों की पुण्यभूमि ये, स्वाभिमान की शान है
सारे जग में सबसे प्यारा,
मेरा हिंदुस्तान है
राम के जैसी मर्यादा है, यहाँ कृष्ण बने है सारथी
माँ भारती, माँ भारती ....
प्राणों का उत्सर्ग देकर, हमने पाई आज़ादी
उन्मुक्त हुआ ये नीलगगन, उन्मुक्त हुई घाटी वादी
उठो धरा के वीर सपूतो, भारत माँ पुकारती
माँ भारती, माँ भारती..................
पद पंकज में शीश झुकाऊ, करूँ में तेरी आरती, माँ भारती, माँ भारती....
माँ भारती, माँ भारती, माँ भारती, माँ भारती
पद पंकज में शीश झुकाऊ, करूँ में तेरी आरती, माँ भारती, माँ भारती...

दुर्गेश कुमार चौरसिया

शिक्षक, हितकारिणी उ.मा. शाला देवताल, गढ़ा, जबलपुर।

स्वतंत्रता का अमर तिरंगा

आजादी की सुबह सुहानी,
लेकर आई नई कहानी,
वीरों के बलिदानों से,
मिली हमें ये आजादी।
फांसी के फंदे चूम गए,
हंसकर प्राण लुटा गए,
भारत माँ के वीर सपूत,
अपना सब कुछ दे गए।
गांधी का सत्य-अहिंसा संदेश, भगत सिंह का साहस विशेष,
सुभाष की हुंकार सुनाई, आजादी की लौ जगमगाई।
झांसी की रानी का बलिदान, बना देश का स्वाभिमान,
अनगिनत वीरों की कुर्बानी, लिख गई आजादी की कहानी।
केसरिया कहता साहस रखो, सफेद कहता शांति रखो,
हरा रंग समृद्धि लाए, अशोक चक्र आगे बढ़ाए।
जाति-धर्म के भेद भुलाकर, एक रहें हम हाथ मिलाकर,
देश की माटी का मान बढ़ाएं, भारत को ऊंचा हम उठाएं।
नन्हे हाथों में तिरंगा हो, हर दिल में भारत का रंग हो,
ज्ञान, कर्म और सत्य के बल पर, भारत सबसे आगे कल हो।
आओ मिलकर शपथ ये लें, देशहित में हर कदम बढ़ाएं,
भारत माँ की आन-बान पर, अपना जीवन भी न्योछावर कर जाएं।
लहराता रहे सदा तिरंगा, गूंजे भारत माँ का जयगान,
आजादी के इस पावन पर्व पर, शत-शत नमन, वीरों को प्रणाम!

विद्रोह की चिंगारी से स्वतंत्रता के सूर्योदय तक

भारत की आजादी की लंबी यात्रा का निर्णायक आरंभ 1857 के विद्रोह से हुआ। अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों, आर्थिक शोषण, सामाजिक हस्तक्षेप और सैनिकों में असंतोष ने विद्रोह की पृष्ठभूमि तैयार की। मेरठ से शुरू हुई चिंगारी दिल्ली, कानपुर, झांसी, लखनऊ और बिहार सहित कई क्षेत्रों तक फैल गई। रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, बहादुर शाह जफर और कुंवर सिंह जैसे वीरों ने अंग्रेजी सत्ता को चुनौती दी। हालांकि यह विद्रोह सफल नहीं हुआ, लेकिन इसने भारतीयों में स्वतंत्रता की चेतना को मजबूत किया।

1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना ने स्वतंत्रता आंदोलन को संगठित राजनीतिक मंच दिया। शुरुआती दौर में नेताओं ने संवैधानिक सुधारों और भारतीयों की राजनीतिक भागीदारी की मांग उठाई। बाद में बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल जैसे नेताओं ने आंदोलन को अधिक प्रभावशाली बनाया। 1905 के बंगाल विभाजन के विरोध में स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन ने जनभागीदारी को नई दिशा दी। महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन गांव-गांव तक पहुंचा। असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और दांडी मार्च ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध व्यापक जनसमर्थन खड़ा किया। गांधीजी ने सत्य और अहिंसा को संघर्ष का हथियार बनाया। दूसरी ओर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और अन्य क्रांतिकारियों ने अपने साहस और बलिदान से युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाई। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन ने अंग्रेजों को भारत छोड़ने का स्पष्ट संदेश दिया। इसी दौर में सुभाषचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज ने स्वतंत्रता संघर्ष को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊर्जा दी। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटिश शासन आर्थिक और राजनीतिक रूप से कमजोर हो चुका था। लगभग नौ दशकों के संघर्ष, असंख्य बलिदानों और जनआंदोलनों के बाद 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि भारतीयों के आत्मसम्मान, एकता और स्वतंत्र अस्तित्व की ऐतिहासिक विजय थी। 1857 से 1947 तक की यह यात्रा हमें याद दिलाती है कि स्वतंत्रता त्याग, संघर्ष और सामूहिक संकल्प से प्राप्त होती ळें

आजादी की वह सुबह, जिसका इंतजार पीढ़ियों ने किया

आजादी का दिन हर भारतीय के मन में गर्व, देशभक्ति और उल्लास भर देता है। यह वह ऐतिहासिक दिन है, जब 1947 में लगभग दो सौ वर्षों के ब्रिटिश शासन से भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त की। यह केवल एक तारीख नहीं, बल्कि करोड़ों देशवासियों के संघर्ष, साहस, त्याग और बलिदान की परिणति है। ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापार के बहाने भारत आई और धीरे-धीरे राजनीतिक सत्ता पर अपना नियंत्रण स्थापित करती गई। अंग्रेजों की दमनकारी और शोषणकारी नीतियों के विरुद्ध 1857 में देश के अनेक हिस्सों में विद्रोह हुआ। भले ही इसे दबा दिया गया, लेकिन स्वतंत्रता की चिंगारी बुझी नहीं। इसके बाद स्वतंत्रता आंदोलन ने व्यापक रूप लिया। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन ने आम जनता को संघर्ष से जोड़ा। वहीं भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद, अशफ ाकउल्ला खान और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे क्रांतिकारियों ने अपने साहस और बलिदान से देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाई। आजाद हिंद फौज ने भी अंग्रेजी शासन को चुनौती दी। भारत को स्वतंत्रता देने की प्रक्रिया पहले की तय समयसीमा से आगे बढ़ाकर 1947 में पूरी की गई। तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने 15 अगस्त की तारीख निर्धारित की। इसी दिन भारत स्वतंत्र हुआ और विश्व मानचित्र पर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उभरा।

स्वतंत्रता की खुशी के साथ देश को विभाजन की त्रासदी भी झेलनी पड़ी। भारत और पाकिस्तान दो अलग राष्ट्र बने। विभाजन के दौरान हिंसा और विस्थापन के कारण लाखों लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। आजादी का यह अध्याय खुशियों के साथ गहरे दर्द की स्मृति भी समेटे हुए है। 14-15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने ऐतिहासिक 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' भाषण दिया। अगली सुबह लाल किले पर तिरंगा फहराया गया। 15 अगस्त हमें स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन करने और देश की एकता, शांति एवं प्रगति के लिए अपना योगदान देने की प्रेरणा देता है।

मोहित अग्रवाल

**शिक्षक,
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,
गोविंदगंज, जबलपुर।**

शब्द पहेली - 8951

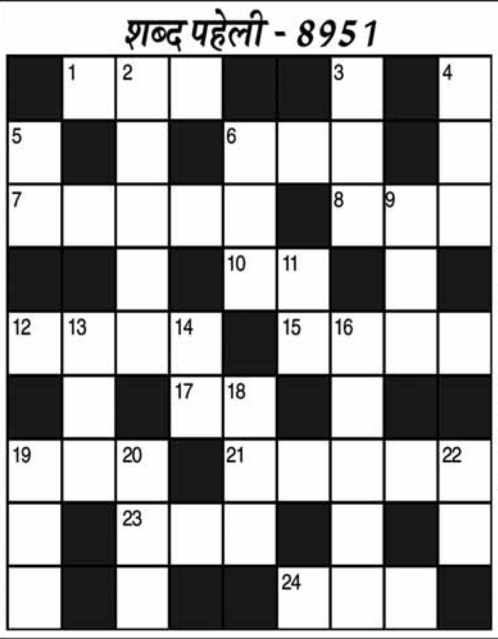

बाएँ से दाएँ

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा,, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली -8950 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

बैगा अंचल में बच्चों की मौत का खुलासा: मीजल्स और मलेरिया ने ली जान, अब जागा स्वास्थ्य विभाग

राज्य स्तरीय जांच दल की रिपोर्ट के बाद 20 अगस्त से मीजल्स-रूबेला कैचअप अभियान, 9 माह से 10 वर्ष तक के बच्चों को लगेगी अतिरिक्त वैक्सीन

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

बैगा आदिवासी बाहुल बिरसा विकासखंड में बच्चों की लगातार हो रही मौतों को लेकर आखिरकार राज्य स्तरीय जांच में बीमारी के कारणों का खुलासा हुआ है। आयुक्त स्वास्थ्य धनराजू एस की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय राज्य स्तरीय दल ने प्रभावित गांवों का दौरा और उपलब्ध जांच रिपोर्टों की समीक्षा करने के बाद बच्चों की मौत के प्रमुख कारण मलेरिया और मीजल्स (खसरा) को माना है। जांच में प्रभावित बच्चों में मीजल्स की पुष्टि हुई है, जबकि अन्य गंभीर वायरस की जांच निगेटिव पाई गई। जानकारी अनुसार, बैगा आदिवासी बाहुल क्षेत्रों में बीमारी को लेकर चली आ रही पारंपरिक मान्यताओं और अंधविश्वास ने भी स्थिति को गंभीर बनाने में भूमिका निभाई। ग्रामीण क्षेत्रों में कई परिवार बच्चों के शरीर पर दाने और तेज बुखार जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र ले जाने के बजाय इसे माता का प्रकोप मानकर झाड़-फूंक, पंडा और पारंपरिक उपचार का सहारा लेते रहे। कुछ मामलों में देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के लिए पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक अनुष्ठान भी किए गए। इसके कारण बीमारी के शुरुआती लक्षणों के बावजूद बच्चों को समय पर चिकित्सकीय उपचार और जांच नहीं मिल सकी। विशेषज्ञों की जांच में बाद में इन लक्षणों के पीछे मीजल्स (खसरा) और मलेरिया जैसे चिकित्सकीय कारण सामने आए। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग के सामने चुनौती केवल बीमारी के उपचार की नहीं, बल्कि दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और अंधविश्वास के बजाय समय पर वैज्ञानिक उपचार अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित करने की भी है।

समय पर टीकाकरण नहीं होना बना गंभीर सवाल

जांच के अनुसार प्रभावित बैगा क्षेत्रों में नियमित टीकाकरण की स्थिति चिंता का विषय रही। इसी बीच बच्चों में मीजल्स संक्रमण सामने आया। वहीं बिरसा क्षेत्र पहले से ही मलेरिया के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब क्षेत्र में हर वर्ष बारिश के मौसम में मलेरिया और बुखार के मामले बढ़ते हैं, तो स्वास्थ्य विभाग ने पहले से प्रभावी निगरानी और रोकथाम के इंतजाम क्यों नहीं किए।

इन गांवों में जुलाई से बढ़े थे बुखार के मरीज

राज्य स्तरीय दल के अनुसार, 17 जुलाई से बिरसा विकासखंड के बोंदारी, कोरका और कुंडेकसा गांवों में बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ने की सूचना मिली थी। ये गांव सोनगुड्डा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आने वाले पांच उप स्वास्थ्य केंद्रों के क्षेत्र में आते हैं। 14 अगस्त को राज्य स्तरीय दल ने प्रभावित ग्रामों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। जांच के दौरान चांदीपुरा वायरस, वेस्ट नाइल फीवर वायरस और जापानीज इंसेफेलाइटिस वायरस सहित विभिन्न वायरस की जांच की गई, जिनके परिणाम निगेटिव मिले। वहीं आईसीएमआर एवं अन्य संस्थानों की जांच में प्रभावित क्षेत्र के बच्चों में मीजल्स की पुष्टि हुई। उपलब्ध रिपोर्टों के आधार पर मलेरिया और मीजल्स को बच्चों की मौत के प्रमुख कारण माना गया है।

20 अगस्त से चलेगा विशेष टीकाकरण अभियान

स्थिति सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में 20 अगस्त से मीजल्स-रूबेला कैचअप अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। अभियान में 9 माह से 10 वर्ष तक के सभी बच्चों को मीजल्स-रूबेला वैक्सीन की अतिरिक्त खुराक दी जाएगी। साथ ही रोग नियंत्रण, जांच, उपचार, सर्वेलेंस, टीकाकरण तथा बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की निगरानी के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है।

19 बच्चों की मौत का दावा, आंकड़ों पर भी उठे सवाल

प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर 19 बच्चों की मौत की बात सामने आई है, जबकि सरकारी आंकड़ों में अब तक आठ मौतों का उल्लेख किया गया है। इससे मृतकों की वास्तविक संख्या और मौतों के कारणों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में पहले भी बच्चों की मौत होती रही है, लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं और नियमित टीकाकरण की कमी पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। स्थानीय स्तर पर जिन 19 बच्चों की मौत बताई गई है, उनमें बोंदारी के रूपलाल धुर्वे, पूजा धुर्वे, सचिन मरकाम, रूपाल धुर्वे और प्रियंका धुर्वे एवं कोहनीमोड़टोला के शाहिल धुर्वे और लमनिन धुर्वे, पटेलटोला की प्रीति मरकाम, कोंडेकसा के अरविंद धुर्वे, मातला के सदेसिंह मरकाम, रूही परते और राम परते, मछुरदा के सूरज मरकाम और रोवन धुर्वे, कोरका की सुंदरी मेरावी, गठिया की मंगला मरकाम, चिखली खैरटोला की सुरमीला तथा कोडबीरकोना के राजू तिलगाम और तेंदूडेंही के रौवनू मनकाम शामिल बताए गए हैं।

इतनी मौतों के बाद क्यों जागा स्वास्थ्य विभाग?

मीजल्स और मलेरिया से बच्चों की मौत की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। यदि समय पर टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और मलेरिया की रोकथाम के प्रभावी इंतजाम किए जाते, तो शायद कई मासूमों की जान बचाई जा सकती थी। आखिर संवेदनशील बैगा क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य निगरानी और टीकाकरण अभियान पहले क्यों प्रभावी नहीं रहा? अब विभाग ने 20 अगस्त से मीजल्स-रूबेला कैचअप अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों की मांग है कि लापरवाही की जिम्मेदारी तय कर भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जाए।

बाघ के सिर पर लाठी से वार कर बचाई जान

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन खापा परिक्षेत्र में बाघ के हमलों से दहशत का माहौल है। यहां ग्राम करेली निवासी एक युवक पर बाघ ने जानलेवा हमला कर दिया। युवक ने हिम्मत नहीं हारी और हाथ में मौजूद लाठी से बाघ के सिर पर वार कर अपनी जान बचाई। घटना सोमवार सुबह आठ से नौ बजे के बीच की है। करेली गांव के संतोष मेश्राम 30 वर्ष रोज की तरह खेती के काम से अपने खेत जा रहे थे। मोवाला बीट के जंगल से सटे रास्ते पर पहुंचते ही झाड़ियों में छिपे बैठे बाघ ने अचानक उन पर झपट्टा मार दिया। बाघ ने संतोष के दोनों हाथों को अपने जबड़े में जकड़ लिया।प्राण संकट में देख संतोष ने भी पूरी ताकत झोंक दी। हाथ में जो लाठी थी उसी से उन्होंने बाघ के सिर पर लगातार वार किए। शोर मचाने पर आसपास खेत में काम रहे लोग भी दौड़े। जिसके बाद बाघ ने उन्हें छोड़ दिया और जंगल की तरफ भाग गया। हमले में संतोष के दोनों हाथों पर बाघ के दांतों के गहरे निशान हैं और काफी खून भी बह गया। बचाव के दौरान वह सिर के बल जमीन पर गिर गए, जिससे सिर में भी चोट आई है। किसी तरह संतोष घर तक पहुंचे। स्वजनों और गांव वालों ने तुरंत 108 की मदद से उन्हें बैहर के सिविल अस्पताल पहुंचाया। डॉ. कौशल कुमार ने बताया कि मरीज की हालत अब स्थिर है। हाथों और सिर की मरहम-पट्टी कर उन्हें भर्ती कर लिया गया है। अधिक खून बहने के कारण उन्हें निगरानी में रखा गया है। इधर घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम गांव पहुंची। वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है। मुनादी कराकर खेत तरफ अकेले नहीं जाने की सलाह दी है।

आगजनी से कोठे में बंधी 2 बकरियां जिंदा जली

कटंगी (स्वतंत्र मत)। कटंगी थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत सेलवा के टंकी टोला में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग में एक पशु पलक का मवेशी कोठा जल गया और उसमें बंधी 2 पालतू बकरियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रविवार-सोमवार की मध्य रात्रि करीब 12 बजे टंकी टोला निवासी मदन बिसेन के घर के पीछे बने मवेशियों को बांधने वाले कोठे में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरा कोठा उसकी चपेट में आ गया। कोठे में बंधी बकरियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग जाग गए।

पंडित रामललन द्विवेदी (दद्दा जी) स्मृति मेधावी छात्र का पुरस्कार इस वर्ष सागर गुप्ता को मिला

मानपुर (स्वतंत्रमत)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मानपुर नगर में आयोजित मुख्य समारोह में अतिथियों द्वारा पूर्व परंपरा के अनुसार पंडित रामललन द्विवेदी 'दद्दा जी स्मृति मेधावी छात्र पुरस्कार वर्ष 2025-25 शासकीय संदीपनी हायर सेकेंडरी विद्यालय के छात्र सागर गुप्ता, पिता श्री रामनारायण गुप्ता को प्रदान किया गया। मुख्यअतिथि मानपुर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुश्री मीना सिंह जी एवं पुरस्कार समिति के अध्यक्ष ओपी द्विवेदी सहित अन्य विशेष आमंत्रित अतिथियों के कर-कमलों से सागर गुप्ता को यह सम्मान प्रदान किया गया। पुरस्कार समिति के अध्यक्ष ओपी द्विवेदी जी ने पुरस्कार के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष पुरस्कार के रूप में

5100 नगद, प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं शाल प्रदान की गई। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मानपुर में कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र को ही पंडित रामललन द्विवेदी (दद्दा जी) की स्मृति में उक्त पुरस्कार प्रदान किया जाता है।वर्ष '1998 में पंडित रामललन द्विवेदी दद्दा जी के निधन' के पश्चात उनके परिजनों ने वर्ष '1999 से' शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मानपुर में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र को प्रत्येक वर्ष '15 अगस्त के मुख्य समारोह में उक्त पुरस्कार' प्रदान करने की परंपरा शुरू की गई। इस वर्ष शासकीय सांदीपनि हायर सेकेंडरी स्कूल मानपुर के कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर सागर गुप्ता ने यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि पर पुरस्कार समिति के सदस्यों व शिक्षकों और प्राचार्य ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समिति के सदस्यों ने कहा कि सागर गुप्ता की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार एवं विद्यालय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के विद्यार्थियों के लिए भी एक प्रेरणादायी और अनुकरणीय उदाहरण बनेगी। 'पंडित रामललन द्विवेदी (दद्दा जी) द्वारा प्रज्वलित शिक्षा की यह मशाल इसी प्रकार प्रतिभावान विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करती रहेगी।

बालाघाट में औषधि दुकानों ने किए 3 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निलंबित और 26 के निरस्त

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

कलेक्टर कुमार सत्यम के निर्देशानुसार तथा उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन बालाघाट के मार्गदर्शन में जिलेभर के औषधि विक्रय संस्थानों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कडी में 18 अगस्त को खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले में औषधि दुकानों के संचालन में अनियमितताएं पाए जाने पर कार्यवाही करते हुए 3 मेडिकल स्टोर के ड्रग लाइसेंस निर्धारित अवधि के लिए निलंबित किए गए तथा 26 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं।

उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कई दुकानों में नियमों के उल्लंघन और विभिन्न अनियमितताएं सामने आईं। जिसमें औषधियों के क्रय-विक्रय से संबंधित दस्तावेजों का उचित मिलान नहीं होना, एक्सपायरी हो चुकी दवाओं को नियमानुसार अलग नहीं रखना, औषधि विक्रय के लिए आवश्यक योग्य व्यक्ति की अनुपस्थिति तथा शीत-श्रृंखला में रखी जाने वाली दवाओं का निर्धारित तापमान पर उचित संधारण नहीं किए जाने जैसी अनियमितताएं पाई गईं। जिसके पश्चात संबंधित फर्म संचालकों को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर जवाब एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। किंतु संतोषजनक जवाब और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए।

कार्यवाही के फलस्वरूप विभाग द्वारा जय भोले मेडिकल, कुम्हारी बालाघाट का लाइसेंस 10 दिवस के लिए निलंबित किया गया है। इसी तरह उपवंशी मेडिकल स्टोर्स, मिरगपुर का लाइसेंस 7 दिवस तथा महेंद्र मेडिकल एंड जनरल स्टोर, भटेरा रोड बालाघाट का लाइसेंस 3 दिवस के लिए निलंबित किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निलंबन अवधि के दौरान संबंधित मेडिकल स्टोर द्वारा औषधियों का क्रय अथवा विक्रय किया जाना पूर्णत: अवैधानिक माना जाएगा। ऐसा पाए जाने पर संबंधित संचालक के विरुद्ध प्रशासनिक अथवा न्यायालयीन कार्रवाई की जा सकती है।

जिले के 26 मेडिकल स्टोर के ड्रग लायसेंस निलंबित

खाद्य विभाग द्वारा जिले के 26 मेडिकल स्टोर के ड्रग लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। इनमें डहरवाल मेडिकल बकोड़ा, अमूल फार्मेसी कायदी, चौके फार्मेसी घोटी, हर्ष फार्मेसी बालाघाट, मां ललिता फार्मेसी लांजी, राहुल फार्मेसी नवेगांव, साईबाबा मेडिकल बालाघाट, अर्पणा विनायक मेडिकल टेडवा, सिद्धिविनायक मेडिकल बिसोनी, आई मेडिकल घोटी, मोदी बंधू मेडिकल चंगोटोला, स्वाति मेडिकल कटंगी, बीजी मेडिकल बालाघाट, नित फार्मेसी बालाघाट, गोयल मेडिकल वारासिवनी, बाम्बे फार्मेसी कटंगी, अक्षय मेडिकोज बिसोनी, रिसब मेडिकल किरनापुर, बालाजी फार्मेसी भरवेली, शिवम् फार्मेसी सुसवा, भारती मेडिकल तिरोड़ी, जयअम्बे मेडिकल गोंगलाई, लकी फार्मेसी भरवेली, धरा फार्मेसी वारासिवनी, सीताराम मेडिकल बालाघाट एवं न्यू हिन्द फार्मेसी भरवेली शामिल हैं।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिलाध्यक्ष तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ संदीप कुमार त्रिपाठी ने बताया कि तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश के अवाहन पर राजधानी भोपाल सहित प्रदेश में सभी जिला मुख्यालय पर अपनी मांगों को लेकर ध्यान आकर्षण किया है। संघ द्वारा मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन भोपाल, मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन भोपाल के नाम का ज्ञापन मंगलवार 18 अगस्त को सौंपा हैं। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियो की तरह प्रदेश में कार्यरत एवं सेवानिवृत्ति कर्मचारियों को महंगाई का सामाना करने के लिये 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता महंगाई राहत 1 जनवरी 2026 से प्रदान करने के आदेश शीघ्र किये जाएं। नवनियुक्त कर्मचारियों की नियुक्ति के 3 वर्ष तक 70,80,90 प्रतिशत का बंधन हटाया जाए। तीन वर्ष में कर्मचारियों को लाखों रूपए का नुकसान होता है। मान. उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा भी 12 दिसम्बर 2019 के इस आदेश को निरस्त कर दिया है। अनुकम्पा नियुक्ति एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पदोन्नति में सीपीसीटी की बाध्यता समाप्त की जाए। सीपीसीटी के कारण कई कर्मचारियों की सेवा समाप्त होने से परिवारों पर संकट है। कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना के आदेश शीघ्र जारी किये जाएं ताकि कार्यरत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर लाभ मिले। ई अटेंडेंस प्रणाली को सामाप्त किया जाये।

स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस भवन में किया गया ध्वजारोहण

उमरिया (स्वतंत्रमत)। स्वतंत्रता दिवस को ब्लॉक मुख्यालय उमरिया स्थित कांग्रेस भवन में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजीनियर विजय कोल द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के संदेश का वाचन कर नगर एवं जिलेवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर पूर्व विधायक अजय सिंह, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मिथलेश राय, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा, संगठन महासचिव पुष्पराज सिंह, अमृत लाल यादव, त्रिभुवन प्रताप सिंह, सावित्री सिंह, वीरेंद्र सिंह, मो. नईम सेंगर, संजय पांडेय, किशोर तिवारी, नासिर अंसारी, शेख उसमान मंसूरी, हजारी लाल सोनी, शेख शाहरुख, पी.एन. राव, धन प्रताप सिंह, देव बहादुर सिंह, किशोर सिंह, लालभवानी सिंह, राजकुमार सिंह चौहान, जग्गी कोरी, रामायणवती कोल, उमेश कोल, खुर्रम शहजादा सहित कांग्रेस के पदाधिकारियो के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पौनिया के छोटे तालाब में मिला युवक का शव

कटंगी (स्वतंत्र मत)। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पौनिया में सोमवार सुबह एक युवक का शव तालाब में तैरता मिलने से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार सोमवार 17 अगस्त की सुबह करीब 7 बजे ग्रामीणों ने गांव के छोटा तालाब में एक युवक की लाश तैरती हुई देखी। शव देखकर अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।सूचना मिलते ही सरपंच प्रतिनिधि भी घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तुरंत तिरोड़ी पुलिस को सूचना दी। पुलिस के आने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकाला गया। पुलिस के सामने ग्रामीणों ने शव की शिनाख्त की तो मृतक की पहचान पवन पिता नंद किशोर समरीते, उम्र 23 वर्ष, निवासी पौनिया के रूप में हुई। ग्रामीणों ने बताया कि पवन पिछले कुछ वर्षों से अपने पूरे परिवार के साथ नागपुर में रह रहा था। वह 15 अगस्त को अपने पिता की मौसी की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए पौनिया आया था। परिजनों के अनुसार 17 अगस्त की सुबह पवन घर पर नागपुर जाने की बात कहकर निकला था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। सोमवार सुबह उसका शव तालाब में मिला घटना की सूचना पर तिरोड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस दो पहलुओं पर जांच कर रही है। पहला कि कहीं यह कोई हादसा तो नहीं है और दूसरा कि युवक ने आत्महत्या तो नहीं की। पुलिस ने शव बरामद करने के बाद मर्ग कायम कर जांच विवेचना शुरू कर दी है।अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक की मौत कैसे हुई। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच करेगी।

आदर्श कॉलेज में हर घर तिरंगा अभियान का समापन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में शासन द्वारा निर्धारित 9 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान 2026 के अंतर्गत विभिन्न् गतिविधियों का समापन मंगलवार 18 अगस्त को महाविद्यालय सभागार में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम तथा राष्ट्रगान जन गण मन के सामूहिक गायन के साथ किया गया। तिरंगा रैली,विभाजन विभीषिका दिवस,तिरंगा प्रश्नोत्तरी ,तिरंगे के महत्व पर परिचर्चा,तिरंगा रंगोली आदि कार्यक्रमों का प्राचार्य डॉ. नियाज अहमद अंसारी के संरक्षण एवं सहायक प्राध्यापक श्रीमती निशी कर्ण ,एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रेम सिंह हटीला के संयुक्त संयोजन में आयोजन किया गया। देशभक्ति से संबंधित उक्त विभिन्न गतिविधियों के आयोजन में प्रशासनिक अधिकारी डॉ.अरुणेंद्र बहादुर सिंह ,डॉ. विजय डाबर, शिवकुमार हल्दाकार, अपूर्वा दहायत,डॉ मोनिका पटेल, क्रीड़ा अधिकारी महेन्द्र कनौजिया, डॉ राजीव तिवारी,डॉ हरेंद्र कुमार,डॉ रश्मि साकेत,डॉ रूपलता चतुर्वेदी, डॉ जुगुल किशोर, डॉ राजेंद्र प्रसाद, डॉ. रिचा तिवारी, डॉ. सत्येॉर्न्द्महोबिया, डा. नवीन उपाध्याय, डा वीरेन्द्र विश्वकर्मा, डॉ मनीष मिश्रा, शिवराज कोल सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों,कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

राज्य स्तरीय ओलंपियाड में प्रथम स्थान हासिल करने वाले कक्षा 3 के छात्र ऋषि केवल को स्वतंत्रता दिवस पर कलेक्टर ने किया सम्मानित

उमरिया (स्वतंत्रमत)

स्थानीय स्टेडियम परिसर में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान जिले के लिए गौरव का क्षण देखने को मिला। शासकीय प्राथमिक शाला खैरवार टोला, मानपुर में कक्षा तीसरी के छात्र ऋषि केवट को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए जिले की कलेक्टर द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। मात्र 8 वर्ष की उम्र में ऋषि केवट ने राज्य स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में पूरे मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले और अपने विद्यालय का नाम रोशन किया है। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में भी ऋषि ने पांचवां स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। स्वतंत्रता दिवस समारोह में ऋषि की इस उपलब्धि का उल्लेख होने पर उपस्थित लोगों ने भी उसकी प्रतिभा की सराहना की। कलेक्टर ने ऋषि को सम्मानित करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि इतनी कम उम्र में छात्र द्वारा हासिल की गई यह उपलब्धि जिले के लिए गर्व का विषय है। ऋषि केवट की इस सफलता पर जिला शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र वडकडे, जिला परियोजना समन्वयक आर.एस. मरावी, एपीसी के.जी. भट्ट सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए छात्र को बधाई और शुभकामनाएं दीं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने कहा कि ऋषि जैसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की उपलब्धियां अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। परिवार, शिक्षकों और शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में ऋषि ने कम उम्र में जो मुकाम हासिल किया है, वह निश्चित रूप से सराहनीय है। कलेक्टर सहित समारोह में मौजूद सभी अधिकारियों ने ऋषि के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उसके निरंतर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं।

वातायन अध्यक्ष को दी गई अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

उमरिया (स्वतंत्रमत)। साहित्यक संस्था वातायन जिला उमरिया के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद पयासी का लम्बी बीमारी के बाद विगत दिवस देहान्त हो गया जिन्हें उनके गृह ग्राम गिंजरी में अश्रु पूरित अंतिम विदाई दी गई। विदित हो कि जगदीश प्रसाद पयासी बघेली बोली के अप्रतिम साहित्यकार थे।बघेली बोली की रचनाओं को श्रोताओं ने, रीवा सम्भाग व शहडोल संभाग में उन्हें सर्वोत्कृष्ट स्थान दिया। पिछले वर्ष 13 जुलाई 2025 से ,जल सेना से सेवानिवृत्त योगेश कुमार पान्डेय ने, वातायन के कवियों की रचनाएं यूट्यूब, इंस्टाग्राम व फेसबूक में वीडिओ बनाकर भेजना शुरू किया था। जिनमें अन्य कवियों के साथ साथ अध्यक्ष जगदीश प्रसाद पयासी जी की भी कई रचनाएं प्रसारित की गई थीं।उनकी बघेली के रचनाओं के वीडिओ को फेसबुक व इंस्टाग्राम में सर्वाधिक एक करोड़ से अधिक लोगों ने देखा और हजारों लोगों ने उनकी रचनाओं के वीडिओ को अपने ढंग से पढ़ कर वा गाकर अपलोड किया है। स्व. जगदीश प्रसाद पयासी जी के चले जाने से साहित्य जगत को भारी क्षति हुई है वहीं साहित्यिक संस्था वातायन जिला उमरिया ने अपनी संस्था का दैदीप्यमान सितारा खो दिया है। वातायन संस्था के सदस्य व ग्राम वासियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपर कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला योजना भवन में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे ने आम जनता की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी-अपनी समस्याओं से संबंधित कुल 86 आवेदन पत्र प्रस्तुत किए जन सुनवाई में आए सभी 86 आवेदनों पर ध्यान देते हुए अपर कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए कि प्राप्त सभी आवेदन पत्रों का निराकरण निर्धारित समय सीमा के भीतर प्राथमिकता से किया जाए।

हरियाली तीज महोत्सव

मण्डला(स्वतंत्रमत)। गोकुलधाम कॉलोनी में हरियाली तीज महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कॉलोनी की 100 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की महिलाओं ने विधि-विधान से मां दुर्गा की उपासना कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के अंत में कॉलोनी की सभी महिलाओं के लिए स्नेह भोज का आयोजन किया गया।

सहजनी में दिनदहाड़े लाखों की चोरी

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। थाना क्षेत्र के सहजनी गांव में शनिवार को दिनदहाड़े एक सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद रविवार को फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार सहजनी निवासी गिरवन मरावी शनिवार को अपने परिवार के साथ खेत में धान का रोपा लगाने गए थे। दोपहर करीब 12 बजे से 2 बजे के बीच मकान सूना था इसी दौरान अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलमारी सहित अन्य स्थानों से जेवरात चोरी कर लिए परिवार के सदस्य जब खेत से वापस घर लौटे तो उन्हें चोरी की जानकारी हुई।

कृषि ऋण आउटरीच में स्वीकृत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जिले की विभिन्न शाखाओं में मेगा कृषि ऋण आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषि क्षेत्र में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों स्वयं सहायता समूहों कृषि उद्यमियों एवं अन्य पात्र हितग्राहियों को विभिन्न कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के लिए कुल 8 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय प्रबंधक अविनाश कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सुजय कुमार, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक देवब्रत पाल, आरसेटी निर्देशक राजेश रॉय, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया निखिल वोहरा, हिरदेनगर शाखा प्रबंधक आशुतोष सोमकुंवर सहित बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सूर्यकुण्ड धाम में सहस्त्राभिषेक आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ब्रम्हामुहूर्त आरती सेवादार द्वारा सूर्यकुण्ड धाम सकवाह में आज दिव्य सर्वसिद्धि अनुष्ठान कार्यक्रम ब्रम्हमूर्हत आरती के पश्चात् 5 बजे मंत्रोच्चार के साथ रूद्रावतारी हनुमान जी महाराज का महामंत्र सहस्त्राभिषेक किया जावेगा। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री श्री 1008 श्री ब्रम्हलीन भारती जी महाराज सिद्ध संत आश्रम सूर्यकुण्ड अधाम के आर्शीवाद से किया जा रहा है। सूर्यकुण्ड धाम में श्रृद्धालुओं के लिए विशेष पूजा-अर्चना की व्यवस्था की गई है।

महाकौशल प्रांत की कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा- जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपरा, संस्कृति, इतिहास से नई पीढ़ी को करना होगा जागरूक

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जनजाति गौरव अभियान महाकौशल प्रांत की जनजाति गौरव अभियान समिति मंडला के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जंयती के अवसर पर जनजाति गौरव वर्ष अभियान की दृष्टि से एक दिवसीय जनजाति गौरव कार्यशाला का आयोजन बेलवेदर इंटरनेशनल स्कूल तिंदनी मंडला में किया गया। यहां आयोजित कार्यशाला में महाकौशल प्रांत के विभिन्न क्षेत्रों से अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं सामाजिक प्रतिनिधियों जनजातीय समाज के लोगों युवाओं और विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले प्रतिनिधियों की सहभागिता रही। यहां पर कार्यशाला के पूर्व भगवान बिरसा मुंडा, वीरांगना रानी दुर्गावती एवं भारत माता के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वालन किया गया। मुख्य अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष विचारों और जनजातीय समाज के लिए उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाना तथा जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपरा संस्कृति और इतिहास के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक करना रहा। कार्यशाला में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और उनके संघर्ष को केंद्र में रखते हुए विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल जनजातीय समाज के महानायक ही नहीं बल्कि देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले ऐसे क्रांतिकारी व्यक्तित्व थे जिन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज को संगठित करने का कार्य किया बिरसा मुंडा ने अपने समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वासों के खिलाफ भी जागरूकता पैदा की उन्होंने जनजातीय समाज को अपनी संस्कृति परंपरा जल-जंगल-जमीन और सामाजिक अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। उनके संघर्ष ने जनजातीय समाज में आत्मसम्मान और स्वाभिमान की भावना को मजबूत किया। कार्यशाला में यह विचार भी प्रमुखता से रखा गया कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती केवल एक स्मरण का अवसर नहीं बल्कि उनके विचारों को वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाने और समाज में जागरूकता बढ़ाने का अवसर है। कार्यक्रम के दौरान जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति परंपराओं लोककला लोकगीत लोकनृत्य और सामाजिक जीवन पर भी चर्चा हुई वक्ताओं ने कहा कि जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत भारतीय सभ्यता का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

आधुनिकता के दौर में आवश्यक है कि विकास के साथ-साथ जनजातीय समाज की मौलिक पहचान और परंपराओं का संरक्षण भी किया जाए। कार्यशाला में युवाओं की भूमिका को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया गया। कहा गया कि नई पीढ़ी को अपने समाज के इतिहास और महापुरुषों के योगदान की जानकारी होना आवश्यक है। युवाओं के माध्यम से जनजातीय गौरव संस्कृति और परंपराओं को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया जा सकता है। जनजाति गौरव अभियान के माध्यम से देश के स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक परिवर्तन में जनजातीय समाज के योगदान को सामने लाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि इतिहास के विभिन्न दौर में जनजातीय समाज ने अपने अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष किया है। बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती सहित अनेक जनजातीय वीर-वीरांगनाओं ने देश और समाज के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यशाला में ऐसे महान व्यक्तित्वों की गाथाओं को गांव-गांव और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। साथ ही बच्चों और युवाओं के बीच जनजातीय महापुरुषों के जीवन से जुड़े कार्यक्रम परिचर्चा और जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने की बात कही गई। एक दिवसीय कार्यशाला में सामाजिक जागरूकता संगठन की मजबूती और जनजातीय समाज के विकास से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति के लिए शिक्षा जागरूकता और सामाजिक एकजुटता आवश्यक है। जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने तथा समाज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए। सुबह 8 बजे से शुरू हुई कार्यशाला में निर्धारित सत्रों के माध्यम से विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। जनजातीय समाज की मांग है कि जो प्रावधान अनुच्छेद 341 में अनुसूचित जाति वर्ग को दिया गया है वही प्रावधान अनुच्छेद 342 में किया जाए ऐसे अनुसूचित जनजाती के लोग जो ईसाई या मुस्लिम बन गये हैं उनको जनजाति की सूची से बाहर करने की मांग भी की गई है। क्योंकि जनजाति की सूची में शामिल होकर यही लोग सबसे अधिक आरक्षण का लाभ ले रहे हैं। जनजातीय समाज का मानना है कि आदिवासियों की परंपरा छोड़ने से समाज में कुरितियां भी पनप रही है समूह में रहने वाला समाज विघटित हो रहा है। परिवार बिखर रहे हैं इसलिए अगर डीलिस्टिंग कानून आता है तो इससे जनजातीय समाज के लोगों को ना सिर्फ अरक्षण का सही लाभ मिलेगा बल्कि उसका सामाजिक ढांचा भी सही होगा। इस अवसर पर कार्यशाला में शामिल सभी प्रतिभागियों की उपस्थिति और सहभागिता के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

आस्तिक चौक में मनाई गई नागपंचमी

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)। नगर के आस्तिक चौक में नाग पंचमी का पर्व इस वर्ष भी पारंपरिक रीति-रिवाजों और धार्मिक श्रृद्धा के साथ मनाया गया। सुबह से ही आस्तिक चौक में श्रृद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला नागपंचमी के अवसर पर श्रृद्धालुओं द्वारा आस्तिक मुनि की पूजा-अर्चना की गई। इसके साथ ही नाग-नागिन की कुटी एवं पीड़ा पाठ की भी विधिवत पूजा की गई। श्रृद्धालुओं ने पूरी श्रृद्धा और आस्था के साथ पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि खुशहाली और मंगल की कामना की पूजा-अर्चना के दौरान आस्तिक चौक का माहौल पूरी तरह भक्तिमय नजर आया। श्रृद्धालुओं ने सामूहिक रूप से जय आस्तिक महाराज के जयकारे लगाए जिससे पूरा चौक भक्तिमय नारों से गूंज उठा। धार्मिक आयोजन में स्थानीय लोगों की सहभागिता ने पर्व की रौनक को और बढ़ा दिया आस्तिक चौक में नाग पंचमी के अवसर पर होने वाली पूजा स्थानीय धार्मिक परंपरा और आस्था से जुड़ी हुई है। इस दिन श्रृद्धालु विशेष रूप से आस्तिक मुनि तथा नाग-नागिन की पूजा कर अपनी श्रृद्धा व्यक्त करते हैं। मान्यता और परंपरा के अनुसार लोग इस अवसर पर पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना करते हैं।

महर्षि अरविंद जयंती पर व्याख्यानमाला

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संवाद योजना के अंतर्गत महर्षि अरविंद की जयंती पर जिला स्तरीय व्याख्यानमाला आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य स्वामी नित्यानंद महाराज रहे। अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने की। विशेष अतिथि के रूप में डॉ. हीरानंद चंद्रवंशी, राज्य सलाहकार शिवनारायण पटेल, जनपद अध्यक्ष सोनू भलावी, संभाग समन्वयक रवि प्रसाद बर्मन एवं जिला समन्वयक सुशील बर्मन उपस्थित रहे। स्वामी नित्यानंद ने कहा कि महर्षि अरविंद भक्ति योग और ज्ञान योग के प्रेरणास्त्रोत थे। ऐसे महापुरुष हजारों वर्षों में जन्म लेते हैं। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा एवं डॉ. चन्द्रवंशी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

आंदोलन से बिगड़ी कृषि योजना व्यवस्था

मण्डला(स्वतंत्रमत)

कृषि विभाग में लागू की जा रही ईएचआरएमएस प्रणाली एवं ई-अटेंडेंस व्यवस्था के विरोध में मध्यप्रदेश कृषि विस्तार अधिकारी संघ के बैनर तले कृषि विस्तार अधिकारियों का आंदोलन लगातार जारी है। प्रतिनिधिमंडल द्वारा पूर्व में मंत्री से मुलाकात कर ई-अटेंडेंस प्रणाली से संबंधित समस्याओं एवं विभिन्न लंबित मांगों से अवगत कराया जा चुका है। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया है कि यदि शासन स्तर पर उनकी मांगों का निराकरण नहीं किया जाता है तो आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए कलम बंद एवं कार्य बहिष्कार जैसे चरण में जाने के लिए मजबूर होगा संघ द्वारा आंदोलन की निर्धारित रूपरेखा के अनुसार 12 अगस्त से 16 अगस्त तक विकासखंड स्तर पर आंदोलन

किया गया इस दौरान समस्त कृषि विस्तार अधिकारी एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में उपस्थित होकर शासकीय कार्यों का बहिष्कार करते हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। हालांकि 15 अगस्त को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस में अधिकारियों ने स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में सहभागिता की। आंदोलन के दूसरे चरण में 17 अगस्त से 20 अगस्त तक जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत जिले के समस्त कृषि विस्तार अधिकारी उप संचालक कृषि कार्यालय परिसर में बैठकर शासकीय कार्यों का बहिष्कार कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष धरमसिंह धुर्वे ने बताया कि यह आंदोलन उनकी लंबित एवं न्यायोचित मांगों को शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है आंदोलन के तीसरे और महत्वपूर्ण चरण में 21 अगस्त को प्रांत स्तर पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा संघ के अनुसार इस दिन प्रदेशभर के कृषि विस्तार अधिकारी एक दिवसीय सामूहिक अवकाश लेकर प्रांत स्तरीय धरना प्रदर्शन में शामिल होंगे धरना प्रदर्शन के माध्यम से कृषि विस्तार अधिकारी शासन-प्रशासन के समक्ष अपनी विभिन्न लंबित एवं न्यायोचित मांगों को पुरजोर तरीके से रखेंगे और उनके शीघ्र निराकरण की मांग करेंगे। संघ का कहना है कि लगातार चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने के बावजूद यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है तो आंदोलन को आगामी चरण में और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

पालसुन्दर ग्राम में सम्मानित हुए होनहार विद्यार्थी

शिक्षक ने सभी को दिया दो दो हजार राशि का प्रोत्साहन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

एकीकृत हाई स्कूल पालसुन्दर में विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया। स्वतंत्रता पर्व के जश्न के साथ सम्मानित हुए विद्यार्थियों से अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा मिली। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य सुरेंद्र कुर्वेति, विद्यालय अध्यक्ष खुशी लाल यादव ग्राम सरपंच गीता बाई एवं ग्रामवासियो के साथ शिक्षक समुदाय की मौजूदगी रही।

विद्यालय से सेवानिवृत्त उच्च श्रेणी शिक्षक गुलाब सिंह झारिया द्वारा कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा सत्र 2025-26 में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सभी चयनित विद्यार्थियों को दो - दो हजार रुपये की पुरस्कार

राशि गुलाब सिंह झारिया द्वारा प्रदान की गई। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में मुकेश तिलगाम पिता प्रदीप तिलगाम 90.2 प्रतिशत अंक, सरिता पंद्रे पिता बसंत पंद्रे 89 प्रतिशत अंक, उमेश यादव पिता गनपत यादव 86.4 प्रतिशत अंक, करिश्मा कुढ़ापे पिता कालका कुढ़ापे- 84.5 प्रतिशत अंक, नितेश झारिया टेकचंद झरिया 83.6 प्रतिशत अंक, सुषमा मरावी पिता संपत मरावी 81.6 प्रतिशत अंक, नंदनी यादव पिता संतोष यादव 81.2 प्रतिशत अंक, प्रशांत मरावी पिता ओमप्रकाश मरावी 81.2 प्रतिशत अंक, वीरेन्द्र मरावी पिता प्रेमसिंह मरावी 80.6 प्रतिशत अंक शामिल रहे।

सभी विद्यार्थियों को दो दो हजार की पुरस्कार राशि एवं सम्मान प्रदान करते हुए उच्च श्रेणी शिक्षक गुलाब सिंह झारिया ने उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और लगन से अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य सुरेन्द्र कुर्वेती एवं शिक्षकों ने सेवानिवृत्त उच्च श्रेणी शिक्षक गुलाब सिंह झारिया के इस सराहनीय एवं प्रेरणादायी प्रयास के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

विभाजन की त्रासदी पर श्रृद्धांजलि कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा पार्टी कार्यालय में स्मृति एवं संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश के विभाजन के दौरान विस्थापन हिंसा और अपने प्राण गंवाने वाले असंख्य लोगों को श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुए उस दौर की त्रासदी को याद किया गया कार्यक्रम के मुख्यवक्ता सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते रहे। कार्यक्रम संयोजक प्रवीण तिवारी ने विभाजन के दौरान अपने प्राण गंवाने वाले असंख्य लोगों को श्रृद्धापूर्वक नमन किया संगोष्ठी के वक्ता सिख संगत के अमरीक सिंह तथा सिंधी समाज के रोचीराम गुरवानी और गणेश

जसवानी ने विभाजन के समय पंजाब प्रांत में हुई घटनाओं और अत्याचारों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में विभाजन के दौर के वरिष्ठजनों का सम्मान भी किया गया। अखंड भारत के समय की स्मृतियों और उस दौर की पीड़ा को अपने परिवारों के माध्यम से संजोए हुए चेतनदास सुखवानी, हरदास सिरवानी, रमेश पंजवानी और अमरीक सिंह का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया संगोष्ठी प्रभारी पारस असरानी ने कार्यक्रम का संचालन किया साथ ही नगर अध्यक्ष रानू राजपूत ने उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा,जोरावर सिंह आकाश छत्री, हरीश गुरवानी और देव राजानी सहित कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दो साल से टूटी स्कूल की छत, घरों में पढ़ रहे मासूम

नैनपुर के ग्राम पचलू टोला की बदहाली पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

ग्राम पंचायत गौराछापर के पचलू टोला से शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं की बदहाली की तस्वीर सामने आई है। यहां प्राथमिक शाला पचलू टोला का भवन करीब दो वर्षों से क्षतिग्रस्त हालत में पड़ा है। स्कूल भवन की छत की खराब स्थिति के चलते छोटे-छोटे बच्चों को सुरक्षित स्कूल भवन के बजाय ग्रामीणों के घरों में बैठाकर पढ़ाई कराने की नौबत आ गई है। वहीं दूसरी ओर पचलू टोला से माखा टोला तक जाने वाला मार्ग बारिश में कीचड़ और दलदल में तब्दील हो गया है। लंबे समय से समस्याओं का समाधान नहीं होने से

नाराज ग्रामीण आखिरकार स्कूली बच्चों को साथ लेकर नैनपुर एसडीएम कार्यालय पहुंचे और प्रशासन के सामने अपनी समस्या रखी। प्राथमिक शाला पचलू टोला में पढ़ने वाले बच्चों के लिए स्कूल भवन सुरक्षित होना चाहिए, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार भवन की छत पिछले करीब दो वर्षों से क्षतिग्रस्त है। भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए बच्चों को वहां बैठाना जोखिमपूर्ण माना जा रहा है। इसी वजह से लंबे समय से बच्चों की कक्षाएं ग्रामीणों के घरों में संचालित की जा रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिन मासूमों को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए, वे स्कूल भवन के अभाव में घरों में पढ़ने को मजबूर हैं ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यदि क्षतिग्रस्त छत की समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो बारिश के दौरान किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्कूल भवन की मरम्मत के लिए कई बार संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदारों को आवेदन दिए गए। मौखिक रूप से भी समस्या की जानकारी दी गई, लेकिन करीब दो साल बीत जाने के बाद भी मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो पाया। ग्रामीणों का सवाल है कि जब मामला सीधे बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा से जुड़ा है, तो आखिर जिम्मेदार विभाग इतनी लंबी अवधि तक क्यों इंतजार करता रहा?

कार्यालय नगर परिषद बम्हनी बंजर जिला मण्डला

क्रमांक/न.प./स्टोर./2026/805 बम्हनी बंजर दिनांक 8/08/2026

जेम बिड सूचना

एतद् द्वारा नगर परिषद बम्हनी बंजर में स्वच्छता विभाग अंतर्गत स्वच्छता सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक सामग्री क्रय किए जाने हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन बिड भारत सरकार के पार्टल https://gem.gov.in/ के माध्यम से क्रय की जा सकती है।

क्र.	विवरण एंव बिड नम्बर	ऑनलाईन बिड की प्रारंभिक तारीख	ऑनलाईन बिड की अंतिम तारीख
1.	Gem/2026/B/7927233 date-18/08/2026	18.08.2026	03.09.2026

जेम बिड की शर्तें- 1. निर्धारित सुरक्षा निधि काटी जावेगी, जो 12 माह पश्चात वापिस की जावेगी। 2. अनुबंध किया जाना आवश्यक होगा। 3. अमानत राशि 2 प्रतिशत देय होगी। 4. उक्त सामग्री का भुगतान शासन से प्राप्त अनुदान होने पर ही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बम्हनी बंजर

संपादकीय

आशाएं और अभिलाषाएं

बरसात में टपकती छतों, टूटती सड़कों, उखड़ती जलपरियोजनाओं और उखड़ते बिजली के खंभों के हजारों दोष अगर राज्य के तमाम विधायकों को पता है तो फिर विधानसभा के बीत चुके मनसून सत्र में उठाए गये किन प्रश्नों में सुरक्षित और सुखद भविष्य की खोज की जाय? प्रश्न जनता की कचहरी से उठकर विधानसभा के कक्ष में उद्गार बनें, तो प्रदेश की असली सत्ता हितमतगार बनेगी। ये प्रश्न बाहें फैलाए हर बार विधानसभा के सत्रों से पूछते हैं कि फलां सड़क पर गड्ढे क्यों हैं या ढह गई पुलिया पर दोबारा काम क्यों नहीं हुआ। अगर हमारे माननीय सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए सैकड़ों लोगों का वृत्तांत सुन लें, तभी सदन में सड़क, परिवहन, वाहन सुरक्षा और पुलिस व्यवस्था पर विश्लेषण कर पाएंगे। विधानसभा में शिक्षा की जरूरतों, अभिभावकों की मन्नतों और कानून-व्यवस्था के अमल पर सार्थक चर्चा करके ही वह संवेदनशील कहलाएंगे।

क्यों पानी में आज भी पीलिया बहता है और क्यों हवा के हल्के झोंके में ही बिजली गुल हो जाती है। क्यों अस्पतालों में व्हील चेयर नहीं मिलती और क्यों दफ्तर की सीट पर सरकारी पगार पाने वाले के दीदार नहीं होते। प्रश्न सामान्य हैं, लेकिन उत्तरों की परिधि लंबी है। लंबे दौर की बहस में आम जनता के प्रश्न बौने हैं, क्योंकि सियासी करवटों ने सदन की बहस का कुआं खाली कर रखा है। सदन की मुंडेर पर न तो कौआ कांय कांय करता और न ही आगंतुक प्रश्नों को पूरा समय मिलता है। इस बार सदन की शुरुआत से पहले ही कई राजनीतिक ग्रहण प्रदेश में घूमते रहे हैं। हर दिन वातावरण गरमाता रहा, प्रदेशवासियों की आशाएं-अभिलाषाएं अपनी जुबान, अपनी भाषा में सदन की कार्यवाही देखना चाहती थी, लेकिन विडंबना यह है कि राजनीति ने जो भाषा चुनी उसके अर्थ इस बार मानसून सत्र को क्रोधित, अंतहीत और मर्यादाविहीन करते रहे। विडंबना भी यही है कि सदन की कार्यवाही अब दिनचर्या का अनुशासन नहीं और न ही बिजनेस का अनुशीलन है, बल्कि समय गुजारती अतिहीन राजनीति का अखाड़ा बनती जा रही है। बेशक ऐसे ही प्रश्न इस वक्त मध्यप्रदेश में सियासत की खेती कर रहे हैं। सत्ता पक्ष को लगता है कि यहां की जनता, यहां के मतदाता किस खेत की मूली हैं। कुल मिलाकर घायल प्रश्नों की खेप से आहत सत्ता और विपक्ष का सियासी चरित्र अगर गुत्थम-गुत्था है तो हमारे सरोकार परेशान हैं, लज्जित हैं। कभी विधानसभा की कार्यवाहियों में हंसी-ठठोली का एक पक्ष सत्ता, दूसरा विपक्ष होता था। बड़े मद्दों की साझेदारी में विपक्ष की भागीदारी अगर बची ही नहीं, तो हंगामा हर बार सदन की पेशकश बनता रहेगा। बेशक इस बार मानसून सत्र में दोनों पक्ष बड़ी तैयारी में आए थे। प्रश्नों ने अपनी व्यावहारिक अंगुलियां उठाई तो जवाब के प्रदर्शन में सरकार की परिपक्वता, ईमानदारी, जवाबदेही और पारदर्शिता बहरूपिया हो गई। बेशक विकास के सवालों पर मध्यप्रदेश विधानसभा का रिकार्ड अच्छा है, लेकिन अब पूरा सदन आधुनिक संदर्भों में बहिर्गमन के पांव पर चलने लगा है। मध्यप्रदेश के भविष्य के प्रश्न बढ़ती उधारी, घटते रोजगार, आपदाओं के दौर और प्रशासनिक सुधारों के वक्तव्य में अर्थ खोजते हैं। मध्यप्रदेश के लिए मानसून सत्र अगर बरसात की कुंडली खोलता तो सरकार का प्रदर्शन और दिल्ली सरकार का रवैया सामने आता। प्रश्न यह नहीं कि गारंटियों में सरकार महिलाओं की तादाद को किस हद तक पंद्रह सौ रुपए दे पाई, बल्कि यह भी है कि उज्वला योजना की हकीकत जानने क्यों कोई गांवों में नहीं जाता? जरूरतमंद लोगों को प्रधानमंत्री आवास का लाभ क्यों नहीं मिल रहा है और अपात्र कैसे इसका लाभ उठा रहे हैं, यह कोई क्यों नहीं देखता? आयुष्मान कार्डधारी मरीजों की जेबें अस्पताल में जांच फीस के नाम पर क्यों काटी जा रही हैं, इसे जनप्रतिनिधि क्यों नहीं देखते?

लालकिले की प्राचीर से गूंजा यह संकल्प देश के लिए एक महान आह्वान

प्रधानमंत्री मोदी का लालकिले से विकसित भारत का संकल्प

अशोक भाटिया

ऐतिहासिक लालकिले की प्राचीर केवल पत्थरों की एक संरचना नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत के उतार-चढ़ाव, उसकी आकांक्षाओं, उसकी नियति और उसके सामूहिक संकल्पों की मूक गवाह रही है। हर वर्ष 15 अगस्त को इस प्राचीर से देश के प्रधानमंत्री जब राष्ट्र को संबोधित करते हैं, तो वह केवल एक औपचारिक भाषण नहीं होता, बल्कि वह आने वाले समय के लिए देश का नीतिगत और वैचारिक रोडमैप होता है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी ऐतिहासिक प्राचीर से वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का जो अटूट संकल्प दोहराया है, वह देश की समकालीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज के लिए एक युगांतकारी मोड़ है। विकसित भारत का यह विजन महज़ एक राजनीतिक नारा नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक चेतना को जगाने और उन्हें राष्ट्र निर्माण के एक महायज्ञ में आहुति देने के लिए प्रेरित करने वाला एक व्यापक राष्ट्रीय दर्शन है। जब हम इस विराट संकल्प की बात करते हैं, तो हमें इसके ऐतिहासिक संदर्भ और प्रासंगिकता को गहराई से समझना होगा। भारत ने लगभग दो सदियों तक औपनिवेशिक दासता और आर्थिक शोषण का दंश झेला है। 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ, तब हमारी अर्थव्यवस्था जर्जर थी, साक्षरता दर दयनीय थी और अकाल तथा गरीबी जैसी बुनियादी चुनौतियां हमारे सामने थीं। शुरुआती दशकों में भारत का मुख्य ध्यान आत्मनिर्भरता और बुनियादी अस्तित्व की रक्षा पर था। हमने खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए हरित क्रांति की, अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए सैन्य तंत्र को मजबूत किया और धीरे-धीरे एक ठोस औद्योगिक आधार तैयार किया। आज, स्वतंत्रता के इस दौर में, भारत उस स्थिति से बहुत आगे निकल चुका है और अब हम केवल एक अस्तित्व बनाए रखने वाले देश नहीं हैं, बल्कि हम वैश्विक पटल पर एक नई दिशा तय करने वाले राष्ट्र बन चुके हैं। यह संकल्प इस बात का प्रतीक है कि अब भारत अपनी विकासशील छवि के खोल को तोड़कर वैश्विक शक्तियों की अग्रिम पंक्ति में खड़े होने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2047 का वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारी स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष होगा, और कोई भी राष्ट्र अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर दुनिया के सामने अपनी सफलता का क्या प्रमाण प्रस्तुत करता है, यही उसका वास्तविक ऐतिहासिक मूल्यांकन होता है।

इस व्यापक संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए देश के चार प्रमुख वर्गों को विकास का मुख्य केंद्र बिंदु बनाया गया है, जिन्हें युवा, महिला, किसान और गरीब के रूप में रेखांकित किया गया है। इन चारों स्तंभों के समग्र सशक्तिकरण के बिना किसी भी विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है और हमारी जनसांख्यिकीय लाभांश हमारी सबसे बड़ी ताकत है। विकसित भारत का सपना तभी सच हो सकता है जब इस युवा ऊर्जा को सही दिशा, उत्कृष्ट शिक्षा और वैश्विक स्तर का कौशल मिले। देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना इसी दिशा में उठाए गए बड़े कदम हैं। इसके साथ ही, विकसित भारत का दूसरा अनिवार्य पहलू महिलाओं का सशक्तिकरण और उनके नेतृत्व में होने वाला विकास है। जब तक देश की आधी आबादी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से पूरी तरह सक्रिय नहीं होगी, तब तक विकास की रफ्तार अधूरी रहेगी। सेनाओं में महिलाओं की भागीदारी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती महिलाओं की बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि वे अब नीति निर्धारण के केंद्र में आ रही हैं। इसी तरह, भारत की आत्मा आज भी गांवों में बसती है और हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कृषि क्षेत्र में तकनीकी सुधार, आधुनिक खेती को बढ़ावा और वैश्विक कृषि आपूर्ति श्रृंखला में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना आवश्यक है। किसान जब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर आधुनिक कृषि-उद्यमी बनेगा, तभी ग्रामीण भारत समृद्ध होगा। अंत में, अंत्योदय की भावना के अनुरूप समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचना चाहिए, क्योंकि किसी भी राष्ट्र को तब तक विकसित नहीं कहा जा सकता जब तक कि बहुआयामी गरीबी का पूरी तरह उन्मूलन न हो जाए और हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन स्तर न मिल जाए।

आर्थिक मोर्चे पर, भारत आज दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की ओर अग्रसर है। लेकिन विकसित देश बनने के लिए हमें केवल सकल घरेलू उत्पाद के आकार को ही नहीं बढ़ाना है, बल्कि प्रति व्यक्ति आय और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में भी गुणात्मक सुधार करना होगा। इसके लिए विनिर्माण और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देना आवश्यक है। मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत आज मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, रक्षा उत्पादन और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। रक्षा क्षेत्र में, जहां कभी हम पूरी तरह आयातों पर निर्भर थे, आज हम स्वदेशी अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों का निर्माण कर रहे हैं और उनका निर्यात भी बढ़ा रहे हैं। भारतीय कॉर्पोरेट जगत को अब वैश्विक कंपनियों की तर्ज पर अपनी क्षमता का विस्तार करना होगा ताकि भारतीय ब्रांड दुनिया भर के बाजारों में अग्रणी भूमिका निभा सकें। इसके साथ ही, देश के बुनियादी ढांचे का कायाकल्प किया जा रहा है। आधुनिक रेलवे, एक्सप्रेसवे का विस्तृत नेटवर्क, जलमार्गों का विकास और हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और व्यापार को सुगम बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एक मजबूत और आधुनिक बुनियादी ढांचा ही विकसित भारत की ठोस नींव बनेगा, जो देश के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगा।

तकनीक और नवाचार के इस युग में जो देश अग्रणी रहेगा, वही दुनिया के भविष्य को दिशा देगा। भारत ने डिजिटल क्षेत्र में जो क्रांति की है, उसने दुनिया के विकसित देशों को भी अचंभित किया है। हमारा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल लेनदेन की व्यवस्था आज वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बन चुकी है। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं है, बल्कि वह विश्व को सस्ती, सुरक्षित और समावेशी तकनीक देने वाला प्रदाता भी है। विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ता निवेश इस विजन को और स्पष्ट करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर मिशन, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत का बढ़ता कदम यह दर्शाता है कि हम भविष्य की तकनीकों के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर और संप्रभु होना विकसित भारत की एक अनिवार्य शर्त है, जो हमें वैश्विक मंच पर एक अद्वितीय पहचान दिलाएगी।

संकल्प जितना विराट होता है, उसकी राह की चुनौतियां भी उतनी ही कठिन होती हैं। विकसित भारत के मार्ग में कई आंतरिक और बाह्य चुनौतियां हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ क्षेत्रीय और सामाजिक असमानता को पाटना एक बड़ी चुनौती है। विकास का लाभ समाज के हर वर्ग और देश के हर कोने तक समान रूप से पहुंचना चाहिए। इसके अलावा, भारत को पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच एक कुशल संतुलन बनाना होगा। जलवायु परिवर्तन के खतरों को देखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना युद्धस्तर पर आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर, हमारी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-अनुकूल बनना होगा, क्योंकि लालफीताशाही और भ्रष्टाचार विकास की गति को धीमा करते हैं। वैश्विक मोर्चे पर, वर्तमान समय की भू-राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक व्यवधान भी हमारे सामने चुनौतियां खड़ी करते हैं, जिनसे निपटने के लिए भारत को अपनी कूटनीतिक कुशलता और आंतरिक आर्थिक सुदृढ़ता को निरंतर मजबूत बनाए रखना होगा।

इस पूरे महायज्ञ में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के नागरिकों की है। कोई भी देश केवल सरकार की नीतियों, बजट या घोषणाओं से विकसित नहीं बनता। सरकार मार्ग प्रशस्त कर सकती है, बुनियादी ढांचा दे सकती है, लेकिन उस पर चलकर देश को आगे ले जाने का काम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से ही संभव होता है। विकसित भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का हर नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह सजग नहीं होता। चाहे वह करों का ईमानदारी से भुगतान करना हो, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना हो, पर्यावरण को बचाना हो, या फिर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पूर्ण ईमानदारी और उत्कृष्टता के साथ योगदान देना हो-ये सभी नागरिक प्रयास मिलकर एक विशाल राष्ट्रीय शक्ति का निर्माण करते हैं। जब देश के नागरिक राष्ट्र प्रथम की भावना को अपने जीवन का मूल मंत्र बना लेंगे, तो भारत की प्रगति को कोई रोक नहीं पाएगा।

निष्कर्षत: विकसित भारत का संकल्प केवल आर्थिक आंकड़ों या ऊंची इमारतों तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जो आर्थिक रूप से समृद्ध हो, तकनीकी रूप से अग्रणी हो, सामाजिक रूप से समरस और न्यायपूर्ण हो, और सांस्कृतिक रूप से अपनी समृद्ध जड़ों से जुड़ा हुआ हो। यह एक ऐसे भारत का सपना है जहां हर नागरिक को समान अवसर, उत्कृष्ट शिक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा मिले। लालकिले की प्राचीर से गूंजा यह संकल्प देश के लिए एक महान आह्वान है। आने वाले दो दशक भारत के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होने जा रहे हैं। सब मिलकर पूरी निष्ठा और राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ इस संकल्प के प्रति समर्पित हो जाएं, तो निश्चित रूप से वर्ष 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मना रहा होगा, तब वह विश्व पटल पर एक परम वैभवशाली, समर्थ और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा।

आज तुलसीदास जयंती पर विशेष

अपनी लेखनी से लोकमंगल के कारक बने तुलसीदास

योगेश कुमार गोयल

रामचरित मानस के जरिये समूची मानव जाति को श्रीराम के आदर्शों से जोड़ते हुए श्रीराम को जन-जन के राम बना देने वाले गोस्वामी तुलसीदास को जन-जन के कवि कहा जाता है। तुलसीदास को आखिर गोस्वामी क्यों कहा जाता है, यह जानना दिलचस्प है। दरअसल गोस्वामी का अर्थ है, इंद्रियों का स्वामी अर्थात् जिसने अपनी इंद्रियों को वश में कर लिया हो यानी जितेन्द्रिय। तुलसीदास जी पत्नी के धिक्कारने पर सांसारिक मोहमाया से विरक्त होकर संन्यासी अर्थात् जितेन्द्रिय या गोस्वामी हो गए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास जी को गोस्वामी की उपाधि से विभूषित किया जाने लगा। महान् ग्रंथ 'श्री रामचरित मानस' के रचयिता और मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त तुलसीदास जी की जयंती विक्रमी संवत् के अनुसार हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को मनाई जाती है, जो इस वर्ष 19 अगस्त को मनाई जा रही है। विक्रमी संवत् 1554 में उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के राजापुर नामक गांव में जन्मे तुलसीदास ने जीवन की मुसीबतों से हार मानने के बजाय तमाम कठिनाईयों का डटकर मुकाबला किया।

तुलसीदास जी का विवाह दीनबंधु पाठक की अत्यंत विदुषी पुत्री रत्नावली से हुआ था। तुलसीदास रत्नावली पर अत्यंत मुग्ध थे और उससे बहुत प्रेम करते थे। एक दिन की बात है, रत्नावली अपने मायके गई हुई थी लेकिन तुलसीदास को उसकी याद सता रही थी। रात का समय था, मूसलाधार बारिश हो रही थी, ऐसे मौसम में भी तुलसीदास उफनती नदी को पार कर पत्नी से मिलने देर रात उसके मायके जा पहुंचे। रत्नावली अपने पति तुलसीदास के इस कृत्य पर बहुत लज्जित हुई और ताना मारते हुए तुलसीदास को कहा कि जितना प्रेम हाड़-मांस के मेरे इस शरीर से कर रहे हो, यदि उतना ही प्रेम प्रभु श्रीराम से किया होता तो भवसागर पार हो गए होते। लज्जित अवस्था में पत्नी द्वारा मारे गए ताने ने तुलसीदास के जीवन की दिशा बदल दी। उसके बाद उनके मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया और वे भगवान राम की भक्ति में रम गए।

उसी दौरान एक दिन स्वामी नरहरिदास उनके गांव आए, जिन्होंने तुलसीदास को दीक्षा देते हुए आगे के जीवन की राह दिखाई। उसके बाद तुलसीदास ने रामकथा में ही सुखद समाज की कल्पना करते हुए

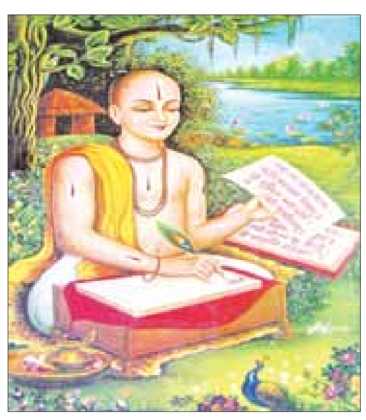

इसे आदर्श जीवन का मार्ग दिखाने का माध्यम बना लिया। गुरु नरहरिदास से शिक्षा-दीक्षा लेने के बाद ही उन्हें रामचरित मानस लिखने की प्रेरणा मिली। गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित इसी 'रामचरित मानस' को आज भी देशभर में एक महान् ग्रंथ के रूप में बड़े ही आदर और सम्मान से साथ देखा जाता है। तुलसीदास जी ने वैसे अपने जीवनकाल में कवितावली, दोहावली, हनुमान बाहुक, पार्वती मंगल, रामलला नहछू, विनयपत्रिका, कवित्त रामायण, बरवै रामायण, वैराग्य संदीपनी इत्यादि कुल 12 पुस्तकों की रचना की किन्तु उन्हें सर्वाधिक ख्याति रामचरित मानस के जरिये ही मिली। हालांकि जब उन्होंने रामचरित मानस की रचना की थी, उस जमाने में संस्कृत भाषा का प्रभाव बहुत ज्यादा था, इसलिए आंचलिक भाषा में होने के कारण शुरूआत में इसे मान्यता नहीं मिली थी लेकिन सरल भाषा में होने के कारण कुछ ही समय बाद यह ग्रंथ जन-जन में बहुत लोकप्रिय हुआ।

गोस्वामी तुलसीदास भारतीय भक्ति साहित्य के ऐसे अमर कवि हैं, जिनकी वाणी ने भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा और लोकमंगल की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का अद्वितीय कार्य किया। अनेक विद्वान तुलसीदास को महर्षि वाल्मीकि का अवतार भी मानते हैं। महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत भाषा में 'रामायण' की रचना कर श्रीराम के जीवन, चरित्र और आदर्शों को साहित्य के अमर पटल पर अंकित किया था। इसी महान परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोस्वामी तुलसीदास ने लोकभाषा अवधी में 'रामचरितमानस' की रचना की और रामकथा को राजमहलों तथा विद्वानों के सीमित संसार से निकालकर गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचा दिया। उस समय संस्कृत मुख्यत: विद्वानों और धर्मशास्त्र के गंभीर अध्येताओं की भाषा थी जबकि अवधी उत्तर भारत के विशाल जनसमुदाय के दैनिक जीवन से जुड़ी सहज और आत्मीय भाषा थी। तुलसीदास ने इसी लोकभाषा को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बनाकर ऐसी काव्यकृति रची, जिसमें गहन आध्यात्मिक चिंतन के साथ लोकजीवन की सरलता, भावनात्मकता और मानवीय संवेदनाएं भी सहज रूप से समाहित हैं। यही कारण है कि 'रामचरितमानस' केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं रही बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना और लोकआस्था का अभिन्न हिस्सा बन गई। तुलसीदास की भाषा ने उन्हें जन-जन का कवि और 'कविराज' बना दिया।

रामचरित मानस के जरिये मनुष्य के संस्कार की कथा लिखकर तुलसीदास ने इस रामकाव्य को भारतीय संस्कृति का प्राण तत्व बना दिया। तुलसीदास के अनुसार तुलसी के राम सब में रमते हैं और वे नैतिकता, मानवता, कर्म, त्याग द्वारा लोकमंगल की स्थापना करने का प्रयास करते हैं। रामभक्ति के पर्याय बने गोस्वामी तुलसीदास ने सत्य और परोपकार को सबसे बड़ा धर्म तथा त्याग को जीवन का मंत्र मानते हुए अपनी रचनाओं के माध्यम से असत्य, पाखंड, ढ़ोंग और अंधविश्वासों में डूबे समाज को जगाने का हरसंभव प्रयास किया।

वाणी का शरीर पर प्रभाव

प्रसन्नता से पुष्ट होता है शरीर एवं क्रोध से होती है हानि

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं, पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रंथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है, खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार क्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यु भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अत:वाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

हमने बच्चों का भविष्य तो बना दिया लेकिन उनका जीवन कहाँ बचाया

पवन शर्मा

कभी घर छोटे होते थे, मगर परिवार बड़े होते थे। शाम होते ही बच्चे गली में खेलते थे। माँ की आवाज पर घर लौटते थे। पिता के साथ बैठकर खाना खाते थे। त्योहार आते थे तो पूरा परिवार एक साथ होता था। आज घर बड़े हैं, सुविधाएँ अधिक हैं, लेकिन परिवार के पास एक-दूसरे के लिए समय नहीं है।

आज बच्चे के जन्म के साथ ही एक दौड़ शुरू हो जाती है। अच्छे बाल विद्यालय में प्रवेश, फिर अच्छे विद्यालय की तलाश, महँगी फीस, अलग-अलग गतिविधियों की कक्षाएँ, निजी शिक्षण, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और फिर अच्छे महाविद्यालय तथा प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में प्रवेश की लड़ाई।

बचपन कब बीत गया, पता ही नहीं चलता। बच्चे से पूछा जाता है कितने अंक आए? कौन-सी श्रेणी मिली? किस महाविद्यालय में प्रवेश हुआ? लेकिन बहुत कम लोग पूछते हैं तुम खुश हो? यही आज की सबसे बड़ी त्रासदी है। शिक्षा अवसर नहीं, आर्थिक बोझ क्यों बनती जा रही है?

मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए वर्षों तक बचत करता है। कई बार खेत बिकते हैं, दुकानें बिकती हैं, जमीन गिरवी रखी जाती है, मकान तक बेचने की नौबत आ जाती है। माता-पिता अपनी इच्छाएँ रोकते हैं ताकि बच्चे का भविष्य सुरक्षित हो। लेकिन शिक्षा पूरी होने के बाद भी संघर्ष समाप्त नहीं होता। प्रतियोगी परीक्षाएँ-चाहे चिकित्सा, अभियांत्रिकी, विधि, प्रशासनिक सेवा, कर्मचारी चयन या अन्य परीक्षाएँ हों-लाखों युवाओं को वर्षों तक तैयारी में लगाए रखती हैं। सीमित सीटों के सामने लाखों अभ्यर्थी खड़े होते हैं। और यदि परीक्षा रद्द हो जाए, प्रश्नपत्र लीक हो जाए या परिणाम वर्षों तक अटका रहे तो उस युवा का केवल एक वर्ष नहीं जाता उसके जीवन का एक हिस्सा चला जाता है।

क्या किसी ने उस खोए हुए समय की कीमत तय की है?

और फिर शुरू होती है नौकरी की तलाश, मान लीजिए युवा ने हर परीक्षा पार कर ली। प्रतिष्ठित महाविद्यालय से शिक्षा भी प्राप्त कर ली। अब अगला सवाल है - नौकरी कहाँ है? हर वर्ष लाखों युवा डिग्री लेकर निकलते हैं, लेकिन रोजगार के अवसर उसी गति से नहीं बढ़ते।

सरकारी नौकरी की कुछ हजार रिक्तियों के लिए लाखों आवेदन आते हैं। एक नौकरी के पीछे हजारों युवा। यह केवल बेरोजगारी नहीं है।यह एक पूरी पीढ़ी के भीतर पैदा हो रही निराशा है। कई युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते रहते हैं। उनके मित्र आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन वे अगली परीक्षा की तारीख का इंतजार करते रहते हैं। उम्र निकल जाती है। आत्मविश्वास टूटता है। और परिवार की आर्थिक चिंता अलग। रोजगार कुछ शहरों तक सीमित क्यों? नौकरी मिलती भी है तो अक्सर अपने शहर में नहीं। देश के कुछ बड़े शहरों में उद्योग और रोजगार के अवसर लगातार केंद्रित होते गए हैं। परिणाम यह हुआ कि छोटे और मध्यम शहरों का युवा अपना घर छोड़कर दूर चला जाता है।

किसी को मुंबई जाना है। किसी को बेंगलुरु। किसी को दिल्ली या गुरुग्राम। किसी को हैदराबाद, पुणे या चेन्नई। युवा चला जाता है। माता-पिता पीछे रह जाते हैं। फिर शुरू होती है किराए के मकान, भोजन, यात्रा और बढ़ती महँगाई की एक और लड़ाई। तनख्वाह आती है और उसका बड़ा हिस्सा शहर में जीने की कीमत चुका देता है। और धीरे-धीरे परिवार से दूरी बढ़ती जाती है। क्या यही विकास है? नौकरी मिली तो तनाव खत्म क्यों नहीं हुआ? नौकरी मिलने के बाद युवा सोचता है कि अब जीवन पटरी पर आ जाएगा। लेकिन एक नई दौड़ शुरू हो जाती है।

लक्ष्य पूरा करने का दबाव। समय पर काम पूरा करने का दबाव। पद और वेतन बढ़ाने की चिंता। नौकरी जाने का डर। देर रात तक काम। कार्यालय से घर और घर से फिर कार्यालय। कभी-कभी छुट्टी के दिन भी काम। युवा कमाने लगा, लेकिन जीना भूल गया। हमने कर्मचारी को मनुष्य से धीरे-धीरे एक संख्या में बदल दिया है। उद्योग और कंपनियाँ देश की अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक हैं। उनका विकास भी आवश्यक है। लेकिन यह याद रखना होगा कि हर कर्मचारी किसी का बेटा है, किसी की बेटी है, किसी का पति या पत्नी है और किसी परिवार का सहारा है।

उद्योगपतियों से भी एक सवाल है यदि यही जीवन आपके अपने बच्चे को जीना पड़े, तो क्या आप इसे सफलता कहेंगे? लाभ आवश्यक है, लेकिन मनुष्य की कीमत पर नहीं।

राजनीति को भी अब आईना देखना होगा इस समस्या की जिम्मेदारी केवल माता-पिता या बच्चों पर डालना आसान है। लेकिन सवाल सरकार से भी है। हमने विकास को कुछ चुनिंदा शहरों में क्यों समेट दिया? छोटे और मध्यम शहरों में बड़े उद्योग क्यों नहीं पहुँचे? युवाओं को रोजगार के लिए अपने परिवार से सैकड़ों-हजारों किलोमीटर दूर जाने के लिए मजबूर क्यों होना पड़े रकार को विकास का अर्थ केवल सड़क, पुल, भवन और बड़े शहर नहीं समझना चाहिए। सच्चा विकास वह है जिसमें युवा को सम्मानजनक रोजगार अपने घर के आसपास मिल सके।

यदि हर प्रतिभाशाली युवा को नौकरी के लिए महानगर जाना पड़े तो हम केवल शहर नहीं बदल रहे-हम *परिवारों की संरचना बदल रहे हैं।

माता-पिता को भी एक बार रुककर सोचना होगा- हर बच्चा चिकित्सक नहीं बन सकता।

हर बच्चा अभियंता नहीं बन सकता।

हर बच्चा प्रशासनिक अधिकारी नहीं बन सकता। हर बच्चे को करोड़ों का वेतन नहीं चाहिए। किसी का मन कला में है, किसी का खेल में, किसी का व्यापार में, किसी का खेती में, किसी का अध्यापन में।

बच्चे हमारे सपनों को पूरा करने के लिए पैदा नहीं हुए हैं।

उन्हें अपनी जिंदगी जीने का अधिकार भी है।

हमें उनसे केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि तुम कितने अंक लाए?

कभी यह भी पूछना चाहिएतुम खुश हो?

अब व्यवस्था बदलने का समय है

सरकार को शिक्षा को केवल परीक्षा और प्रमाणपत्र की व्यवस्था नहीं, जीवन निर्माण की व्यवस्था बनाना होगा। शिक्षा की बढ़ती लागत पर नियंत्रण और पारदर्शिता जरूरी है। प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्था को विश्वसनीय बनाना होगा। प्रश्नपत्र लीक होना केवल परीक्षा की विफलता नहीं, लाखों युवाओं के विश्वास की हत्या है।

रोजगार को महानगरों तक सीमित रखने के बजाय छोटे और मध्यम शहरों में उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्माण और सेवा क्षेत्र विकसित करने होंगे।

कंपनियों को भी ऐसा कार्य वातावरण बनाना होगा जिसमें कर्मचारी काम के साथ परिवार के लिए भी समय निकाल सके।

और समाज को सफलता की अपनी परिभाषा बदलनी होगी। हमने भविष्य तो बना दिया, लेकिन जीवन कहाँ छोड़ा?

आज की पीढ़ी शिक्षित है, लेकिन थकी हुई है। योग्य है, लेकिन चिंतित है। दुनिया से जुड़ी है, लेकिन परिवार से दूर है। कमाती है, लेकिन समय नहीं बचा पाती। और सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जिस पीढ़ी ने अपने माता-पिता के सपने पूरे करने में अपना बचपन और जवानी लगा दी, क्या वह अपने बच्चों के साथ समय बिताने के लिए भी अपनी पूरी जिंदगी लगा देगी?

हमें तय करना होगा कि हमें केवल सफल बच्चे चाहिए या खुश बच्चे भी।

हमें केवल बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं चाहिए, हमें स्वस्थ समाज भी चाहिए। हमें केवल बड़े उद्योग नहीं चाहिए, हमें ऐसे उद्योग चाहिए जो अपने कर्मचारियों को इंसान समझें।हमें केवल ऊँची इमारतें नहीं चाहिए, हमें मजबूत परिवार भी चाहिए। और हमें केवल रोजगार के आँकड़े नहीं चाहिए, हमें ऐसा रोजगार चाहिए जिसमें मनुष्य के पास जीने का समय भी बचे।

क्योंकि आखिरकार सवाल यह नहीं है कि हमने अपने बच्चों को कितना पढ़ाया।

सवाल यह है हमने उन्हें जीना कितना सिखाया? और आने वाली पीढ़ी हमसे एक दिन जरूर पूछेगी आपने हमारे लिए इतना बड़ा देश बनाया, इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाई, इतने बड़े शहर बनाएज् लेकिन हमारे लिए जीने का समय कहाँ बनाया? उस प्रश्न का उत्तर आज से ही खोजना होगा।

क्योंकि तनाव में पली पीढ़ी मजबूत समाज नहीं बनाती।सुरक्षित, शिक्षित, सम्मानित और खुश पीढ़ी ही मजबूत भारत बनाती है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
बुधवार 19 अगस्त 2026

हमास हथियार डाले, फिर होगी गाजा से इजरायली सेना की वापसी

ट्रंप के दामाद से वार्ता में नेतन्याहू ने रखी शर्त

यरुशलम

पश्चिम एशिया मामलों के प्रमुख वार्ताकार के रूप में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर सोमवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मिले। तीन घंटे चली वार्ता के बावजूद वह नेतन्याहू से गाजा से सेना की वापसी पर ठोस जवाब नहीं पा सके।

नेतन्याहू ने साफ कह दिया है कि हमास के हथियारविहीन होने और गाजा के असैन्यीकरण से पहले वहां से इजरायली सैनिक नहीं हटेंगे।

विशेषज्ञों के मुताबिक अक्टूबर में होने वाले चुनाव के मद्देनजर नेतन्याहू ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे जिससे सरकार के कमजोर पड़ने का संदेश जाए।

कुश्नर की नेतन्याहू से यह वार्ता ट्रंप की गाजा शांति योजना को आगे बढ़ाने को लेकर हुई। वार्ता में कुश्नर के साथ ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर और संयुक्त राष्ट्र के पूर्व अधिकारी निकोलाई मेलादेनोव भी थे। इससे पहले कुश्नर ने काहिरा में हमास प्रमुख खलील अल-हय्या से दो घंटे वार्ता की थी।

हमास प्रमुख ने हथियार डालने और गाजा की सत्ता से हटने की शर्तें स्वीकार कर लीं लेकिन पहले गाजा पर इजरायली हमले रोके जाने और वहां से इजरायली सेना के जाने की मांग रखी। विदित हो कि गाजा के 60 प्रतिशत से ज्यादा भूभाग पर इजरायली सेना का कब्जा है।

इस वार्ता में मिस्र, कतर और तुर्किए के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। इस बीच सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने बयान जारी कर शांति योजना को अस्वीकार करने के लिए इजरायल की निंदा की है।

इस बयान पर जार्डन, पाकिस्तान और इंडोनेशिया के प्रतिनिधियों के भी हस्ताक्षर हैं। शांति की इन चर्चाओं के बीच इजरायल के अति दक्षिणपंथी तेवर वाले आंतरिक सुरक्षा मंत्री इत्मार बेन गिविर का बयान चर्चा में है। उन्होंने सरकार से गाजा में प्रतिदिन 30-40 लोगों को मारने के लिए सेना को निर्देश देने की मांग की है।

54 डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन के खनिज समझौतों पर उठाये सवाल

वाशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के 54 डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन के महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़े नये समझौतों को लेकर चिंता जताते हुए आरोप लगाया है कि इनमें पारदर्शिता और कांग्रेस की निगरानी का अभाव है ।यह भी कहा गया है कि इनसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के परिवारों से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ हो सकता है, जबकि संभावित नुकसान का भार अमेरिकी करदाताओं पर पड़ेगा। सांसदों ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ग्रीर, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, वाणिज्य मंत्री लुटनिक और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को भेजे पत्र में कहा कि इन समझौतों के तहत अमेरिकी करदाताओं को अरबों डॉलर के ऋण, ऋण गारंटी और इक्विटी निवेश का जोखिम उठाना पड़ सकता है। पत्र का नेतृत्व प्राकृतिक संसाधन समिति के रैंकिंग सदस्य जेरेड हफमैन, वेज एंड मीन्स ट्रेड उपसमिति की रैंकिंग सदस्य लिंडा सांचेज और सांसद जोनाथन जैक्सन ने किया।

सऊदी अरब में भीख न मांगें, पाकिस्तान ने हज यात्रियों को दिए सख्त निर्देश

इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने सऊदी अरब में हज और उमराह के लिए जाने वाले अपने नागरिकों को सख्त चेतावनी दी है। पाकिस्तानी दूतावास ने कहा है कि भीख मांगना, बिना अनुमति पैसे इकट्ठा करना और वीजा नियमों का उल्लंघन न करें, वरना गिरफ्तारी, हिरासत और देश निकाला हो सकता है। सऊदी अरब स्थित पाकिस्तानी दूतावास ने उमराह यात्रियों और मजदूरों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि सऊदी कानूनों और वीजा शर्तों का पूरा पालन करें। उल्लंघन करने पर सऊदी अधिकारी गिरफ्तार कर सकते हैं, जेल भेज सकते हैं या वापस देश भेज सकते हैं।

दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक एआई-जनरेटेड वीडियो भी शेयर किया है। इसमें एक व्यक्ति को सऊदी अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार कर जेल ले जाते हुए दिखाया गया है। वीडियो का कैप्शन है कि पाकिस्तान से आने वाले सभी उमराह यात्रियों और वर्कर्स के नाम महत्वपूर्ण संदेश।

दूतावास के अनुसार, सऊदी अधिकारियों ने मक्का और मदीना के पवित्र स्थलों के आसपास भीख मांगने और अवैध रूप से पैसे मांगने पर जीरो टॉलरेंस अपनाया है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अवैध स्थानीय सेवाओं का इस्तेमाल न करें और कोई भी वित्तीय सहायता केवल कानूनी तरीकों से ही लें।

वीजा की शर्तों और अवधि का भी सख्ती से पालन करने को कहा गया है। ओवरस्टे करने या वीजा कैटेगरी से बाहर की गतिविधियां करने से बचने की सलाह दी गई है। पिछले साल कुल 16,73,320 हज यात्री सऊदी अरब पहुंचे थे, जिनमें 15,06,576 विदेश से आए थे।

वंदे मातरम का विरोध करने वाले भारत के भी नहीं हो सकते : मनोज तिवारी

वाराणसी, (वार्ता)

भोजपुरी अभिनेता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी ने वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जो व्यक्ति पूरा वंदे मातरम नहीं गा सकता, वह भारत का भी पूरा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जो लोग पूरे वंदे मातरम का विरोध करते हैं, वे कभी भी भारत के नहीं हो सकते।

बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन-पूजन के लिए मंगलवार को वाराणसी पहुंचे श्री तिवारी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और सभी के मंगल की कामना की। दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने कहा कि काशी से उनका गहरा आध्यात्मिक जुड़ाव है और यहां का कण-कण उनके भीतर प्रवाहित होता है। उन्होंने कहा कि भले ही वह दिल्ली से सांसद हैं, लेकिन उनके लिए शक्ति का केंद्र काशी है। उन्होंने मां विंध्यवासिनी, बाबा विश्वनाथ और बाबा बैद्यनाथ के दर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि बाबा विश्वनाथ का दर्शन उनके लिए अत्यंत दिव्य अनुभव रहा।

श्री तिवारी ने कहा कि सावन में बाबा विश्वनाथ को एक लोटा जल अर्पित करने की विशेष धार्मिक मान्यता है। श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कामना की कि भगवान विश्वनाथ सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें।

वंदे मातरम विवाद पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति पूरे वंदे मातरम का गायन नहीं कर सकता, उसके भारत के प्रति भाव पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि जो लोग पूरे वंदे मातरम का विरोध करते हैं, उनके विचारों पर भी देश में चर्चा होनी चाहिए।

केंद्रीय कैबिनेट बहुत कमजोर है, केंद्र फडणवीस को दिल्ली बुला रहा : राउत

मुंबई, (वार्ता)। शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद संजय राउत ने दावा किया कि देश (केंद्र) देवेंद्र फडणवीस को बुला रहा है क्योंकि दिल्ली में मौजूदा केंद्रीय कैबिनेट बहुत कमजोर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक मजबूत मंत्रिमंडल बनाना चाहते हैं और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर फडणवीस के नेतृत्व की जरूरत है। श्री राउत ने आरोप लगाया कि भले ही फडणवीस महाराष्ट्र में ही रहना पसंद करें, लेकिन उनके करीबी लोग उन्हें दिल्ली भेजने के लिए उत्सुक हैं ताकि वह उनकी खाली होने वाली जगह ले सकें। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने उनके जाने के लिए मन्नतें मांग रखी है। एकनाथ शिंदे पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए श्री राउत ने कहा कि जहां फडणवीस प्रधानमंत्री मोदी से मिलते हैं, वहीं अन्य नेता चुपचाप केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलते हैं और श्री फडणवीस के दिल्ली जाने की स्थिति में अपने लिए पद पाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने पुरानी राजनीतिक चालों का भी जिक्र किया और दावा किया कि सत्ता में लौटने के लिए श्री फडणवीस को शिवसेना को तोड़ना पड़ा था। कैबिनेट में फेरबदल पर टिप्पणी करते हुए श्री राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के लिए कैबिनेट का विस्तार करने के लिए एक घंटा ही काफी है। उन्होंने राष्ट्रीय पार्टी की गतिविधियों पर भी बात की और धर्मेंद्र प्रधान तथा विनोद तावड़े जैसे नेताओं का जिक्र किया।

जेल में बंद इमरान खान को पाक सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, इलाज के लिए अस्पताल भेजने का आदेश

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बड़ी राहत देते हुए देश की सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जेल से एक प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करने का आदेश दिया है। अदालत का यह फैसला इमरान के गिरते स्वास्थ्य को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच आया है। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ और उनके परिवार के सदस्य काफी समय से उन्हें अस्पताल ले जाने की मांग कर रहे थे, जिसका अदालत ने संज्ञान लिया। पीटीआई के प्रवक्ता नईम हैदर पंजुथा के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि इमरान खान को अगले 48 घंटों के भीतर शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में शिफ्ट किया जाए। अदालत ने कहा है कि इमरान 16 सितंबर तक इसी अस्पताल में भर्ती रहेंगे। क्रिकेटर से राजनेता बने 73 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। पिछले साल से ही उनके बेटे और परिवार के अन्य सदस्य लगातार उनके बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त कर रहे थे। इमरान के वकीलों ने दावा किया था कि जेल में रहने के दौरान उनकी दाहिनी आंख की रोशनी काफी कम हो गई है और उन्हें गंभीर चिकित्सा देखभाल की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का क्कञ्जढ्ढ ने स्वागत किया है। पार्टी के प्रवक्ता जुल्फिकार बुखारी ने कहा कि यह एक बहुत ही स्वागत योग्य आदेश है। हम चाहते थे कि ऐसा पहले ही हो गया होता, ताकि उनकी आंख और सामान्य स्वास्थ्य में इतनी गिरावट न आती। उन्होंने यह भी जोड़ा कि उन्हें तब तक अस्पताल में ही रहना चाहिए जब तक कि सभी डॉक्टर उनके स्वास्थ्य से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हो जाते।2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए सत्ता से बाहर होने के बाद से ही इमरान खान कई कानूनी मामलों का सामना कर रहे हैं। इनमें सरकारी तोहफों से लेकर गैरकानूनी शादी जैसे कई गंभीर आरोप शामिल हैं। हालांकि, इमरान खुद पर लगे सभी आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज करते रहे हैं। कुछ मामलों में उनकी सजा को निलंबित किया जा चुका है या पलट दिया गया है, जबकि कई मामलों में अपील अब भी लंबित है। इमरान खान के स्वास्थ्य और जेल की स्थितियों को लेकर सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता जताई गई थी। इस साल फरवरी में दुनिया भर के क्रिकेट दिग्गजों ने, जिनमें भारत के भी कुछ खिलाड़ी शामिल थे, इमरान के लिए बेहतर इलाज की मांग की थी और उनकी जेल स्थितियों पर गहरी चिंता व्यक्त की थी।

भारत में हर वोटर के पास वैलिड आईडी, ट्रंप ने की भारतीय चुनाव प्रणाली की तारीफ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को भारत की चुनाव प्रणाली की तारीफ करते हुए अमेरिका में मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) अनिवार्य करने की जोरदार वकालत की। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से हुई हालिया बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि भारत में हर मतदाता के पास वैध फोटो आईडी होना जरूरी है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इस महीने की शुरुआत में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा आप बिना वैध फोटो आईडी के अमेरिका में चुनाव कैसे करवा सकते हैं?

आगे कहा कि उन्होंने भारत के पिछले आम चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के पिछले चुनाव में 64.6 करोड़ मतदाता थे, एक प्रतिशत से भी कम ने डाक से वोट डाला और हर मतदाता के पास वैध फोटो पहचान दस्तावेज होना जरूरी था। राष्ट्रपति ट्रंप ने कांग्रेस से 'सेव अमेरिका एक्ट' जल्द पास करने की अपील की। इस विधेयक का उद्देश्य अमेरिकी संघीय चुनावों में नागरिकता का प्रमाण और वैध पहचान पत्र अनिवार्य बनाना है, ताकि सिर्फ अमेरिकी नागरिक ही वोट डाल सकें।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कांग्रेस से 'सेव अमेरिका एक्ट' जल्द पास करने की अपील की। इस विधेयक का उद्देश्य अमेरिकी संघीय चुनावों में नागरिकता का प्रमाण और वैध पहचान पत्र अनिवार्य बनाना है, ताकि सिर्फ अमेरिकी नागरिक ही वोट डाल सकें।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि भारत जैसी व्यवस्था अपनाने से चुनाव प्रक्रिया ज्यादा सुरक्षित और पारदर्शी बनेगी। उन्होंने भारत के विशाल लेकिन सुव्यवस्थित चुनाव तंत्र को मिसाल के तौर पर पेश किया।व्हाइट हाउस ने कहा कि भारत और ब्राजील जैसे देशों में मतदाता आईडी को बायोमेट्रिक डेटाबेस से जोड़ा जाता है, जबकि अमेरिका मुख्य रूप से नागरिकता के लिए स्व-घोषणा पर निर्भर करता है। ट्रंप प्रशासन का मानना है कि सख्त मतदाता-आईडी और नागरिकता संबंधी नियम चुनाव सुरक्षा को मजबूत करेंगे।

रास्ता न दिला पाएं तो लेखपाल, कानूनगो, तहसीलदार सबको सस्पेंड करोः योगी

गोरखपुर, (वार्ता)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में भूमि संबंधी प्रकरणों में उदासीनता या लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को कड़ा संदेश दिया है। जनता दर्शन के दौरान एक महिला ने जब यह पीड़ा सुनाई कि दबंग यह धमकी देते हुए रास्ता नहीं दे रहे हैं कि चाहे जहां शिकायत कर लो तो मुख्यमंत्री की भृकुटि तन गई। उन्होंने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया कि महिला को रास्ता दिलवाया जाए। यदि रास्ता दिलवाने में लेखपाल, कानूनगो, तहसीलदार खुद को लाचार मानते हों तो उन सबको सस्पेंड किया जाए।

उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जहां भी भूमि संबंधी मामलों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर हीलाहवाली मिले तो वहां संबंधित कार्मिक या अधिकारी के विरुद्ध सख्त एक्शन लिया जाए। प्रकरण की गंभीरता के अनुसार संबंधित के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जाए। किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही कतई क्षम्य नहीं है।

मुख्यमंत्रर ने जनता दर्शन के दौरान योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनके पास जाकर समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र अपने हाथ में लेकर उसका अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया।

मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। हर पीड़ित की समस्या का निस्तारण प्रतिबद्धता के साथ कराया जाएगा। एक महिला की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कहा, 'रास्ता न दिलाने पर लेखपाल, कानूनगो, तहसीलदार सबको सस्पेंड करो।' जनता दर्शन में कुछ अन्य लोगों ने भी जमीन से जुड़े मामलों में राजस्व कर्मियों की तरफ से लापरवाही किए जाने की शिकायत की, जिस पर सीएम ने संबंधित जिलाधिकारियों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन में इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार इलाज में पूरी मदद करेगी। इसके लिए जरूरतमंद लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा और इसके बाद भी जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

सिंगापुर से मुंबई आना मेरे सपने की ओर पहला कदम था : आध्या आनंद

अभिनेत्री आध्या आनंद ने कहा है कि नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'बॉम्बे बेगम्स' में काम करने के लिए सिंगापुर से मुंबई आना उनके जीवन और अभिनय करियर का निर्णायक मोड़ साबित हुआ।आध्या ने बताया कि उस समय वह सिंगापुर में अपनी पढ़ाई जारी रखने की तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने 'बॉम्बे बेगम्स' के लिए हुए देशव्यापी ऑडिशन में हिस्सा लिया। ऑडिशन के कई दौर के बाद करीब सात से आठ महीने में उन्हें वापस बुलाया गया और निर्माताओं ने उन्हें मुंबई आकर कार्यशालाओं में शामिल होने के लिए कहा।

उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता पूरी यात्रा में मेरी रीढ़ की हड्डी रहे। आमतौर पर कोई भी माता-पिता छठी कक्षा में पढ़ने वाले बच्चे को इतना बड़ा कदम उठाने की आजादी और समर्थन नहीं देंगे, लेकिन वे मेरे साथ खड़े रहे और उन्होंने मुझ पर विश्वास किया। मुझे पता था कि मुझे अपने सपने को पूरा करना है और इसी तरह मैं 'बॉम्बे बेगम्स' के लिए बॉम्बे आई। आध्या आनंद ने कहा कि उस समय वह छठी कक्षा में थीं और उन्हें सिंगापुर के एक प्रतिष्ठित माध्यमिक विद्यालय में दाखिला मिल चुका था। ऐसे में इतनी कम उम्र में पढ़ाई के साथ अभिनय को करियर के रूप में चुनना उनके लिए बड़ा फैसला था। उनकी मां भी उनके साथ मुंबई आईं और नए शहर, नए स्कूल तथा अभिनय की जिम्मेदारियों के बीच उनका लगातार साथ दिया। सिंगापुर में पली-बढ़ी आध्या ने 'बॉम्बे बेगम्स' से पहले 'ए येलो बर्ड', 'लायन मम्स' और 'हूपी'ज वर्ल्ड' जैसे प्रोजेक्ट्स में बाल कलाकार के रूप में काम किया था। उन्होंने टेलीविजन पर प्रस्तोता के तौर पर भी काम किया और नृत्य में भी सक्रिय रहीं। 'बॉम्बे बेगम्स' के बाद आध्या ने 'क्रश्ड' में मुख्य भूमिका निभाई और इसके चार सीजन में नजर आईं। वह 'फ्राइडे नाइट प्लान' और 'ब्रेवहार्ट्स' समेत कई अन्य प्रोजेक्ट्स का भी हिस्सा रही हैं। आध्या अब फिल्मकार मधुर भंडारकर के आगामी प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि अलग-अलग तरह के किरदारों और शैलियों को आजमाते हुए वह लगातार अपने अभिनय के दायरे को बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं।

पवन सिंह से शादी करना चाहती थी आम्रपाली दुबे

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे इन दिनों अपने एक मजेदार बयान को लेकर चर्चा में हैं। भोजपुरी शो 'भोजपुरी बवाल' में आम्रपाली दुबे और भोजपुरी स्टार पवन सिंह के बीच हुई बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शो के दौरान आम्रपाली ने मजाकिया अंदाज में पवन सिंह से शादी करने की बात कह दी, जिसे सुनकर दोनों हंस पड़े। 'भोजपुरी बवाल' के एक एपिसोड में आम्रपाली दुबे और पवन सिंह बातचीत करते नजर आए। इसी दौरान बच्चों की परवरिश को लेकर चर्चा हुई। आम्रपाली ने कहा कि अकेले बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होगा। इसके बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में पवन सिंह से कहा कि क्यों न दोनों शादी कर लें और मिलकर बच्चे की परवरिश करें। आम्रपाली की यह बात सुनते ही पवन सिंह अपनी हंसी नहीं रोक पाए। दोनों के बीच हुई यह मजेदार बातचीत अब सोशल मीडिया पर खूब शेयर की जा रही है। हालांकि, आम्रपाली दुबे का यह बयान मजाक के तौर पर कही गई बात नजर आता है। वायरल क्लिप को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस भी तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। आम्रपाली दुबे का जन्म 11 जनवरी 1987 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में हुआ था। उन्होंने मुंबई के भवन कॉलेज से पढ़ाई की। एक्टिंग की दुनिया में आम्रपाली ने अपने करियर की शुरुआत भोजपुरी फिल्मों से नहीं, बल्कि हिंदी टेलीविजन से की थी। उन्होंने टीवी शो 'सात फेरे- सलोनी का सफर' से अभिनय की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने श्वेता सिंह का किरदार निभाया था।

3 महीने की बेटी की मौत से टूटे थे गोविंदा -सुनीता

गोविंदा और सुनीता आहूजा का रिलेशनशिप इन दिनों चर्चा में है क्योंकि सुनीता ने गोविंदा के उनकी को-एक्ट्रेस कोमल रानी के साथ अफेयर की अटकलों की ओर इशारा किया है। वहीं गोविंदा ने भी अब उन पर पलटवार किया है और उन्हें अपनी हद में रहने को कहा है। उनकी शादी को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच, गोविंदा और सुनीता के अतीत का एक भावुक किस्सा भी सामने आया है। शादी से पहले एक-दूसरे को जानने के बाद 1987 में शादी के बंधन में बंधे इस जोड़े को एक बच्चे को खोने का दुखद अनुभव झेलना पड़ा था। गोविंदा और सुनीता 1989 में बेटी टीना के माता-पिता बने और बाद में 1997 में उनके बेटे यशवर्धन का जन्म हुआ। हालांकि, अपने दोनों बच्चों के जन्म के बीच, इस जोड़े ने एक बेटी को खो दिया था। टीना के जन्म के बाद, सुनीता और गोविंदा के घर एक और बेटी का जन्म हुआ, लेकिन वह समय से पहले पैदा हुई थी। उसके फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं हुए थे और तीन महीने की उम्र में ही उसकी मौत हो गई। इस नुकसान ने कपल को बुरी तरह प्रभावित किया था। खबरों के अनुसार, इस दुख से उबरने में उन्हें कई साल लग गए। आखिरकार उन्हें एक-दूसरे से हिम्मत मिली और सालों बाद उनके बेटे यशवर्धन का जन्म हुआ। एक पुराने वीडियो में, गोविंदा ने उस दुखद अनुभव के बारे में बात की थी और याद किया था कि कैसे उनकी मां ने उनसे अपनी बेटी के शव को नर्मदा नदी में विसर्जित करने के लिए कहा था। अपनी बेजान बच्ची को खुद ले जाना उनके जीवन के सबसे दर्दनाक अनुभवों में से एक बन गया। एक्टर ने याद किया कि वे नवरात्रि के नौवें दिन अपनी बेटी को नदी के किनारे ले जा रहे थे। रास्ते में उन्हें एक महिला मिली जो अपने बच्चे को गोद में लिए भीख मांग रही थी। जब उसने गोविंदा की गोद में बेजान बच्ची को देखा, तो वह तुरंत वहां से भाग गई।

उस पल और उससे जीवन के बारे में मिले नजरिए का वर्णन करते हुए गोविंदा ने कहा, %उसने अपने बच्चे को ऐसे समेटा और मेरी तरफ से भागी। उस वक्त मुझे ऐसा लगा कि मैं भिखारी हूं और यह मालकिन है। तो जीवन है, यह आपको स्टारडम में भी भिखारी से बदतर स्थिति दिखाता है और कभी-कभी बहुत गरीबी और लाचारी में भी बादशाह से बढ़कर चीजें दिखाता है। बॉलीवुड एक्टर गोविंदा और सुनीता आहूजा की शादी 11 मार्च 1987 को हुई थी और उनके दो बच्चे हैं - टीना और यशवर्धन। उनका रिश्ता शुरू में पारिवारिक जान-पहचान के जरिए शुरू हुआ था और गोविंदा के बढ़ते करियर की वजह से कुछ समय तक इसे निजी रखा गया था। हालांकि अब सालों बाद दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं है और दोनों खुलकर आए दिन एक दूसरे पर निशाना साधते हुए नजर आते हैं।

राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी की तैयारियां अंतिम दौर में

जनप्रतिनिधियों एवं एसडीएम ने व्यवस्थाओं की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

नरसिंहपुर/गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

साईंखेड़ा के सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में 20 एवं 21 अगस्त को आयोजित होने वाली विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी 2025-26 के राज्य स्तरीय आयोजन की तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। आयोजन में प्रदेश के विभिन्न संभागों से चयनित विद्यार्थी अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ ही गीत, सेमिनार, प्रश्नमंच सहित विभिन्न विधाओं में विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रत्येक संभाग से चयनित प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रोजेक्ट्स शामिल होंगे। प्रत्येक जोन से 26-26 विद्यार्थी तथा प्रत्येक जिले से एक पुरुष एवं एक महिला मार्गदर्शक शिक्षक और संभागीय डाइट से एक पुरुष एवं एक महिला शिक्षक सहित कुल 260 विद्यार्थी एवं 124 मार्गदर्शक शिक्षक सहभागिता करेंगे।

आयोजन की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह द्वारा विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। मंगलवार को आयोजन की नोडल अधिकारी एवं एसडीएम गाडरवारा प्रगति वर्मा ने जनप्रतिनिधियों, समितियों के प्रभारियों एवं सदस्यों तथा स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर से चयनित विद्यार्थी एवं मार्गदर्शक शिक्षक इस आयोजन में शामिल होंगे, इसलिए आवास, भोजन, पेयजल, परिवहन सहित सभी व्यवस्थाएं ऐसी हों कि किसी भी प्रतिभागी को असुविधा न हो बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सचिन अग्रवाल ने नगर परिषद की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने की बात कही। श्री मिनेन्द्र डागा ने कहा कि राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के आयोजन सभी के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न होते रहे हैं और इस आयोजन को भी सभी मिलकर सफल बनाएंगे। एसडीएम प्रगति वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के ठहरने की व्यवस्था की गई है, उनका पूर्व निरीक्षण कर सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं।

डीपीसी प्रदीप कुमार द्विवेदी ने आवास, भोजन, पेयजल एवं आयोजन स्थल तक प्रतिभागियों के आवागमन की व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बीआरसी संदीप स्थापक ने आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक का संचालन मनीष शंकर तिवारी ने किया।

व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बैठक के बाद जनप्रतिनिधियों, एसडीएम प्रगति वर्मा और स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने बालक आवास, भोजन व्यवस्था, मॉडल कक्ष, सेमिनार एवं गीत कक्ष सहित कमला पैलेस में की गई बालिका आवास व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले विद्यार्थियों एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षकों के लिए बेहतर आवास, परिवहन एवं भोजन व्यवस्था सुनिश्चित करना आयोजन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर श्री दिग्विजय सिंह राजपूत, श्री कीरत सिंह पटैल, बीईओ सीमा डोंगरे, वीरेंद्र राजपूत, प्राचार्य प्रतुल इंदुरख्या, सुनीता पटैल, एसके मिश्रा, चंद्रकांत विश्वकर्मा, आनंद चौकसे, एपीसी मनीष चौकसे, बीआरसी नरसिंहपुर ओपी राय, बीएसी मनीराम मेहरा, पवन राजोरिया, सीएमओ जयप्रकाश रजक, थाना प्रभारी संध्या चंदेल, बीएमओ आदित्य रघुवंशी सहित विभिन्न समितियों के सदस्य उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर अरविंद सिंह ने जनसुनवाई में सुनी लोगों की समस्याएं

जनसुनवाई में आये 120 आवेदन पत्रों की सुनवाई हुई

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती देवंती परते सहित अन्य अधिकारियों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 120 आवेदन पत्र प्राप्त हुए।

अपर कलेक्टर श्री सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

वरिष्ठ समाजसेवी स्व. अशोक राय की जयंती पर हुए आयोजन

अस्पताल को भेंट किए सैकड़ो इंजेक्शन,साथ ही किया पौधारोपण

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

समाजसेवी संगठन श्री साई श्रद्धा सेवा समिति के संरक्षक रहे स्वर्गीय अशोक राय की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में श्री साई श्रद्धा सेवा समिति द्वारा शासकीय सिविल अस्पताल अधीक्षक डॉ उपेंद्र वस्त्रकार, समिति संस्थापक आशीष राय, सचिव बबलू कहार,पूर्व दफेदार जगदीश वैष्णव, आशीष जायसवाल की उपस्थिति में औषधि वितरण सेवा का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम भगवान गणेश एवं साई बाबा की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

साथ ही स्वर्गीय अशोक राय जी को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। तद पश्चात शासकीय सिविल अस्पताल को सैकड़ों इंजेक्शन भेंट किए। वहीं अस्पताल के अधीक्षक डॉ उपेंद्र वस्त्रकार द्वारा दान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। तद पश्चात साई सदन में पौधे का रोपण भी किया गया।

इस अवसर पर पारिवारिक कैलाश कश्यप, संजय शर्मा, बालकिशन श्रीवास, आशीष कुशवाहा, लकी रजक, ओम राजपूत, सौम्य प्रताप एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

एक साल पढ़ाया फीस नहीं दी ट्यूटर ने सरकारी स्कूल के प्यून पर लगाया आरोप

सतना (स्वतंत्र मत)।

शिक्षा के नाम पर शोषण का मामला सामने आया है। शहर के पटेश्वरी वार्ड के एक ट्यूटर ने सरकारी स्कूल में पदस्थ प्यून पर अपने बच्चों को 1 साल की ट्यूशन फीस 7000 न देने और झगड़ा करने का आरोप लगाया है। ट्यूटर ने इस संबंध में सिविल लाइन थाने में लिखित शिकायत दी है।

क्या है पूरा मामला

शिकायतकर्ता निरंजना सिंह राठौर निवासी पटेश्वरी वार्ड न 29 सुमित बागन्स के सामने समेरिटन हॉस्पिटल चर्च के पीछे ने बताया कि वह अपने घर पर ट्यूशन पढ़ाते हैं। आरोप है कि सुनील भट्ट जो शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुलगढ़ी श्यामनगर में प्यून के पद पर पदस्थ हैं के बेटा और बेटी उनके यहां पिछले 1 साल से ट्यूशन पढ़ रहे हैं। लेकिन 1 साल की फीस आज तक नहीं दी गई। निरंजना सिंह का कहना हैए हर बार उनकी पत्नी बोलती थी कि दे देंगे। लेकिन अब 4 दिनों से दोनों पति.पत्नी झगड़ा कर रहे हैं और फीस देने से साफमना कर रहे हैं।

थाने में दी शिकायत

पीड़ित ट्यूटर ने 17 अगस्त को सिविल लाइन थाना प्रभारी को आवेदन देकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। आवेदन में उन्होंने 7000 की बकाया फीस दिलवाने और भविष्य में सुरक्षा की गुहार लगाई है।

लायंस क्लब ने गोदित शाला में बच्चों को किया प्रोत्साहित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

लायंस क्लब द्वारा गोदित शाला लोकमत माध्यमिक स्कूल में बड़े ही होल्लास के साथ श्रीमती अलका श्रीवास्तव के मुख्य आतिथ्य लायन अनीता जायसवाल की अध्यक्षता लायन मधुमति चौहान के मार्गदर्शन में मनाया गया।

अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण पश्चात दीप प्रज्वलन सरस्वती पूजन लायन सदस्यों द्वारा लॉयंस ध्वज वंदन किया, सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान हुआ। नर्सरी से आठवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत , नृत्य, अपनी की प्रस्तुतिया दी । सभी छोटे बच्चों को तिरंगा भेंट किया गया। साथ ही शिक्षण सामग्री बच्चों में वितरित की गई।

लायन मधुमति द्वारा बड़ा ही आकर्षक कार्यक्रम दिया गया। देशभक्ति गीत की प्रथम पंक्ति गाकर आगे का गीत बच्चों ने प्रस्तुत किया। लगभग चालीस बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया । सभी को लायंस क्लब द्वारा पुरस्कृत किया। श्रीमती अलका जी ने लायंस क्लब के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया। लायन अनीता जायसवाल ने बच्चों को प्रोत्साहित किया । इस पूरे कार्यक्रम में लायन के. आर. स्प्रे, पी. एस. तिवारी, जगदीश अग्रवाल, परमेश्वर जी, उषा दुबे ,ममता पांडे, कामिनी निगम, माया दुबे, किरण विश्नोई, माया खजांची, संगीता जायसवाल, सुनीता चौधरी, सविता बड़कुर, शशि वालिया उपस्थित रहीं।

पुलिस अधीक्षक शियाज के.एम. ने जनसुनवाई में व्यक्तिगत रूप से सुनीं आमजन की समस्याएं

सिंगरौली। आज दिनांक 18 अगस्त 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सिंगरौली में पुलिस अधीक्षक शियाज़ के.एम. (भा.पु.से.) द्वारा जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए आवेदकों एवं फरियादियों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक फरियादी से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। कई शिकायतों पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई कराई गई, जबकि अन्य प्रकरणों में निष्पक्ष जांच एवं त्वरित वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। महिला फरियादियों की शिकायतों को विशेष प्राथमिकता देते हुए महिला पुलिस अधिकारियों द्वारा उनकी काउंसलिंग कराई गई तथा समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा, थाना प्रभारी नवानगर राकेश साहू, उप निरीक्षक उदय सिंह करिहार सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सिंगरौली पुलिस आमजन की समस्याओं के संवेदनशील, पारदर्शी एवं त्वरित निराकरण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद के तहत विद्यार्थियों को पुलिस कार्यप्रणाली साइबर सुरक्षा एवं यातायात नियमों की दी जानकारी

सिंगरौली। पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक सियाज के.एम. के निर्देशन में जिले में विद्यार्थियों को कानून, सुरक्षा, साइबर अपराध, महिला सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद अभियान के अंतर्गत आज सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिर्वाह में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 150 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें पुलिस की कार्यप्रणाली, कानून-व्यवस्था एवं आमजन की सुरक्षा में पुलिस की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनकर वे स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ समाज की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

साइबर अपराधों से बचाव के बताए उपाय-विद्यार्थियों को साइबर अपराध एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। उन्हें समझाया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ह्ज्ञक पासवर्ड, बैंक संबंधी जानकारी एवं निजी जानकारी साझा न करें, संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें तथा सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करें। साइबर ठगी होने की स्थिति में तत्काल 1930 पर शिकायत करने की जानकारी भी दी गई।

महिला एवं बाल सुरक्षा के प्रति किया जागरूक-कार्यक्रम में विद्यार्थियों को महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े विषयों पर भी जागरूक किया गया। किसी भी प्रकार के गलत व्यवहार, छेड़छाड़, उत्पीड़न अथवा असहज परिस्थिति में चुप न रहने तथा तत्काल परिजनों, शिक्षकों या पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। आपात स्थिति में डायल-112 की सहायता लेने की प्रक्रिया भी समझाई गई।

यातायात नियमों के पालन का दिलाया संकल्प-विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के संबंध में जानकारी देते हुए हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने की समझाइश दी गई। विद्यार्थियों को स्वयं यातायात नियमों का पालन करने तथा अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

एनसीएल की कृष्णशिला परियोजना में 'एक्सीडेंटल डेथ क्लेम' वितरण

सिंगरौली। मंगलवार को एनसीएल की कृष्णशिला परियोजना में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अनपरा के सहयोग से ‘एक्सीडेंटल डेथ क्लेम डिस्ट्रीब्यूशन प्रोग्राम’ का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की कॉर्पोरेट सैलरी अकाउंट योजना के अंतर्गत दिवंगत कर्मचारी भाईलाल पांडे के परिजनों को कुल ? 42 लाख 50 हजार की एक्सीडेंटल डेथ क्लेम राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर दिवंगत भाईलाल पांडे की धर्मपत्नी ललिता पाण्डेय को यह राशि वितरित की गई। इस अवसर पर क्षेत्रीय महाप्रबंधक (कृष्णशिला), सुमन सौरभ उपस्थित रहे और अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि यह आर्थिक सहायता स्वर्गीय भाईलाल पांडे की कमी को पूरा नहीं कर सकती, क्योंकि किसी भी परिवार के लिए अपने प्रियजन को खोने की क्षति अपूरणीय होती है। साथ ही उन्होंने कहा कि एनसीएल नियमानुसार देय आर्थिक सहायता एवं बीमा लाभ समय पर उपलब्ध कराकर पीड़ित परिवार को भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा व संबल प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। उक्त कार्यक्रम में परियोजना से जेसीसी सदस्य, विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि भी समारोह में उपस्थित रहे।

मंदिरों में चोरी की वारदातों का पुलिस आज तक नहीं कर पाई खुलासा

एसआईटी बनी नतीजा शून्य

सतना (स्वतंत्र मत)।

जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों में लगातार हो रही चोरियों का खुलासा आज तक पुलिस नहीं कर सकी। बदमाशों ने अब चित्रकूट स्थित कामदगिरि परिक्रमा मार्ग के बड़े हनुमान मंदिर को निशाना बनाया है। श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मंदिरों में हो रही वारदातों से पुलिस की जांच सवालों के घेरे में है।

एक ही मंदिर में एक माह में दो वारदात

सबसे गंभीर मामला शिवराजपुर के पास गाजीपुर माता मंदिर का है। 1.2 जुलाई की रात चोर देवी के सिंहासन और छत्र से 22 किलो चांदी उखाड़ ले गए। कीमत करीब 45 लाख रुपए आंकी गई थी। इसके पहले 2.3 जून की रात भी चोरों ने सिंहासन की सीढ़ियों से करीब 3 किलो चांदी उखाड़ ली थी। ठीक एक माह बाद बदमाशों ने दोबारा उसी मंदिर को निशाना बनाया। पुलिस ने एसआईटी गठित की लेकिन कई सप्ताह बाद भी जांच कागजों से बाहर नहीं निकली। न कोई आरोपी पकड़ा गया न चोरी गई चांदी का सुराग मिला।

उचेहरा का नीलकंठ आश्रम भी निशाने पर

20.21 जून की रात रामपुर पाठा स्थित नीलकंठ आश्रम के श्रीराधा.कृष्ण मंदिर में चोरों ने 3 ताले तोड़कर भगवान श्रीकृष्ण की चांदी की बांसुरी मुकुट आभूषण और सिक्के चोरी कर लिए। पहचान छिपाने के लिए बदमाश सीसी कैमरे और डीवीआर तक उखाड़कर ले गए। पुलिस अब तक किसी ठोस सुराग तक नहीं पहुंच सकी है।

चोरों को मिला सबूत मिटाने का समय

दोनों मामलों में लंबा समय बीत जाने के बाद भी गिरफ्तारी न होने से माना जा रहा है कि बदमाशों को चोरी का माल गलानेध्छिकाने लगाने का पूरा अवसर मिल गया। अगर शुरुआती दिनों में कार्रवाई होती तो बरामदगी की संभावना ज्यादा थी। लगातार हो रही वारदातों से श्रद्धालुओं में नाराजगी बढ़ रही है।

चित्रकूट में दान पेटी से 60 हजार पार

28 जुलाई सोमवार सुबह कामदगिरि परिक्रमा मार्ग स्थित बड़े हनुमान मंदिर में चोरों ने दान पेटी का ताला तोड़कर करीब 60 हजार रुपए चोरी कर लिए। महंत योगेंद्र दास उर्फ बड़े हनुमान ने बताया दान पेटी डेढ़ साल से नहीं खोली गई थी। श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई करीब 70 हजार की राशि उसमें होने का अनुमान था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आसपास के ब्व्ज्ट फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

पुलिस पर सवाल

लगातार मंदिरों में चोरी के बाद पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। एसआईटी बनने के बाद भी नतीजा शून्य रहने से जनता में आक्रोश है। खबर लिखने तक मंदिरों में चोरी का वारदात का खुलासा पुलिस नहीं कर पाई है

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी (म.प्र.)

फोन / फैक्स : 07622-230418 ई-मेलः heggckat@mp.gov.in girlscollegekatni@yahoo.co.in

क्रमांक/स्था/929/2026 कटनी दिनांक 18/8/2026

निविदा प्रकाशन

शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में योजना क्रमांक 5551 आधुनिक तकनीक से शिक्षण व्यवस्था हेतु स्मार्ट इंटरैक्टिव बोर्ड एवं अन्य सम्बधित सामग्री क्रय करने हेतु MP TENDER पोर्टल में निविदा लगाई गई है जिसकी टेण्डर क्रमांक 915 एवं टेण्डर आईडी 2026_HED_530554_1

इच्छुक निविदाकर्ता अपनी निविदाएं MP TENDER Portal पर Online 25 अगस्त 2026 तक आवेदन कर सकते है। निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय प्राचार्य, शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी का होगा। उक्त निविदा में किसी भी प्रकार की परिवर्तन होने पर इसकी सूचना महाविद्यालय की बेवसाईट के माध्यम से प्रदान की जाएगी ।

प्राचार्य
शासकीय कन्या महाविद्यालय
कटनी (म.प्र.)

कार्यालय नगरपालिक निगम कटनी (म.प्र.)

क्र./135/मुख्य स्टोर/2026/27 कटनी दिनांक 13/8/2026

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु पंजीकृत फार्मों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	सामग्री का विवरण	मात्रा	कार्य की समयवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविद की अंतिम तिथि
1	2026_UAD_529402_1	कम्प्यूटर सेट प्रिंटर (सिंगल फंक्शन) यूपीएस 600 वाट	आवश्यकतानुसार	365 दिवस	2000.00 9000.00	20/8/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। तथा निविदाकारों को सभी सामग्री की दरें प्रतुस्त करना अनिवार्य होगा।

प्राधिकृत अधिकारी
नगर पालिक निगम कटनी

ब्राह्मण महिला एकता सेवा समिति द्वारा हरियाली तीज और झूला महोत्सव संपन्न

कटनी (स्वतंत्र मत)।

ब्राह्मण महिला एकता सेवा समिति द्वारा हरियाली तीज और झूला महोत्सव मनाया गया। जिसका संचालन अध्यक्ष शिखा खंपरिया द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारती तिवारी, ज्योति विनय दीक्षित और चंद्रकांता शर्मा रही। कार्यक्रम में चंद्रकांता शर्मा और समाज की महिलाओं द्वारा शिखा खंपरिया का सम्मान किया गया और साथ ही बहुत से रंगा रंग प्रस्तुति हुई जिसमें नृत्य में आरती रावत और मोना चौबे विजेता रही और रेशु मिश्रा और शीतल मिश्रा सावन सुंदरी रही। कार्यक्रम में और साथ ही सभी विजेताओं के साथ समाज की सभी महिलाओं को मनमोहक उपहार भी प्रदान किए गए शिखा खंपरिया, भावना दुबे, मधु त्रिपाठी, रिया खंपरिया, आरती कुरारिया, आराधना वैष्णव, अनामिका तिवारी, मंजू शर्मा के साथ सभी ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कसौधन वैश्य समाज महिला मंडल ने मनाया हरियाली तीज उत्सव

हरियाली तीज के पावन अवसर पर कसौधन वैश्य समाज महिला मंडल इकाई कटनी के द्वारा हरियाली तीज का उत्सव स्काईलाइट में बड़े धूमधाम एवं उत्साह पूर्वक मनाया गया। जिसमें समाज की कई मात्र शक्तियों ने अपनी सांस्कृतिक कलाओं का प्रतिभा का प्रदर्शन प्रस्तुति करें एवं कई प्रकार की आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया और अपने-अपने विचार व्यक्त किया और एक दूसरे से मेल मिला भी किया गया कार्यक्रम का सभी के सहयोग से सफल आयोजनरहा कश्यप ऋषि महाराज की हम सब पर सदैव बनी रहे ऐसे छोटे-छोटे कारण पर आयोजन करते रहें और एकता संगठन मेल होता रहे। कसौधन वैश्य महिला मंडल अध्यक्ष पूजा गुप्ता, कार्यवाह अध्यक्ष एडवोकेट अर्चना गुप्ता, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी गुप्ता, महामंत्री कंचन गुप्ता, मोना गुप्ता एवं दुर्गा गुप्ता, राधिका गुप्ता, निशा गुप्ता, मांडवी गुप्ता, रचना गुप्ता, शीलू गुप्ता, वंदिता गुप्ता, चांदनी गुप्ता, प्रियंका, ज्योति, शशि, रश्मि, अंशु आदि लोक की उपस्थित रही।

जिला ब्राह्मण समाज महिला मंडल का हरियाली तीज महोत्सव संपन्न

जिला ब्राम्हण समाज कटनी महिला मंडल द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया गया कार्यक्रम में लगभग 100 महिलाऐं शामिल हुई उन्ही महिलाओं के बीच से हरित सुंदरी का चुनाव किया गया जिसमें से भारती विनर हुई। लगभग 40 महिलाओं ने गेम और क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया एवं सभी महिलाओं का स्वागत सुहाग की सामग्री देकर महिला मंडल अध्यक्ष डॉ ऊषा पांडे एवं पूर्व अध्यक्ष कल्पना दुबे द्वारा किया गया कार्यक्रम में महिलाओं के मनोरंजन हेतू मनोरंजक गेम मुनमुन द्वारा खिलाये गये जिसमें महिलाओं ने झूमते नाचते गाते स्वादिष्ट पकवान ग्रहण कर सभी ने एंजॉय किया कार्यक्रम की फोटो ग्राफी रूपा तिवारी द्वारा की गयी। सभी सम्माननीय महिलाओं ने बरसते पानी में पधारकर कार्यक्रम में चार चांद लगाये समस्त मात्र शक्तियों का जिला महिला मंडल आभार व्यक्त करती है कार्यक्रम का संचालन गीता पाठक द्वारा किया गया।

सावन के पावन अवसर पर पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक संपन्न

कटनी (स्वतंत्र मत)। सावन मास के पावन अवसर पर लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रांगण में एक दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण, संगीतमय भजन एवं रुद्राभिषेक का दिव्य आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। आयोजन परम पूज्य गुरुदेव डॉ. रजनीश शास्त्री के सानिध्य में संदीप गुप्ता मंटू एवं समस्त शिष्य मंडल द्वारा कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 8 बजे पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं संगीतमय भजनों के साथ हुई। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया और भगवान भोलेनाथ की आराधना की। दोपहर 12 बजे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया गया। इसके पश्चात दोपहर 1 बजे पार्थिव शिवलिंग का विसर्जन एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने सहभागिता कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंजता रहा। कार्यक्रम में शरद गुप्ता, गुल्लू खम्परिया, पार्षद रमेश सोनी, ललित जायसवाल, मधु गुप्ता, श्रीराम गुप्ता, संजय सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।

महापौर जनसुनवाई बनी नागरिकों की समस्याओं को सीधे सामने रखने का प्रभावी मंच

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नगर निगम कार्यालय में मंगलवार, 18 अगस्त को आयोजित महापौर जनसुनवाई में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से नागरिक अपनी समस्याएं एवं शिकायतें लेकर पहुंचे। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने पेंशन, साफ-सफाई, सड़क, नाली, पेयजल, सहित नगर निगम से संबंधित विभिन्न विषयों को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए। महापौर ने प्रत्येक आवेदन पर संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा प्रकरणों के नियमानुसार त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समस्याओं के समयबद्ध निराकरण पर महापौर ने दिया जोर - महापौर ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनना और उनके समाधान की प्रक्रिया को सरल, प्रभावी एवं पारदर्शी बनाना है। नगर निगम प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है।

प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई की होगी निरंतर निगरानी

महापौर ने कहा कि नागरिकों और नगर निगम के बीच सीधा संवाद बेहतर शहर व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर संबंधित विभागों द्वारा की जा रही कार्रवाई की निरंतर निगरानी की जाएगी, ताकि नागरिकों को समय पर राहत मिल सके। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए निराकरण की स्थिति से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण नगर निगम की प्राथमिकता है।

बालाघाट में दूषित पानी से 21 आदिवासी बच्चों की मौत, कांग्रेस ने सौंपा 5 सूत्रीय ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)। प्रदेश के बालाघाट जिले में दूषित पानी पीने से 21 आदिवासी बच्चे भयावह बीमारी की चपेट में आने से उनकी मृत्यु हो गई थी जिसको लेकर आदिवासी शहर एवं ग्रामीण ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह की अगुवाई में मंगलवार को प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से 5 सूत्रीय एक ज्ञापन सौंपा है। जिसमें जिला आदिवासी शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस ने संयुक्त रूप से दिए गए ज्ञापन में बताया गया है कि विगत दिनों पूर्व इंदौर जिले के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से हुई मौतों के बाद अब सिलसिला बालाघाट जिले के कुण्डेकसा, अडोरी, कोरका और बोंदरी समेत आस पास के गांव में दूषित पानी पीने से लगभग 21 आदिवासी बच्चों को जान गवांनी पड़ी और यही नहीं दूषित पानी से चर्म रोग उल्टी दस्त जैसी भयावह बिमारी की चपेट में आ गए हैं। मध्यप्रदेश शासन का यही ढुलमुल रवैया यह दर्शाता है कि सरकार को आदिवासियों की कोई चिन्ता नहीं है और स्वास्थ्य विभाग भी नींद में सो रहा है। साथ ही उन्होंने मांग करते हुए कहा है कि यह कि बालाघाट के 21 आदिवासी बच्चों के परिवारों को तत्काल 1-1 करोड़ की आर्थिक सहायता दिलाई जावे साथ ही उनके परिवार के 1 सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए और प्रभावित गाँवों में तत्काल चिकित्सा व्यवस्था बनाई जाए। साथ ही आदिवासी क्षेत्रों में स्थायी स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ पेयजल की जाँच के लिये उच्चस्तरीय जाँच समिति गठित कराई जाए और जाँच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाये और जांच पर लापरवाही किये जाने वाले अधिकारियों पर कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जाए। इस दौरान जिला अध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस शहर अजय कोल, ग्रामीण ओमकार सिंह, राजा जगवानी, सेवा दल अध्यक्ष मंगल सिंह, राकेश जैन, ब्लॉक अध्यक्ष सुशील जायसवाल, ब्लॉक अध्यक्ष जितेन्द्र गुप्ता, जालिम यादव, रंजीत सिंह, कल्लू दास बैरागी, नारायण निषाद, हर्षित मिश्रा, मजीद खान सहित बड़ी संख्या में अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक देश-एक शिक्षा लागू करने की मांग

राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्र मत)।

अखिल भारतीय हिन्द क्रान्ति पार्टी, मध्यप्रदेश द्वारा देशभर में एक देश-एक शिक्षा व्यवस्था लागू किए जाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान में विभिन्न राज्यों एवं शिक्षा बोर्डों के पाठ्यक्रम, संसाधनों और शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक अंतर है, जिससे विद्यार्थियों को समान अवसर नहीं मिल पाते।

पार्टी ने मांग की कि पूरे देश में न्यूनतम राष्ट्रीय शैक्षणिक मानक निर्धारित किए जाएं, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक प्रयोगशालाएं, डिजिटल संसाधन, प्रशिक्षित शिक्षक और रोजगारोन्मुख शिक्षा समान रूप से उपलब्ध हो सके।

ज्ञापन में यह भी सुझाव दिया गया कि विद्यालय स्तर से ही तकनीकी शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई, साइबर सुरक्षा, कृषि तकनीक, उद्यमिता एवं वित्तीय साक्षरता जैसे विषयों को चरणबद्ध तरीके से पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। साथ ही सरकारी एवं निजी विद्यालयों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता में मौजूद अंतर को कम करने के लिए शिक्षकों के नियमित प्रशिक्षण तथा आधुनिक डिजिटल सुविधाओं का विस्तार किए जाने की मांग की गई। अखिल भारतीय हिन्द क्रान्ति पार्टी ने राष्ट्रपति से आग्रह किया है कि देश के सभी विद्यार्थियों को समान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक देश-एक शिक्षा व्यवस्था लागू करने हेतु आवश्यक नीतिगत एवं संवैधानिक कदम उठाए जाएं। ज्ञापन सौंपने के दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पन्नालाल त्रिपाठी, प्रदेश अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ राजकुमार बक्शी, प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग फूलचंद पटेल, प्रदेश सचिव अर्चना सिंह, जिला विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष ब्रज पांडे, महेंद्र पटेल, जिला उपाध्यक्ष रमेश तिवारी, जिला अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ अनामिका सतनामी, युवा प्रदेश अध्यक्ष बलराम श्रीवास्तव, जिला महामंत्री कैलाश जायसवाल, आकांक्षा सेन सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ट्रेन निरस्तीकरण की समय पर सूचना नहीं देना सेवा में कमी, रेलवे यात्रियों को देगा क्षतिपूर्ति

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग, कटनी ने रेलवे से जुड़े दो उपभोक्ता प्रकरणों में महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए ट्रेन निरस्तीकरण एवं यात्रियों को समय पर सूचना नहीं दिए जाने के मामले में रेलवे की सेवा में कमी पाई है। आयोग के समक्ष रेलवे ट्रेन निरस्त किए जाने के निर्णय एवं उससे संबंधित आवश्यक दस्तावेजी साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं कर सका। पहले प्रकरण सी.सी. क्रमांक 60/2021, सतवीर सिंह भाटिया विरुद्ध भारत सरकार एवं अन्य में परिवादी ने 6 मार्च 2021 को नई दिल्ली से अमृतसर जाने के लिए ट्रेन क्रमांक 02029 शताब्दी एक्सप्रेस में आरक्षण कराया था। उक्त ट्रेन का नई दिल्ली से प्रस्थान समय सुबह 7:20 बजे थाए जबकि रेलवे की ओर से ट्रेन निरस्त होने की सूचना परिवादी को 5 मार्च 2021 को शाम 5:35 बजे दी गई। इस प्रकार ट्रेन निरस्तीकरण की सूचना निर्धारित प्रस्थान समय से 12 घंटे से भी कम समय पूर्व दी गई। आयोग ने अपने आदेश में महत्वपूर्ण रूप से पाया कि रेलवे की ओर से ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया जिससे यह प्रमाणित हो सके कि ट्रेन क्रमांक 02029 को निरस्त करने का निर्णय आखिर कब लिया गया था। आयोग ने यह भी उल्लेख किया कि ट्रेन के निरस्तीकरण अथवा डायवर्जन से संबंधित दस्तावेजी साक्ष्य रेलवे प्रशासन द्वारा प्रस्तुत किए जाने चाहिए थे, किंतु ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। पर्याप्त समय पूर्व सूचना नहीं मिलने के कारण परिवादी को दिल्ली से अमृतसर तक टैक्सी से यात्रा करनी पड़ी। आयोग ने रेलवे की सेवा में कमी पाते हुए परिवादी को शारीरिक एवं मानसिक कष्ट के लिए 5,000 तथा दिल्ली से अमृतसर की टैक्सी यात्रा के 6,500, कुल 11,500 प्रदान करने का आदेश दिया। इसके अतिरिक्त 2,000 वाद-व्यय भी देने के निर्देश दिए गए।

निर्धारित अवधि में राशि नहीं दिए जाने पर आदेशानुसार 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देय होगा। इसी प्रकार दूसरे प्रकरण सी.सी. क्रमांक 61/2021, मनदीप कौर भाटिया विरुद्ध भारत सरकार एवं अन्य में भी ट्रेन निरस्तीकरण के कारण परिवादिनी की यात्रा प्रभावित हुई। आयोग ने पाया कि रेलवे की ओर से ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया।

डॉ. चित्रा प्रभात को उत्कृष्ट कार्य के लिए किया गया सम्मानित

कटनी (स्वतंत्रमत)। शासकीय कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के सफल संयोजन एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा डॉ. चित्रा प्रभात को उनके सराहनीय योगदान, कुशल नेतृत्व एवं कार्यक्रम के प्रभावी संचालन के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान महाविद्यालय परिवार के लिए गौरव का विषय है। डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन एवं समर्पण ने जिला स्तरीय आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

घर में चल रही थी फर्नीचर निर्माण की अवैध फैक्ट्री, 41 नग चिरान जब्त

सागौन की लकड़ी का अवैध कारोबार उजागर

कटनी (स्वतंत्र मत)।

ढीमरखेड़ा वन परिक्षेत्र के कछारगांव में वन विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई करते हुए घर से संचालित हो रहे अवैध फर्नीचर व्यापार का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान मौके से सागौन की 41 नग अवैध चिरान 0.232 घन मीटर और फर्नीचर बनाने में इस्तेमाल होने वाले औजार जब्त किए गए हैं। वनमंडलाधिकारी गर्वित गंगवार और उप वनमंडलाधिकारी कार्तिकेय भट्ट के मार्गदर्शन तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी ढीमरखेड़ा सचिन नामदेव के निर्देशन में वन विभाग की टीम ने कछारगांव स्थित राकेश बढ़ई के ठिकाने पर दबिश दी। सूचना मिली थी कि जंगलों से अवैध रूप से काटी गई कीमती लकड़ी से यहां फर्नीचर तैयार किया जा रहा था। तलाशी लेने पर घर के भीतर अवैध बढ़ईगीरी और फर्नीचर निर्माण का कारोबार पाया गया। सर्च वारंट लेकर पहुंची वन विभाग की टीम ने जब लकड़ी और तैयार फर्नीचर के संबंध में कागजात मांगे, तो आरोपी राकेश लगातार अधिकारियों को गुमराह करने का प्रयास करता रहा। कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। गांव जंगलों से सटा होने के कारण इस बात की प्रबल आशंका जताई जा रही है कि आरोपी जंगलों से सागौन और अन्य कीमती लकड़ियों की चोरी-छिपे कटाई कर उन्हें फर्नीचर का रूप देता था। विभाग अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रहा है।

कलेक्टर जनसुनवाई में सुन रहे लोगों की समस्याएं

अधिकारियों को दे रहे निराकरण के निर्देश

कटनी (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर आशीष तिवारी कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण के निर्देश दे रहे हैं। कलेक्टर अब तक 69 आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों को सुन कर निराकरण के निर्देश दे चुके हैं।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, एसडीएम कटनी प्रमोद चतुर्वेदी, जिला प्रबंधक लोकसेवा दिनेश विश्वकर्मा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी मौजूद हैं।

मेयर-इन-काउंसिल की बैठक में शहर विकास से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर हुई चर्चा

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवरेज व्यवस्था, आउटसोर्स कर्मचारियों, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न विषयों पर लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर पालिक निगम कटनी में महापौर प्रीति संजीव सूरी की अध्यक्षता में मंगलवार को मेयर-इन-काउंसिल की बैठक आयोजित की गई। दोपहर 3 बजे से आयोजित बैठक में नगर विकास, स्वच्छता, जलप्रदाय, सीवरेज, आवास, मानव संसाधन एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान मेयर दन काउनिसल सदस्य डॉ रमेश सोनी, सुभाष शिब्बू साहू, सुरेंद्र गुप्ता, जयनारायण निषाद, उमेन्द्र अहिरवार, सुमन राजू माखीजा सहित नगर निगम उपायुक्त द्वय शैलेश गुप्ता और प्रियंका झारिया की उपस्थिति रही। बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रावधानों के अनुरूप थोक अपशिष्ट उत्पादकों के चिन्हांकन, कर्तव्य एवं केन्द्रीय पोर्टल पर पंजीयन कराए जाने के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

वहीं प्रसंस्करण प्लांट पर एकत्रित पुराने कचरे के प्रसंस्करण कार्य के लिए निविदा संबंधी प्रस्ताव पर भी विचार किया जाकर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की गई। नगर की विभिन्न सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से आउटसोर्स श्रमिकों की स्वीकृति एवं विभिन्न शाखाओं विद्युत, शाखा, जलप्रदाय शाखा, कर्मशाला विभाग एवं अतिक्रमण शाखा में पूर्व से कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों की स्वीकृति अवधि बढ़ाये जाने के प्रस्ताव पर चर्चा की जाकर प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं अतिक्रमण शाखा हेतु 31 अगस्त तक के लिए कर्मचारियों की स्वीकृति प्रदान किये जाने की बात कही गई। कटनी नदी एवं सीवरेज व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। गाटर घाट, मोहन घाट एवं मसूरहा घाट से मिलने वाले नालों सहित कटनी नदी के समीप क्षेत्रों से निकलने वाले अपशिष्ट जल के इंटरसेप्शन एवं डायवर्सन, प्रस्तावित ट्रीटमेंट यूनिट तथा उपचारित सीवरेज के पुनर्चक्रण की व्यवस्था से संबंधित शेष कार्य के भुगतान हेतु पूर्व में स्वीकृत राशि के अतिरिक्त नियमानुसार 18 प्रतिशत जीएसटी 17.80 लाख की स्वीकृति सर्वसम्मति से प्रदान की गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत गठित दल द्वारा आवेदनों के परीक्षण एवं सत्यापन पश्चात एएचपी घटक के अंतर्गत 103 हितग्राहियों की प्रस्तुत सूची का अनुमोदन भी सदस्यों द्वारा किया गया। वहीं विभिन्न वार्डों के मार्गों एवं चौराहों के नामकरण संबंधी प्रस्ताव पर संपूर्ण जानकारी के साथ प्रकरण आगामी बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रमोटर स्कीम के अंतर्गत कटनी रेलवे स्टेशन के पास विश्राम गृह क्रमांक 2 के स्थान पर वाणिज्यिक केन्द्र निर्माण से संबंधित प्रस्तावों पर भी सदस्यों द्वारा प्रकरण पर विचार-विमर्श किया जाकर स्वीकृति हेतु निगम परिषद सम्मिलन के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में नगर पालिक निगम कटनी द्वारा संचालित विद्यालयों में शिक्षक एवं सहायक की आपूर्ति से संबंधित प्रस्ताव पर भी चर्चा की जाकर प्राचार्यो के मागंग पत्र अनुसार केसीएस स्कूल में 7, साधूराम स्कूल में 3 तथा, रविन्द्रराव स्कूल में 2 शिक्षकों को रखे जाने की स्वीकृति सर्वसम्मति से प्रदान की गई। बैठक के दौरान कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह, सुधीर मिश्रा, राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक, सहायक यंत्री अनिल जायसवाल, आदेश जैन, मोना करेरा, मृदुल श्रीवास्तव, स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी, अतिक्रमण प्रभारी मानेन्द्र सिंह सहित अन्य विभाग प्रमुखों एवं निगम के तीनों स्कूलों के प्राचार्यों की उपस्थिति रही।

भारत और पाक में होगी जबरदस्त टक्कर

एम्स्टलवीन (वार्ता)।

दुनिया की हॉकी में भारत-पाकिस्तान के मुक़ाबले जैसा महत्व, इतिहास और जज़्बात शायद ही किसी और मैच में हों और जब ये दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वी बुधवार को एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में आमने-सामने होंगे, तो दांव पर बहुत कुछ लगा होगा। वैगनर हॉकी स्टेडियम में होने वाला यह हाई-वोल्टेज मैच तय करेगा कि सेमीफ़ाइनल की दौड़ में कौन बना रहेगा। भारत और पाकिस्तान पूल डी के मुक़ाबले में हॉकी की सबसे मशहूर प्रतिद्वंद्विता को फिर से ज़िंदा करेंगे, यह जानते हुए कि इसमें गलती की गुंजाइश बहुत कम है। दोनों टीमों के लिए स्थिति साफ़ है। भारत अभी पूल डी में तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है; उन्होंने वेल्स के खिलाफ़ 3-1 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी, लेकिन फिर इंग्लैंड से 2-4 से हार गए। वहीं, पाकिस्तान को अपने दो मैचों में एक अंक मिला है; वेल्स के ख़िलाफ़ मैच ड्रॉ रहा और इंग्लैंड से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। फ़ॉर्मेट के अनुसार, पहले चरण में चार पूल में से शीर्ष दो टीमें सेमीफ़ाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी, जबकि निचली दो टीमें क्लासिफ़िकेशन मैचों में चली जाएंगी।

भारत को कम से कम ड्रॉ की ज़रूरत

इंग्लैंड ने अपने दोनों मैच जीत लिए हैं और इस पूल में शीर्ष दो में अपनी जगह पक्की कर ली है, इसलिए दूसरी जगह के लिए लड़ाई अब अंतिम दो मैचों पर आ टिकी है भारत बनाम पाकिस्तान और इंग्लैंड बनाम वेल्स। पूल में दूसरा स्थान पक्का करने के लिए भारत को कम से कम ड्रॉ की ज़रूरत है, जबकि पाकिस्तान और वेल्स को अपने अभियान को जीवित रखने के लिए जीतना होगा। इससे यह मैच एक मशहूर प्रतिद्वंद्विता के एक और अध्याय से कहीं ज़्यादा अहम हो जाता है - यह एक निर्णायक मुक़ाबला है जिसमें दोनों टीमों की टूर्नामेंट की उम्मीदें दांव पर लगी हैं।

दोनों टीमें 19 बार आमने-सामने हुई

भारत अपने पड़ोसी देश के खिलाफ़ हालिया शानदार रिकॉर्ड के साथ मैदान में उतरेगा। पिछले 10 वर्षों में, 2016 साउथ एशियन गेम्स के फ़ाइनल के बाद से, दोनों टीमें 19 बार आमने-सामने हुई हैं, जिनमें से भारत ने 17 मैच जीते हैं और बाकी दो मैच ड्रॉ रहे हैं। इसलिए, पाकिस्तान ने एक दशक से भारत को नहीं हराया है; यह आँकड़ा बताता है कि हाल के वर्षों में ताक़त का संतुलन कितना बदल गया है। दो ऐसे देश जो कभी अंतरराष्ट्रीय हॉकी में एक साथ शीर्ष पर थे, उनकी किस्मत में ज़मीन-आसमान का फ़र्क़ आ गया है। भारत ने दुनिया की बेहतरीन टीमों के बीच अपनी जगह लगातार मज़बूत की है, जबकि पाकिस्तान हॉकी अपने शानदार अतीत जैसी निरंतरता और सफलता को दोहराने के लिए संघर्ष कर रही है।

दबदबे के कारण पलड़ा भारत के पक्ष में

लंबे समय से भारत के दबदबे के कारण पलड़ा भारत के पक्ष में झुका हुआ है। फिर भी, इतनी गहरी प्रतिद्वंद्विता में इतिहास को हल्के में नहीं लिया जा सकता। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हमारे बीच हमेशा प्रतिद्वंद्विता रही है यह कभी खत्म नहीं होती। भारतीय टीम के गर्वित कोच के तौर पर, आप हर बार पाकिस्तान के खिलाफ जीतना चाहते हैं। यह तो तय है। उन्होंने आगे कहा, साथ ही, वे अपनी कोचिंग में थोड़ा ज़्यादा निवेश कर रहे हैं और पाकिस्तान के लिए दीर्घकालिक योजना को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हमें बस अपने अंदाज़ में खेलना है, यह सुनिश्चित करना है कि हम सटीक खेलें और उन्हें कोई मुफ्त मौका न दें क्योंकि वे बिना किसी खास मौके के भी गोल कर सकते हैं। जब तक हमें पता है कि वे किसमें माहिर हैं और हम उन्हें वह करने से रोकते हैं और हम खेल पर ध्यान देते हैं न कि मौके की अहमियत पर, तो हमारे पास अच्छा मौका है।

हरमनप्रीत सिंह से अहम भूमिका की उम्मीद

भारत एक बार फिर अपने कप्तान और बेहतरीन ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह से अहम भूमिका की उम्मीद करेगा। इस प्रभावशाली डिफेंडर ने दो मैचों में तीन गोल किए हैं, जो सभी पेनल्टी कॉर्नर से आए हैं, और वह भारत के आक्रामक खेल का अहम हिस्सा रहे हैं। हालांकि भारतीय फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने अपनी चाल-ढाल और मौके बनाने की क्षमता से उम्मीदें जगाई हैं, लेकिन वे ऐसे मैच में अपनी फिनिशिंग को और बेहतर करना चाहेंगे जहां हर मौका निर्णायक साबित हो सकता है।

पाकिस्तान अपनी स्थिति की गंभीरता से प्रेरित

वहीं, पाकिस्तान अपनी स्थिति की गंभीरता से प्रेरित होगा। दो मैचों में सिर्फ़ एक अंक के साथ, वे जानते हैं कि केवल जीत ही उनकी सेमीफाइनल की उम्मीदों को ज़िंदा रख सकती है। यह बेताबी उन्हें एक खतरनाक प्रतिद्वंद्वी बना सकती है, खासकर ऐसे मुकाबले में जहां भावनाएं और जोश चरम पर होंगे। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वे इस मौके की भावनाओं और दबाव में खेलने के लिए ज़रूरी अनुशासन के बीच संतुलन बनाए रखें। पाकिस्तान के लिए, यह हालिया धारणा को बदलने और अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ़ अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने का मौका है। विश्व कप की उम्मीदों के दांव पर होने और शानदार हॉकी इतिहास वाले दो देशों के गौरव के इस मुकाबले में शामिल होने के कारण, भारत-पाकिस्तान का यह मैच टूर्नामेंट के अब तक के सबसे कड़े मुकाबलों में से एक होने की उम्मीद है।

टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बने ऋषभ पंत

गॉल (वार्ता)। भारतीय बल्लेबाज ऋषभ पंत श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में 66 रन की अपनी पारी के दौरान दो छक्के लगाने के साथ ही टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले सबसे तेज़ बल्लेबाज़ बन गए। ऋषभ पंत से पहले बेन स्टोक्स (138) और ब्रैंडन मैकुलम (107) इस सूची में उनसे आगे हैं, जबकि एडम गिलक्रिस्ट 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज़ थे। पंत फ़िलहाल गिलक्रिस्ट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। लेकिन सबसे ख़ास बात यह है कि पंत ने यह उपलब्धि सबसे कम टेस्ट, सबसे कम पारियों और सबसे कम गेंदों में हासिल की है। उन्होंने बेन स्टोक्स की तुलना में 31 टेस्ट कम, जबकि गिलक्रिस्ट की तुलना में 41 पारियां और 1,660 गेंदें कम खेलकर यह मुक़ाम हासिल किया। पंत के टेस्ट करियर की शुरुआत भी छक्के से ही हुई थी। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ़ 2018 में अपने टेस्ट करियर की पहली पारी में दूसरी गेंद पर छक्का लगाकर खाता खोला था। 2025 की शुरुआत से पंत ने 16 पारियों में 32 छक्के लगाए हैं। इनमें अकेले 2025 में 13 पारियों में 26 छक्के शामिल थे।

यह एक कैलेंडर वर्ष में किसी बल्लेबाज़ द्वारा लगाए गए संयुक्त रूप से तीसरे सर्वाधिक छक्के हैं। इन 16 पारियों में पंत ने 14 बार कम से कम एक छक्का लगाया है। एक समय उन्होंने लगातार सात पारियों में छक्के लगाए थे, जो टेस्ट क्रिकेट में किसी बल्लेबाज़ के लिए संयुक्त रूप से सबसे लंबी ऐसी स्ट्रीक है। इंग्लैंड दौरे पर उन्होंने सात पारियों में 17 छक्के लगाए थे।

राफेल जोडार ने अल्काराज और शेल्टन की बराबरी की

सिनसिनाटी (वार्ता)।

सिनसिनाटी ओपन में अपनी शुरुआत खराब होने के बाद, राफेल जोडार ने सोमवार दोपहर को अपना बेहतरीन खेल फिर से दिखाया।19 वर्षीय स्पैनियार्ड ने एलेजांद्रो टैबिलो को 6-2, 6-1 से हराकर और एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के चौथे दौर में पहुँचाने के दौरान कई शानदार विनर्स लगाए, जिससे उनका 2026 का शानदार सीज़न जारी रहा। 75 मिनट की इस जीत के साथ, जोडार इस दशक में सिनसिनाटी में राउंड ऑफ़ 16 में पहुंचने वाले कार्लोस अल्काराज़ और बेन शेल्टन के साथ शामिल हो गए। अपने शुरुआती मैच में डेनिस शापोवालोव के खिलाफ़ आखिरी सेट में 1-5 से पिछड़ने के बाद एक मैच पॉइंट बचाया और लगातार छह गेम जीते, इसके बाद जोडार टैबिलो के खिलाफ़ अपने बेहतरीन फ़ॉर्म में लौट आए। उन्होंने 26 विनर्स लगाए और टैबिलो के खिलाफ़ अपनी हेड-टू-हेड सीरीज़ में रिकॉर्ड 2-1 कर लिया; उन्होंने 15 दिन पहले वाशिंगटन में भी चिली के इस खिलाड़ी को हराया था। जोडार ने कहा, डेनिस के खिलाफ़ उस मैच ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। मैंने खुद को अपनी सीमा तक धकेला और जीतने के लिए बहुत मेहनत की। लेकिन हर मैच मुश्किल होता है। ऐसा नहीं है कि अगर नतीजा थोड़ा आसान लग रहा है तो मैच भी आसान था।

यहाँ हर कोई बहुत अच्छा खेलता है, इसलिए टैबिलो को हराने के लिए मुझे आज अपना सर्वश्रेष्ठ देना पड़ा, और मुझे सभी मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ स्तर दिखाना होगा। पिछले साल अगस्त की शुरुआत में, जोडर दुनिया के टॉप 500 खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं थे। अब, 2026 में टूर-लेवल पर 36 जीत के साथ, यह स्पेनिश खिलाड़ी एटीपी रैंकिंग में 11वें नंबर पर है और टॉप-10 में जगह बनाने के बहुत करीब है।

बैडमिंटन में गोल्डन पॉइंट भारतीय मिक्स्ड डबल्स जोड़ी हारी

नयी दिल्ली (वार्ता)।

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में चल रही बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में यह पहला मौका है जब कोई गेम गोल्डन पॉइंट तक पहुंचा है। अशित सूर्या और अमृता प्रमुतेश की भारतीय जोड़ी एमरे सोनमेज़ और यास्मीन बेक्तास से 71 मिनट चले रोमांचक मुकाबले में 21-16, 29-30, 22-24 से हार गई पहला गेम आसानी से जीतने के बावजूद, भारतीय जोड़ी दूसरा गेम गोल्डन पॉइंट में हार गई और निर्णायक गेम में मैच अपने नाम नहीं कर सकी। इस वर्ल्ड चैंपियनशिप में यह पहला मौका है जब कोई गेम गोल्डन पॉइंट तक पहुंचा है। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी तुर्की की जोड़ी को

कड़ी टक्कर दे रही थी और दोनों जोड़ियां बारी-बारी से पॉइंट जीत रही थीं। जब कोई भी जोड़ी गेम जीतने के लिए ज़रूरी दो पॉइंट की बढ़त नहीं बना पाई, तो गोल्डन पॉइंट का नियम लागू हुआ। गोल्डन पॉइंट तुरंत उस गेम के विजेता (30-29) का फैसला करता है, और दो पॉइंट की बढ़त वाले सामान्य नियम को दरकिनार कर देता है।

भारत ने दिया 372 का लक्ष्य झटके श्रीलंका के 4 विकेट

गॉल (वार्ता)।

पहले टेस्ट का चौथा दिन भारत के ही नाम रहा, हालांकि दूसरी पारी में श्रीलंकाई गेंदबाज़ों ने भारत को 193 पर ही समेट दिया था लेकिन तब तक भारत की कुल बढ़त 371 की हो गई थी। ऋषभ पंत ने बेहतरीन 66 रन बनाए तो असिता ने चार विकेट भी झटके। 372 के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने मंगलवार को स्टंप्स तक चार विकेट 84 रन पर गंवा दिए हैं और अभी भी उन्हें 288 रन बनाने हैं जबकि भारत को पांचवें और आखिरी दिन छह विकेट की दरकार है। पांचवें दिन बारिश की संभावना है तो ज़रूर लेकिन इतनी ज़्यादा भी नहीं कि मैच पर असर डाले। शाम को छह बजकर आठ मिनट पर अंपायरों ने फिर से रोशनी की जांच की और रोशनी इतनी कम हो गई थी कि खेल को दिन के लिए खत्म करने का

फैसला किया गया। चौथे दिन का खेल खत्म हो गया और भारत टेस्ट में मज़बूत स्थिति में है। मेहमान टीम ने तेज़ी से रन बनाने के इरादे से दिन की शुरुआत की और पारी के ज़्यादातर हिस्से में वे इसी तरह खेलते रहे। सिर्फ़ तीन बल्लेबाज़ दहाई के अंक तक पहुँच पाए। केएल राहुल (35) और देवदत्त पडिक्कल (44) ने दूसरे विकेट के लिए 65 रन जोड़े, लेकिन ऋषभ पंत की तेज़-तर्रार 66 रनों की पारी ने उन्हें अच्छी स्थिति में पहुँचा दिया। श्रीलंका ने पारी के ज़्यादातर समय अच्छी गेंदबाज़ी की, लगातार हमला किया और भारत को दूसरी पारी में 193 रनों पर रोकने में कामयाब रहे। लेकिन कुल बढ़त 371 रनों की थी और गॉल में किसी भी टीम ने चौथी पारी में इतने रन का पीछा नहीं किया है। निशान फर्नांडो दूसरी पारी में भी सस्ते में आउट हो गए। कनकशन सब्स्टिट्यूट पासिंदु सूरियाबंदारा अपने डेब्यू मैच में पहली ही गेंद पर आउट हो गए, कामिंदु ने एक गेंद का पीछा किया और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर स्लिप में चली गई, जबकि लाहिरू उदारा शायद थोड़े बदकिस्मत रहे क्योंकि गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर गली में चली गई।

आईसीआईसीआई बैंक सीनियर नोट्स जारी कर जुटायेगा 75 करोड़ डॉलर

मुंबई (वार्ता)। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने सीनियर असुरक्षित निश्चित दर वाले नोट्स जारी कर 75 करोड़ डॉलर जुटाने की घोषणा की है। बैंक ने मंगलवार को शेयर बाजारों को बताया कि ये सीनियर नोट्स डॉलर में जारी किये जायेंगे। यह विदेशों से 7.5 अरब डॉलर जुटाने की उसकी वृहत योजना का हिस्सा है। इसके तहत आवंटन 21 अगस्त को किया जायेगा। ये नोट्स पांच साल के लिए होंगे और इन पर 5.417 प्रतिशत सालाना की दर से ब्याज देय होगा। इनकी मियाद 21 अगस्त 2031 को पूरी होगी। ब्याज का भुगतान हर साल 21 फरवरी और 21 अगस्त को किया जायेगा। इससे मिलने वाली राशि का इस्तेमाल बैंक नियामकीय दायरे में अपने सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगा। ये नोट्स इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज आईएफएससी के वैश्विक प्रतिभूति बाजार, एनएसई आईएफएससी लिमिटेड के ऋण प्रतिभूति बाजार और सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज का प्रतिभूति व्यापार प्लेटफॉर्म के माध्यम से जारी किये जायेंगे।

लिखाई-छपाई के कागज उद्योग में इस साल मुनाफा बढ़ने की उम्मीदः क्रिसिल

नयी दिल्ली (वार्ता)। कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ने से लिखाई और छपाई के कागज उद्योग में मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 में मुनाफा बढ़ने की उम्मीद है। साख निर्धारक एवं बाजार अध्ययन कंपनी क्रिसिल ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस वित्त वर्ष परिचालन लाभ में लगभग 150 आधार अंक (1.5 प्रतिशत) की वृद्धि होने की संभावना है। इसकी प्रमुख वजह महामारी के बाद लगाये गये हार्डवुड (कठोर लकड़ी) के बागानों का चक्र है जो अब कटाई के लिए तैयार हैं। इससे उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चे माल की लागत कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा, कंपनियां दक्षता बढ़ाने पर निवेश कर रही हैं ताकि

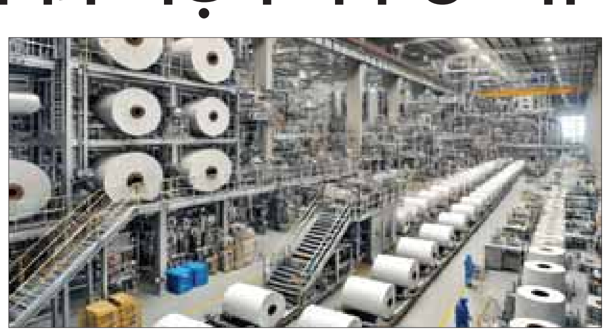

मुनाफे में सुधार हो। क्रिसिल का कहना है कि बढ़ते डिजिटलीकरण के कारण कंपनियां क्षमता बढ़ाने पर पूंजीगत व्यय करने से कतरा रही हैं। लिखाई और छपाई के कागज बनाने वाली 13 कंपनियों के विश्लेषण के आधार पर यह बात कही गयी है जो उद्योग के लगभग 70 प्रतिशत राजस्व का प्रतिनिधित्व करते हैं।

क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक शौनक चक्रवर्ती ने कहा कि इस साल मुनाफे में सुधार सिर्फ कीमतों में वृद्धि की वजह से नहीं होगा। अनुकूल हार्डवुड चक्र इसका बड़ा कारण है। चूंकि कागज की लुगदी की लागत का प्रमुख हिस्सा लकड़ी है। यह परिचालन लागत का लगभग 50-55 प्रतिशत है। इसलिए, कम कीमत पर लकड़ी की बढ़ती उपलब्धता सीधे मुनाफे का अनुपात बढ़ायेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रक्रिया नियंत्रण के साथ परिचालन लाभ इस वित्त वर्ष में लगभग 13.5 प्रतिशत तक पहुंच सकता है, जो पिछले वित्त वर्ष में करीब 12 प्रतिशत था। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कागज की प्रति इकाई कीमत में भी लगभग दो-तीन प्रतिशत सुधार होने की उम्मीद है। आयातित कागज की बढ़ी हुई कीमत से कंपनियों को दाम बढ़ाने में मदद मिलेगी। ऊंची माल ढुलाई और रुपये में गिरावट से आयातित कागज के दाम बढ़े हैं। कोचिंग संस्थानों सहित शिक्षा से संबंधित खपत और बैंकिंग तथा न्यायपालिका क्षेत्रों में पेपर के इस्तेमाल से मांग में तीन-चार प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

कच्चे तेल में तेजी से रुपया 12 पैसे टूटा

मुंबई (वार्ता)। कच्चे तेल में तेजी से अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को 12 पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.73 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा लगातार दूसरे दिन कमजोर हुई है। पिछले कारोबारी दिवस पर यह 19 पैसे गिरकर 95.61 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपया आज सात पैसे टूटकर 95.68 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। यह ऊपर 95.65 रुपये और नीचे 95.75 रुपये प्रति डॉलर तक गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल आज 0.4 प्रतिशत मजबूत होकर 91 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने आज भारतीय पूंजी बाजार से 31.44 करोड़ डॉलर की शुद्ध निकासी की। इससे रुपये पर दबाव रहा।

डीएसपी फाइनेंस ने वोल्ट मनी का अधिग्रहण किया

मुंबई (वार्ता)। डीएसपी ग्रुप की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) डीएसपी फाइनेंस ने मंगलवार को सॉल्टर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (वोल्ट मनी) के अधिग्रहण की घोषणा की। वोल्ट मनी एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो वित्तीय परिसंपत्तियों, विशेष रूप से म्यूचुअल फंड के बदले ऋण उपलब्ध कराता है। डीएसपी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस अधिग्रहण से सुरक्षित ऋण क्षेत्र में काम करने वाले दो पूरक व्यवसाय एक साथ आ जायेंगे। डीएसपी फाइनेंस अपनी बैलेंस शीट, जोखिम प्रबंधन और संस्थागत ढांचा उपलब्ध करायेगा। वहीं, वोल्ट मनी म्यूचुअल फंड के बदले डिजिटल ऋण बाजार की शुरुआती कंपनियों में से एक है जो अत्याधुनिक तकनीक और स्थापित वितरण नेटवर्क के माध्यम से सहज डिजिटल ग्राहक अनुभव प्रदान करता है। इसका प्लेटफॉर्म ग्राहकों को अपने म्यूचुअल फंड निवेश के बदले तेजी और आसानी से ऋण लेने की सुविधा देता है।

मारुति सुजुकी ने 38 महीने में किया दो लाख फ्रॉन्क्स का निर्यात, एसयूवी श्रेणी में नया रिकॉर्ड

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने उसके एसयूवी फ्रॉन्क्स की दो लाख इकाइयों के निर्यात का आंकड़ा रिकॉर्ड समय में हासिल किया है। कंपनी ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि फ्रॉन्क्स ने निर्यात के लिए पेश किये जाने के बाद 38 महीने से भी कम समय में यह उपलब्धि प्राप्त की है। यह किसी भी भारतीय एसयूवी के लिए रिकॉर्ड है। इसका निर्यात जून 2023 में शुरू किया गया था। इस एसयूवी ने पहली एक लाख इकाइयों के निर्यात का आंकड़ा 25 महीने से कम समय में हासिल किया था। अगली एक लाख इकाइयों का निर्यात करीब 13 महीनों में ही कर लिया गया है।

कंपनी के गुजरात स्थित हंसलपुर प्लांट में निर्मित फ्रॉन्क्स का जापान सहित करीब 90 देशों में निर्यात किया जा रहा है। इस उपलब्धि पर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिसाशी ताकेऊची ने कहा, मारुति सुजुकी द्वारा निर्यात किया जाने वाला हर वाहन हमारे लोगों की मेहनत और गौरव को अपने साथ लेकर चलता है। ये वाहन मिलकर भारतीय विनिर्माण की एक झलक करीब 120 देशों तक पहुंचाते हैं। फ्रॉन्क्स मारुति सुजुकी की निर्यात की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला मॉडल रहा है। इसे करीब 90 देशों में भेजा जा रहा है। रिकॉर्ड समय में एक लाख निर्यात का आंकड़ा पार करने के बाद फ्रॉन्क्स ने दूसरा एक लाख निर्यात इससे भी कम समय में पूरा किया है, जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इसकी बढ़ती मांग को दर्शाता है। श्री ताकेऊची ने बताया कि मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड के अनुरूप मारुति सुजुकी देश के विनिर्माण तंत्र की क्षमता को लगातार दुनिया के सामने प्रदर्शित कर रही है। निर्यात पर निरंतर ध्यान देने के कारण कंपनी ने भारत से यात्री वाहनों के निर्यात में पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत से निर्यात होने वाले शीर्ष तीन यात्री वाहन मारुति सुजुकी के ही थे। यात्री वाहनों में कार, उपयोगी वाहन और वैन शामिल हैं।

शेयर बाजारों में गिरावट, तीन सप्ताह के निचले स्तर पर निफ्टी

मुंबई (वार्ता)।

ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध विराम की अवधि समाप्त होने के बाद घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को गिरावट रही और प्रमुख सूचकांक तीन सप्ताह के निचले स्तर पर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 492.70 अंक (0.63 प्रतिशत) लुढ़ककर 77,235.46 अंक पर बंद हुआ। यह 309.19 अंक नीचे 77,418.97 अंक पर खुलने के बाद पूरे दिन लाल निशान में रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 132.75 अंक यानी 0.55 प्रतिशत टूटकर 24,154.90 अंक पर रहा। यह लगातार तीसरा दिन है जब प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए हैं। दोनों सूचकांक 28 जुलाई के बाद के निचले स्तर पर आ गये हैं। अमेरिका और ईरान के बीच 60

दिन के लिए हुए शांति समझौते की अवधि सोमवार को समाप्त हो गयी। इससे शेयर बाजारों पर दबाव रहा। वृहत बाजार में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.34 प्रतिशत फिसल गया जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक स्थिर रहा। सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी आईटी में सबसे अधिक 1.93 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी। सार्वजनिक बैंक समूह का सूचकांक 1.01 प्रतिशत और रियल्टी समूह का 1.42 प्रतिशत टूट गया। एफएमसीजी, वित्त, धातु और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में भी गिरावट रही। ऑटो और मीडिया समूहों में तेजी रही। एनएसई में जिन 3,582 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,924 में गिरावट और 1,555 में मजबूती रही।

अन्य 103 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 22 के शेयर लाल निशान में बंद हुए। एशियन पेंट्स का शेयर 2.40 प्रतिशत लुढ़क गया। इंफोसिस में 2.02 फीसदी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.93, भारती एयरटेल में 1.75, टीसीएस में 1.47, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.41, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.28, इंडिगो में 1.23, आईटीसी में 1.15, कोटक महिंद्रा बैंक में 1.11, भारतीय स्टेट बैंक में 0.97 और एचडीएफसी बैंक में 0.93 प्रतिशत की गिरावट रही। टेक महिंद्रा, अडानी पोर्ट्स, इटरनल, मारुति सुजुकी, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, टाइटन और सन फार्मा के शेयर भी लाल निशान में रहे। एक्सिस बैंक, पावरग्रिड और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में तेजी रही। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई आज 2.54 प्रतिशत लुढ़क गया। चीन का शंघाई कंपोजिट 0.19 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 0.07 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ।

फेक न्यूज के जमाने में हम नेक न्यूज वाले बनें : डॉ. यादव

पत्रकारिता में सत्ता का विरोध ठीक है, लेकिन देश का विरोध नहीं होना चाहिए

मुख्यमंत्री ने माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के सत्रारंभ-अभ्युदय 2026 का किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि फेक न्यूज़ के जमाने में हम नेक न्यूज़ वाले बने। पत्रकारिता में सत्ता का विरोध ठीक है, लेकिन देश विरोध नहीं होना चाहिए। हमारे लिए न्यूज़ से ऊपर नेशन हो, देश हित को हम सर्वोपरि रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सत्रारंभ - अभ्युदय 2026 के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मां सरस्वती, भारत माता और दादा माखनलाल चतुर्वेदी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

विश्वविद्यालय के प्रकाशनों का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय के प्रकाशनों क्रमशः दो सदी साक्षी , विकल्प लैब जरनल मैं न्यूज़ रूम और भारत की टेंपल इकोनॉमी पर केंद्रित जरनल इंडियन कलाईडोस्कोप का विमोचन किया तथा विश्वविद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों सुश्री परिधि पुजारी, सुश्री तमन्ना लश्कर और सुश्री शिविका गुप्ता का उनकी उपलब्धियां के लिए सम्मान कर उन्हें अलंकरण प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वविद्यालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी 100 साल से 100 सुर्खियां का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आगमन पर कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी ने डॉ. यादव को विश्वविद्यालय की परंपरा अनुसार पुस्तकें माखन के लाल और कार्टून कथा तथा अंग वस्त्रम भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध अभिनेता, लेखक और साहित्यकार श्री पीयूष मिश्रा और देशभर से आए विश्वविद्यालय के 50 पूर्व विद्यार्थी विशेष रूप से उपस्थित थे।

विद्यार्थियों ने देशभर में अपनी साख बनाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार है। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय आज देश का उत्कृष्ट पत्रकारिता व संचार संस्थान बन चुका है। यह पत्रकारों के लिए एक पवित्र मंदिर की तरह है। यहां के विद्यार्थियों ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और आधुनिक दौर की डिजिटल पत्रकारिता के जरिए देशभर में अपनी साख और धाक बनाई है। आजादी के दौर में दादा पंडित माखनलाल चतुर्वेदी, कवि प्रदीप को उनकी रचनाओं के लिए अंग्रेजों ने सजा सुनाई थी। हमारे साहित्यकार और पत्रकार उस दौर में निडरता के साथ सच्चाई के साथ खड़े थे और आज भी वे उसी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार पत्रकारिता विश्वविद्यालय के विकास के लिए संकल्पबद्ध है। कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी और समस्त स्टॉफ ने विश्वविद्यालय की विरासत को प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाया है।

समाचार पत्रों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के स्वाधीनता आंदोलन में स्वातंर्त्यवीर विनायक दामोदर सावरकर ने पत्रकार की भूमिका में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे पढ़ाई के लिए लंदन गए और 1857 के संघर्ष के सही स्वरूप को सबके सामने लाते हुए बताया कि यह मात्र सैनिक विद्रोह नहीं अपितु स्वतंत्रता के लिए समर था। दो बार कालापानी की सजा मिलने पर भी उन्होंने पत्रकारिता और लेखन कार्य को जारी रखा। उन्होंने हिंदी भाषा को समाज में प्रतिष्ठित स्थान दिलवाने के लिए आंदोलन चलाया। देश में हिंदी पत्रकारिता के स्वनामधन्य पत्रकारों की लंबी परंपरा रही है। इसके बाद आपातकाल के दौर में समाचार पत्रों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए तत्कालीन सत्ता का विरोध किया और अपनी असहमति स्वरूप समाचार पत्रों के संपादकीय पृष्ठ खाली छोड़ दिए गए।

प्राचीन काल से ही संप्रेषण की सशक्त परंपरा रही

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में प्राचीन काल से ही संप्रेषण की सशक्त परंपरा रही है। महर्षि वाल्मीकि ने लव-कुश को भगवान श्रीराम की कथा से परिचित कराया और बाद में दोनों बालकों ने अयोध्या पहुंचकर श्रीराम के दरबार में श्रीराम कथा का सस्वर गायन किया। महर्षि वाल्मीकि भगवान श्रीराम के अतीत के स्वर्णिम पक्ष को लव और कुश के माध्यम से समाज के सामने लाए, यह कुशल संप्रेषण का ही प्रभावी तरीका था। इसी प्रकार भगवान श्रीकृष्ण के काल में देवर्ऋषि नारद जी ने सूचनाओं के आदान-प्रदान से एक पत्रकार के रूप में भूमिका निभाई। भगवान श्रीकृष्ण ने मध्यप्रदेश की धरती पर 64 कला और 14 विद्याएं सीखकर हम सभी को गौरवान्वित किया है।

विद्यार्थी नकारात्मक विचारों को कभी स्वयं पर हावी न होने दें

कुलगुरु श्री विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी आज देशभर के शीर्ष संस्थानों में नाम रोशन कर रहे हैं। भगवान श्रीकृष्ण और आचार्य आदि शंकर, दोनों की शिक्षा मध्यप्रदेश की धरती पर हुई है। विद्यार्थी नकारात्मक विचारों को कभी स्वयं पर हावी न होने दें और सकारात्मक कार्यों के माध्यम से देश को आगे बढ़ाएं। सुप्रसिद्ध अभिनेता, लेखक और साहित्यकार श्री पीयूष मिश्रा ने कहा कि भोपाल की सुंदरता यहां की आत्मीय बोली, लोगों का व्यवहार, खानपान और परंपराएं सभी को सहज ही आकर्षित करती हैं। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. पी. शशिकला ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. विजय अग्रवाल, हेमंत मुक्तिबोध सहित विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापक, अतिथि विद्वान, नवागत एवं पूर्व विद्यार्थी और समस्त अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

डॉ. यादव आज मैहर से लाड़ली बहना योजना में अंतरित करेंगे 2,148 करोड़ से अधिक की राशि

मुख्यमंत्री 256 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 19 अगस्त को मैहर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 13 हजार से अधिक पात्र बहनों के बैंक खातों में सिंगल क्लिक से कुल 2,148 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मैहर जिले में 256 करोड़ रूपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी करेंगे।

नियमित सहायता के साथ रक्षाबंधन का विशेष शगुन- मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 39वीं किस्त के रूप में 1,500 प्रति हितग्राही कुल 1,835.46 करोड़ रूपये से अधिक और रक्षाबंधन के विशेष अवसर पर 250 प्रति हितग्राही कुल 312.83 करोड़ रूपये से अधिक की अतिरिक्त सहायता दी जा रही है। इस प्रकार प्रत्येक लाड़ली बहना के खाते में कुल 1,750 रूपये की संयुक्त राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से पहुंचेगी।

योजना के तहत अब तक का कुल वित्तीय विवरण- जून 2023 में योजना की शुरुआत से लेकर अगस्त 2026 तक की कुल 39 किश्तों के माध्यम से लाभार्थी महिलाओं के खातों में 63 हजार 248 करोड़ रूपये की सहायता राशि अंतरित की जा चुकी है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए राज्य सरकार ने इस योजना के लिये 23,882.81 करोड़ रूपये का विस्तृत बजट प्रावधान रखा है।

जिले में 24.9 इंच वर्षा दर्ज

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले में इस वर्ष 1 जून से अभी तक 633.4 मिमी अर्थात 24.9 इंच औसत वर्षा दर्ज हुई हैए जो अभी तक गत वर्ष से 220.9 मिमी अर्थात 08.7 इंच कम है। इसी अवधि में गत वर्ष 854.3 मिमी अर्थात 33.6 इंच औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस वर्ष अभी तक जिले में सबसे ज्यादा वर्षा पटेरा में 953.4 मिमी दर्ज की गई है। भू अभिलेख अधीक्षक ने बताया अभी तक जिले के दमोह वर्षामापी केन्द्र पर 506 मिमी हटा 716.4 मिमी जबेरा में 475 मिमी पथरिया 736 मिमी तेन्दूखेड़ा 548.6 मिमी बटियागढ़ 499 मिमी तथा पटेरा में 553.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। दैनिक वर्षा के तहत जिले में 14.7 मिमी अर्थात 0.5 इंच वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटों के दौरान वर्षामापी केन्द्र दमोह में 8.0 मिमी हटा में 1.6 मिमी जबेरा में 28 मिमी पथरिया 16 मिमी तेन्दूखेड़ा 5.4 मिमी बटियागढ़ 35 मिमी तथा पटेरा में 9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर को

दमोह (स्वतंत्र मत)

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश पर प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष दमोह सुभाष सोलंकी के कुशल मार्गदर्शन में 12 सितंबर शनिवार को जिला मुख्यालय दमोह तहसील हटा, पथरिया एवं तेंदूखेड़ा में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य दांडिक, सिविल, चैक अनादरण, वाहन दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा, वैवाहिक मामले, विद्युत से संबंधित प्रकरणों के साथ ही बैंक ऋण वसूली, बीएसएनएल की बकाया वसूली, विद्युत एवं नगर पालिका से संबंधित प्रिंलिटिगेशन प्रकरणों का भी निराकरण किया जायेगा। नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु विभिन्न विभागों द्वारा छूट प्रदान किये जाने की बात कही है। व्यवहार न्यायाधीष वरिष्ठ खण्डध्जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव उषाकांता कृषाण ने बताया विद्युत विभाग द्वारा जारी छूट के अनुसार नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू, 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रीलिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत छूट एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी

विगत 5 वर्षों से डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर हो रही निगरानी

घर-घर सर्वे एवं लार्वा नियंत्रण अभियान जारी

दमोह (स्वतंत्र मत)

वर्षा ऋतु में होने वाले वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला मलेरिया कार्यालय द्वारा सतत अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश राय के निर्देशन और जिला मलेरिया अधिकारी के मार्गदर्शन में डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में विशेष निगरानी और रोकथाम तथा नियंत्रण संबंधी गतिविधियां लगातार जारी हैं। जिला मलेरिया अधिकारी यामिनी सिलारपुरिया ने बताया विभाग द्वारा ब्लॉकवार कार्ययोजना तैयार कर आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में घर-घर सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे कार्य की निगरानी एवं पर्यवेक्षण मलेरिया निरीक्षकों एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा किया जा रहा है। सर्वे के दौरान बुखार से पीड़ित मरीजों की त्वरित जांच हेतु त्वरित जांच किट आरडीटी का उपयोग किया जा रहा है। जांच में डेंगू अथवा अन्य मच्छर जनित रोग की संभावना पाए जाने पर आवश्यक उपचार, निगरानी एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। डेंगू एवं अन्य मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के लिए लार्वा सर्वेए कंटेनर सर्वे तथा कीटनाशक दवा छिड़काव की गतिविधियां निरंतर जारी हैं। उन्होंने बताया गत दिनों जिला मलेरिया कार्यालय एवं टीम दल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा के अंतर्गत हरदुआ हाथीघाट क्षेत्र में लार्वा सर्वे एवं कीटनाशक दवा छिड़काव कार्य किया गया। इस दौरान 73 घरों का निरीक्षण किया गया जिसमें 7 घरों में मच्छरों का लार्वा पाया गया। कुल 209 जल पात्रों की जांच की गई जिनमें 20 पात्रों में लार्वा मिला। 15 जल पात्रों को खाली कराया गया तथा 5 पात्रों में बीटीआई द्रव्य डाला गया। जिला मलेरिया कार्यालय एवं टीम दल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हटा के अंतर्गत रनेह क्षेत्र में लार्वा सर्वे एवं कीटनाशक दवा छिड़काव कार्य किया गया। सर्वे के दौरान 176 घरों का निरीक्षण किया गया जिसमें 19 घरों में लार्वा पाया गया। कुल 554 जल पात्रों की जांच की गई जिनमें 49 पात्रों में लार्वा मिला। 36 पात्रों को खाली कराया गया तथा 13 पात्रों में बीटीआई द्रव्य डाला गया। उन्होंने बताया टीम दल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बटियागढ़ के अंतर्गत मगरोन क्षेत्र में लार्वा सर्वे एवं कीटनाशक दवा छिड़काव कार्य किया गया। सर्वे के दौरान 138 घरों का निरीक्षण किया गया जिसमें 13 घरों में लार्वा पाया गया। कुल 417 जल पात्रों की जांच की गई जिनमें 35 पात्रों में लार्वा मिला।

लुहारी और सिविल अस्पताल के पास दो बसें अनियंत्रित, यात्री बाल-बाल बचे

हटा (स्वतंत्र मत)

हटा-दमोह स्टेट मार्ग पर मंगलवार को अलग-अलग स्थानों पर दो यात्री बसें अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा उतरीं। लुहारी के पास गोरी ट्रेवल्स की बस अनियंत्रित होने से यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। वहीं सिविल अस्पताल के पास हटा से पन्ना की ओर जा रही हजारी बस भी सड़क किनारे जा घुसी। दोनों घटनाओं में गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और यात्री बाल.बाल बच गए। जानकारी के अनुसार दमोह से हटा आ रही गोरी ट्रेवल्स की बस लुहारी के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। यात्रियों का आरोप है कि चालक तेज गति से बस चला रहा थाए जिसके कारण यह स्थिति बनी। घटना के बाद यात्रियों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने चालक को घेर लिया। आरोप है कि चालक द्वारा यात्रियों से अभद्रता करने के बाद कुछ यात्रियों ने उसके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट कर दी। मौके पर यात्रियों ने चालक का लाइसेंस आदि भी चेक किया। कुछ यात्रियों ने चालक के शराब के नशे में होने का आरोप भी लगाया है।

किसान समूह बनाकर हरे बैंगन की खेती से अच्छा मुनाफा कमा रहे

दमोह (स्वतंत्र मत)। कृषक मेहनत लगन और जज्बे के साथ कार्य करे तो बहुत कुछ हो सकता है, ऐसे ही एक कृषि विज्ञान केन्द्र दमोह के प्रगतिशील कृषक दमोह जिले के फुटेरा क्षेत्र में किसान समूह बनाकर हरे बैंगन की खेती से अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। एक किसान को 3-ृ6 लाख रुपये तक की आय हो रही है जबकि प्रति एकड़ उत्पादन लागत लगभग 50 हजार रुपये आती है। किसानों को खेत पर ही व्यापारी मिल जाने से परिवहन और मंडी संबंधी खर्चध्समय भी बचता है। कृषि विज्ञान केंद्र दमोह और उद्यान विभाग की तकनीकी सहायता से यह कृषक आगे बढ़ रहे है। दमोह जिले की तहसील बटियागढ़ ग्राम फुटेरा निवासी हेमंत पटैल प्रमुख सब्जी उत्पादक है। फुटेरा ग्राम के आसपास के गांव में लगभग 100 से 200 कृषक समूह बनाकर सब्जियों की खेती करते हैं और खासकर इसमें हरा भटा बैगन इसकी मांग बालाघाट एसिवनी महाराष्ट्र आदि जगहों पर बहुत है, इससे प्रतिदिन एक से दो ट्रक सब्जियां अपने दमोह जिले के ग्राम फुटेरा से प्रतिदिन अन्य जिलों या राज्यों में जाती हैं। प्रतिदिन किसान भाई 2000 से 4000 हजार कमा रहे है, ऐसे कृषक तीन चार माह तक प्रतिदिन भटा का विक्रय करते है, इसमें लगभग एक किसान भाई को 3 लाख से लेकर 6 लाख रूपये तक की आय प्राप्त हो जाती है। इसमें लगभग उत्पादन लागत एक एकड़ में 50 हजार रूपये के लगभग आती है। वर्तमान में व्यापारी उनके खेत पर ही आकर सब्जी की खरीदी करते हैं जिससे इनको सब्जियों का रेट अच्छा मिल जाता है। श्री पटेल एवं अन्य कृषक प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र दमोह डॉ मनोज अहिरवार के मार्गदर्शन में उन्नत सब्जी उत्पादन का कार्य कृषकों के समूह बनाकर करते हैं जिससे सब्जी व्यापारियों को सीधे मार्केटिंग करते हैं जिससे कृषकों को सब्जी मंडी नहीं जाना पड़ता है।

नाम सुधार सूचना

मैं जसवीन कौर साहनी, पुत्री श्री अमर पाल सिंह, निवासी मकान नं. 1522, डॉ. बराट रोड, समदड़िया होटल के पास, नेपियर टाउन, जिला जबलपुर मध्य प्रदेश शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करती हूँ कि मेरे पूर्व पासपोर्ट में मेरा नाम जसवीन साहनी (JASVEEN SAWHNEY) दर्ज है तथा मेरे आधार कार्ड व बैंक आदि मे जसवीन कौर साहनी (JASVEEN KOUR SAWHNEY) से है ये दोनो नाम मेरे ही हैं अतः अब से मुझे Jasveen Kour Sawhney से जाना पहचाना जाये।

पुराना नाम- जसवीन साहनी
(JASVEEN SAWHNEY)

नया नाम- जसवीन कौर साहनी
(JASVEEN KOUR SAWHNEY)

संत रविदास जी के सामाजिक समरसता एवं समानता के संदेश को प्रत्येक पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा ध्येय : राज्यमंत्री गौर

कृष्णा गौर ने बरखेड़ा भेल से संत रविदास कलश वंदन यात्रा का किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के 650वें जन्म जयंती वर्ष के पावन अवसर पर भोपाल स्थित श्री संत रविदास मंदिर, डी-सेक्टर बरखेड़ा भेल से दिव्य कलश वंदन यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने संत रविदास का भक्तिभाव से स्मरण करते हुए यात्रा में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

साकार हो रहा संत रविदास जी का संकल्प- राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास का संदेश समाज में व्याप्त विषमता को समाप्त कर समरसता और भ्रातृभाव स्थापित करने का है। संपूर्ण समाज उनकी जयंती को अगाध श्रद्धा एवं समर्पण भाव से मना रहा है। आज की महती आवश्यकता यह है कि उनके कालजयी एवं उदात्त विचारों को भावी पीढ़ियों के अंतर्मन तक संप्रेषित किया जाए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मूलमंत्र सबका साथ, सबका विकास संत रविदास के विचारों की ही प्रतिध्वनि है। समाज के अंतिम पायदान पर स्थित व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा में लाकर उसे प्रथम पंक्ति में प्रतिष्ठापित करना ही संत रविदास के संकल्पों की वास्तविक सिद्धि है। उनके चरणकमलों में शीश नवाकर उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करना हम सभी के लिए परम गौरव का विषय है।

सागर में आकार ले रहा भव्य संत रविदास मंदिर- राज्य सरकार द्वारा संत रविदास जी के विचारों के व्यापक प्रसार और उनके सम्मान में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए श्रीमती गौर ने कहा कि सागर में 102 करोड़ रुपये की लागत से संत रविदास के अलौकिक मंदिर एवं स्मारक का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही प्रदेशभर में स्थित धार्मिक स्थलों तथा देवालयों के पुनरुद्धार एवं जीर्णोद्धार का कार्य भी निरंतर जारी है।

15 लाख के विकास कार्यों का हुआ भुमिपूजन- समारोह में श्री संत रविदास मंदिर परिसर में 15 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का भुमि-पूजन हुआ। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं और नागरिक समाज ने संत रविदास के दर्शाए मार्ग पर चलने तथा सामाजिक समरसता के ताने-बाने को और अधिक सुदृढ़ बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

जनसुनवाई में 225 आवेदनों पर हुई सुनवाई

दमोह (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 10 व्यारमा में आयोजित जनसुनवाई में जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्याओं को सुना। इस दौरान सामान्य जनसुनवाई में 225 आवेदनों पर सुनवाई करते हुये संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 12 आधार अपडेशन एवं 90 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही जनसुनवाई के दौरान कुछ सामूहिक आवदेन दिए गए।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक./ सं.अधि./01/गढ़ा 2026/एम/310 (2026-27) दिनांक 31/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कमलेश मदान पिता स्व. श्री राजेन्द्र पाल मदान ने भवन /भूखण्ड/खसरा क्रमांक 1210 पिन नंबर 1000501814 वार्ड 6 वार्ड इंदिरा गांधी के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्रीमती कान्ता मदान पति श्री राजेन्द्र पाल मदान के स्थान पर क्षेत्रफल भूतल 1284 वर्गफुट आरसीसी प्रथम तल 884 वर्गफुट आरसीसी शपथ पत्र/ मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नंबर पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो ये इस प्रकाशन की तिथि के 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग के 01 गढ़ा में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें ।अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जावेगा । नामातंरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी ।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं 1 गढ़ा, नगर निगम जबलपुर

▶▶ क्राइम ब्रांच और खमरिया थाना पुलिस की संयुक्त कार्यवाही

12.7 किलो गांजा के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत मत)। क्राइम ब्रांच और खमरिया थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने चेकिंग के दौरान 2 गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के नाम लार्डगंज निवासी 32 वर्षीय शिवम केशरवानी और 31 वर्षीय हर्षित केशरवानी है। तलाशी के दौरान उनके पिट्ठू और ट्रैवल बैग से 7 पैकेटों में भरा 12 किलो 766 ग्राम गांजा बरामद हुआ। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 6 लाख 38 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने गांजे के साथ तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक्सिस स्कूटी भी जब्त कर ली है।

▶▶ जनसमस्याओं का निराकरण करने अधिकारियों को दिए निर्देश

कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचे 123 आवेदन

जबलपुर (स्वतंत मत)। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों से कुल 123 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 26 दोबारा आए आवेदन भी शामिल थे। जनसुनवाई में आए आवेदनों में अनुग्रह सहायता राशि, आर्थिक सहायता, अतिक्रमण, रिकॉर्ड सुधार, मालिकाना हक दिलाने, पेंशन भुगतान, धान का भुगतान, सीमांकन आदि से संबंधित आवेदन थे।

सीबीआई जांच से बच रहे 130 कॉलेजों की मप्र हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले का मामला

मप्र नर्सिंग काउंसिल के रजिस्ट्रार को उपस्थित होने के निर्देश

जबलपुर (स्वतंत मत)

बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले से जुड़ी जनहित याचिका पर मप्र हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए सीबीआई जांच से बच रहे प्रेस्टन कॉलेज सहित लगभग 130 नर्सिंग संस्थानों को राहत देने से इनकार कर दिया है। सुनवाई के दौरान प्रशासनिक न्यायाधीश आनंद पाठक व न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की युगलपीठ ने इन संस्थानों से जुड़ी अंतरिम अर्जियां निरस्त कर दीं।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि कुछ नर्सिंग संस्थान शिक्षा देने के बजाय कमर्शियल दुकानों की तरह संचालित हो रहे हैं। बिना पर्याप्त फैकल्टी, अधोसंरचना, कक्षाओं और प्रायोगिक प्रशिक्षण के डिग्री देना मरीजों और जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। सुनवाई में संबंधित कॉलेजों की ओर से सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम राहत का हवाला देते हुए परीक्षा परिणाम घोषित करने और विद्यार्थियों को अगली कक्षा में प्रवेश देने की मांग की गई। हाईकोर्ट ने प्रमोटरों से पूछा कि क्या वे सीबीआई जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। बार-बार पूछे जाने के बावजूद कोई प्रमोटर जांच का सामना करने के लिए तैयार नहीं हुआ। इसके बाद कोर्ट ने इन संस्थानों को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया।

साबित करनी होगी अपनी योग्यता

अब इस मामले की अगली सुनवाई 2 सितंबर को होगी। मप्र नर्सिंग काउंसिल के रजिस्ट्रार को संपूर्ण रिकॉर्ड के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। महाधिवक्ता प्रशांत सिंह और उप महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी ने बताया कि अनसूटेबल कॉलेजों के कुल 4 हजार 475 जीएनएम विद्यार्थियों में से 2 हजार 395 विद्यार्थियों को सूटेबल कॉलेजों में स्थानांतरित किया जा चुका है। विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य को देखते हुए हाईकोर्ट ने इन 2 हजार 395 छात्रों के परीक्षा परिणाम घोषित करने की अनुमति दी है। हालांकि, परिणाम जारी होने मात्र से अगली कक्षा में प्रवेश या पदोन्नति का स्वतः अधिकार नहीं मिलेगा। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी योग्यता साबित करनी होगी।

अतिरिक्त कक्षाएं और डबल शिफ्ट चलाने के निर्देश

मप्र हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि स्थानांतरित विद्यार्थियों की पढ़ाई और प्रैक्टिकल में यदि कोई कमी रह गई है तो संबंधित सूटेबल कॉलेजों में अतिरिक्त कक्षाएं व डबल शिफ्ट चलाकर उसे पूरा कराया जाए। शेष 2,080 विद्यार्थियों को भी जल्द सूटेबल कॉलेजों में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए हैं। लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ता आलोक वागरेचा और विशाल बघेल ने विद्यार्थियों के स्थानांतरण पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि कई विद्यार्थियों ने ऐसे कॉलेजों में प्रवेश लिया था जहां पर्याप्त फैकल्टी और इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध नहीं था। कोर्ट ने कहा कि नर्सिंग में केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है। पर्याप्त शिक्षा और प्रायोगिक प्रशिक्षण के बिना तैयार नर्सिंग विद्यार्थी भविष्य में मरीजों और समाज के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। वहीं फर्जीवाड़े और डमी विद्यार्थियों की समस्या पर स्थायी अंकुश लगाने के लिए एएनएम और जीएनएम पाठ्यक्रमों में सीधे काउंसलिंग के बजाय प्रवेश परीक्षा कराने का सुझाव भी रखा गया। प्रवेश परीक्षा के आधार पर मेरिट तैयार कर कॉलेज आवंटित करने के प्रस्ताव को हाईकोर्ट ने उचित माना। राज्य सरकार और संबंधित नर्सिंग काउंसिल को इस पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

डोजबॉल में जबलपुर का परचम कटनी को हराकर जीता खिताब

हितकारिणी गोरखपुर स्कूल के चार खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार खेल कौशल

जबलपुर (स्वतंत मत)

जबलपुर में आयोजित अंतर जिला डोजबॉल प्रतियोगिता में मेजबान जबलपुर की सीनियर टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम कर जिले का गौरव बढ़ाया। फ इनल मुकाबले में जबलपुर की टीम ने कटनी जिले की टीम को पराजित कर प्रतियोगिता में अपनी श्रेष्ठता साबित की। जबलपुर की इस शानदार जीत में हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल गोरखपुर के चार खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शाला के छात्र सुमित चौधरी, प्रियांशु पासी, श्रेयांस झारिया एवं ओम यादव ने पूरे मुकाबले के दौरान उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। उनके प्रभावी प्रदर्शन ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में अहम योगदान दिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने मैदान पर अपनी फि टनेस, रणनीति और आत्मविश्वास का बेहतरीन प्रदर्शन किया। निर्णायक मुकाबले में जबलपुर की टीम ने एकजुट होकर खेलते हुए कटनी की टीम को शिकस्त दी और विजेता ट्रॉफ ी पर कब्जा जमाया। इस उपलब्धि के बाद हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल गोरखपुर में हर्ष का माहौल है। शाला प्रबंधन ने सुमित, प्रियांशु, श्रेयांस और ओम को उनकी सफ लता पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बरगी डैम के खोले गए 9 गेट, 1031 क्यूमेक पानी की होगी निकासी

तेजी से बढ़ रहा घाटों का जलस्तर अलर्ट जारी

जबलपुर (स्वतंत मत)

जिले में भले ही बारिश सामान्य से कम हुई हो, लेकिन अन्य जिले मंडला और डिंडौरी में लगातार हो रही बारिश से बरगी बांध लबालब भर गया है। जलस्तर बढ़ने के बाद वर्ष 2026 में पहली बार मंगलवार 18 अगस्त को बांध के 21 में से 9 गेट खोले गए। बांध प्रबंधन ने नर्मदा के घाटों और तटीय क्षेत्रों के लिए अलर्ट जारी किया है। बांध प्रबंधन के अनुसार 17 अगस्त की रात 8 बजे बरगी बांध का जलस्तर 420.80 मीटर दर्ज किया गया। इसके बाद 18 अगस्त की सुबह लगभग 11 बजे से 9 गेट खोलने का निर्णय लिया गया। फिलहाल बांध की जल उपयोगी क्षमता 2674 एमसीएम यानी 84.08 प्रतिशत है।

0.78 मीटर की ऊंचाई तक खुले गेट- जानकारी के मुताबिक वर्तमान में बांध में पानी की आवक 1620 क्यूमेक है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान और जलभराव क्षेत्र में हो रही बारिश को देखते हुए जलस्तर नियंत्रित करने के लिए 9 गेट एक-एक कर खोले गए। इन गेटों को औसतन 0.78 मीटर की ऊंचाई तक खोलकर लगभग 1031 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है। बांध से पानी छोड़े जाने के बाद नर्मदा के घाटों पर जलस्तर 3 से 4 फीट तक बढ़ सकता है। प्रबंधन ने बताया कि बांध में पानी की आवक के अनुसार पानी की निकासी कभी भी घटाई या बढ़ाई जा सकती है।

पिछले साल की अपेक्षा एक माह देरी से खुले गेट- बरगी बांध के गेट खोले जाने के बाद प्रशासन और बांध प्रबंधन ने लोगों से नर्मदा नदी के घाटों एवं तटीय क्षेत्रों से दूरी बनाए रखने की अपील की है। खासकर नदी के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। वर्ष 2025 में बरगी बांध के गेट इस साल की तुलना में 23 दिन पहले, 6 जुलाई को खोले गए थे। तब भी 21 में से 9 स्पिल-वे गेट दोपहर 12 बजे खोले गए थे। गेट औसतन 1.33 मीटर की ऊंचाई तक खोले गए थे और करीब 52 हजार 195 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था।

रेल संरक्षा आयुक्त की मौजूदगी में होगा नए रेल ट्रैक का परीक्षण

जबलपुर (स्वतंत मत)। पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल में ललितपुर-सिंगरौली नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत रामपुर नैकिन-चुरहट के मध्य निर्मित 22.90 किलोमीटर लंबे नवीन रेल खंड का रेल संरक्षा आयुक्त मध्य वृत (मुंबई) गुरु प्रकाश द्वारा यात्री परिचालन हेतु विस्तृत संरक्षा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चुरहट स्टेशन पर अधिकारियों के साथ बैठक कर संरक्षा संबंधी अभिलेखों एवं दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। इसके बाद मोटर ट्रॉली से चुरहट से रामपुर नैकिन के मध्य रेलपथ, सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली, विद्युत अधोसंरचना, पुल, समपार फाटक, कर्व, एसईजे एवं टर्नआउट सहित विभिन्न तकनीकी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया जा रहा है।

नवप्रवेशित छात्राओं को दिया प्रेरणा मार्गदर्शन और आत्मनिर्भरता का संदेश

हितकारिणी महिला महाविद्यालय में तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत मत)

हितकारिणी महिला महाविद्यालय में नवप्रवेशित छात्राओं के लिए तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, पाठ्यक्रम, अनुशासन, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों एवं करियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नीलेश पाण्डेय ने नवप्रवेशित छात्राओं को प्रेरणादायी उद्बोधन देते हुए कहा कि महाविद्यालयीन जीवन केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने छात्राओं से कहा कि वे अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर सीखने, परिश्रम करने और उपलब्ध अवसरों का सदुपयोग करने का संकल्प लें। उप-प्राचार्य डॉ. पूर्णिमा तिवारी ने छात्राओं का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी दी और उन्हें महाविद्यालय परिवार का सक्रिय हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कला विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता बजाज, पीजी डिप्लोमा विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, वाणिज्य विभागाध्यक्ष श्री आशीष मालपानी, विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. चित्रा मिश्रा तथा क्रीड़ा विभागाध्यक्ष दिनेश सिंह ठाकुर ने छात्राओं को अपने-अपने विभाग एवं विषयों से संबंधित जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में अकाउंट ऑफिसर पवन वैद्य सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी संचालन डॉ. अंशुल मिश्रा ने किया।

नगर निगम की जनसुनवाई में पहुंचे 69 आवेदन

जबलपुर (स्वतंत मत)। नगर निगम मुख्यालय और सभी संभागीय कार्यालयों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों को बड़ी राहत मिली। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर अपर आयुक्त विद्यानंद बाजपेई, अशफाक कुरैशी एवं प्रभारी जनसुनवाई वेद प्रकाश चैधरी ने नागरिकों की समस्याओं को सुना, और अधिकारियों को मौके पर बुलाकर उनका तुरंत समाधान भी कराया। अधिकारियों के इस त्वरित कार्यवाही से काम कराने आए नागरिकों के चेहरों पर खुशी साफ देखी जा सकती थी। मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 44 शिकायतें प्राप्त हुईं। अपर आयुक्त विद्यानंद बाजपेई, अशफाक कुरैशी एवं प्रभारी जनसुनवाई वेद प्रकाश चैधरी ने सभी शिकायतों को संबंधित विभागों के प्रमुखों को सौंपते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

मृगेंद्र बने अध्यक्ष, असीम को मिली सचिव की कमान

मप्र हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव परिणाम हुए घोषित

जबलपुर (स्वतंत मत)

मप्र हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के 2026-28 के चुनाव के परिणाम मंगलवार को जारी किए गए। सीनियर एडवोकेट मृगेंद्र सिंह अध्यक्ष निर्वाचित हुए, जबकि असीम त्रिवेदी ने सचिव पद पर जीत दर्ज की। अध्यक्ष पद पर मृगेंद्र सिंह को 780 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी परितोष त्रिवेदी को 728 मत प्राप्त हुए। मृगेंद्र सिंह ने 52 वोट से जीत हासिल की। सचिव पद पर असीम त्रिवेदी को 894 वोट मिले। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी योगेश सोनी को 701 वोट प्राप्त हुए। इस तरह असीम त्रिवेदी ने 193 वोट के अंतर से जीत दर्ज की। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव सहित कार्यकारिणी के चुनाव के लिए सोमवार को मतदान शुरू हुआ था। चुनाव में करीब 3,112 अधिवक्ता मतदाता थे, जिनमें 3,004 सामान्य और 108 महिला मतदाता शामिल थीं। इनमें से कुल 2,008 अधिवक्ताओं ने मतदान किया।

फ्रीजर में रखे मिले सड़े मोमोज़, मिलावट की आशंका पर कई किलो घी जब्त

मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की ताबड़तोड़ दबिश

जबलपुर (स्वतंत मत)

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार दूषित एवं मिलावटी खाद्य सामग्री का विक्रय रोकने चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत नगर निगम मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मंगलवार को कई प्रतिष्ठानों की आकस्मिक जांच की तथा लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन पाये जाने पर एक प्रतिष्ठान के मैनेजर और मालिक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में नगर निगम दल के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने विजय नगर स्थित राज डेयरी का निरीक्षण किया तथा यहां से पनीर और घी के सैंपल लिए। उखरी तिराहा स्थित ई कॉमर्स प्लेटफार्म ब्लिंकिट कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड के औचक निरीक्षण के दौरान पूजा घी के नाम से घी के पैकेट विक्रय करते पाये जाने पर मैनेजर की उपस्थित में पूजा घी का सैंपल लिया गया तथा 16 किलो पूजा घी जब्त किया गया। इसके साथ ही यहां से शंका के आधार पर अमूल बटर का सैंपल भी लिया गया।

भारी मात्रा में सड़ी हुई मिली शेजवान चटनी- इसी क्रम में दीनदयाल चौक स्थित बड़कुल स्वीट एवं रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया। यहां पर अत्यधिक गंदगी एवं अस्वच्छ परिस्थिति में भोजन एवं मिठाइयों का निर्माण करना पाया गया। डीप फ्रीजर में बहुत गंदा फफूंद लगा हुआ पाया गया जिसके अंदर सड़े हुए मोमोज़ लगभग 100 पीस तथा लगभग 5 किलो शेजवान चटनी रखे पाये गये। इनके सैंपल लेकर शेष सामग्री को मौके पर नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन पाये जाने पर नगर निगम मजिस्ट्रेट ने पर बड़कुल स्वीट एन्ड रेस्टोरेंट प्रतिष्ठान के मैनेजर एवं मालिक के विरुद्ध एफआइआर दर्ज कराने के निर्देश दिये हैं। इसी प्रकार नगर निगम मजिस्ट्रेट द्वारा राज डेयरी पर 3 हजार रूपये का जुर्माना एवं बड़कुल स्वीट्स रेस्टोरेंट में 10 हजार रूपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जांच हेतु लिए गए सभी सैंपल राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे है। रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

गंदगी फैलाने वालों पर होगी सख्त चालानी कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत मत)। नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज निगम मुख्यालय में समीक्षा बैठक आहूत कर लोक निर्माण लोककर्म, जल प्रदाय एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख कार्यों और योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान स्पष्ट किया कि स्वच्छता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। शहर में गंदगी फैलाने, खुले में कचरा फेंकना और स्वच्छता मानकों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्ती से चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए, ताकि जबलपुर को और अधिक स्वच्छ व सुंदर बनाया जा सके।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**